ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

FIRST CONTACT

"We have suffered a severe loss. Half of our dogs and three fully equipped sledges. Fritz also got his hands on Marius's journal, so, he could not be better informed of our whereabouts."

Jaipur Literature Festival unveils Second Speaker List for 20th Edition

'अडानी बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, टाटा ग्रुप के टुकड़े-टुकड़े होने का'

राहुल गांधी ने मोदी सरकार के खिलाफ आक्रमण और तीव्र करते हुए यह भी कहा कि अडानी का मन्तव्य है कि टाटा समूह के कमज़ोर होने पर उन्हें इस समूह को निगलना आसान हो जाएगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उनकी सरकार और उनके करीबी उद्योगपतियों के खिलाफ अपना हमला तेज कर दिया है।

कल मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर "मॉक पार्लियामैंट" (प्रतीकात्मक संसद) आयोजित की जा रही है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सार्वजनिक रूप से "महाभियोग" चलाया जाएगा।

एक नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली में समाज के सभी वर्गों के लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। इसमें पूरा विपक्ष एकजुट है। यहाँ तक कि सीजेपी ने भी इस रैली को अपना समर्थन दिया है।

इसके अलावा, सीईसी और मोदी सरकार की नीतियों के कारण जिन लोगों के अधिकार छिन गए हैं, या जिन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया है, उनके भी इस रैली में बड़ी संख्या में शामिल होने की संभावना है।

- **अपनी आक्रामक नीति के तहत राहुल व प्रियंका बड़ी गंभीरता से एक नवम्बर को रामलीला ग्राउण्ड्स की अपनी रैली को भव्य बनाने की तैयारी में जुटे हैं।**
- **प्रियंका गांधी ने रामलीला ग्राउण्ड्स का गुरुवार को "डिटेल" में दौरा किया और राहुल ने कांग्रेस नेताओं को व्यक्तिगत रूप से पाबंद किया, रैली में भारी उपस्थिति लाने के लिए।**
- **राहुल का नज़दीकी ग्रुप यह भी दावा कर रहा है कि सरकार के भीतर के असंतुष्ट अफसर व अन्य तत्व और सक्रिय हो गए हैं, राहुल को "सरकार-विरोधी" जानकारियाँ उपलब्ध कराने में। अतः शीघ्र ही काफी धमाकेदार खबरें रिलीज़ होंगी, राहुल की ओर से।**

रैली को सफल बनाने के लिए कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रियंका गांधी ने आज रामलीला मैदान जाकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ वहाँ की तैयारियों का जायजा लिया।

साथ ही, राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ अपने हमले का दायरा और बढ़ा दिया है।

उन्होंने सभी कारोबारियों और उद्योगपतियों को चेतावनी दी है कि वे अपनी आवाज उठाएं और न्याय सुनिश्चित करने के लिए आगे आएं, अन्यथा उनके कारोबार भी हड़प लिए जाएंगे।

यह मामला राहुल गांधी द्वारा टाटा समूह का मुद्दा उठाने से जुड़ा है। उन्होंने सवाल किया है कि टाटा समूह की बैठक अमित शाह के आवास पर क्यों हो रही थी।

उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा है कि मोदी के "नंबर वन उद्योगपति" (यानी अडानी) टाटा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रजिस्ट्रार जाँच करेंगे हाई कोर्ट का फर्जी आदेश कैसे तैयार हुआ

जयपुर, 29 अक्टूबर (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वोटर बनने के लिए हाईकोर्ट का फर्जी आदेश तैयार करने से जुड़े मामले में न्यायिक रजिस्ट्रार को कहा है कि वे इस संबंध में जांच करें और तीन दिन में अदालत में अपनी रिपोर्ट पेश करें। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश

- **कांग्रेस विधायक के पुत्र की याचिका की सुनवाई में हाई कोर्ट ने कथित आदेश की फोटो कॉपी को मूल आदेश से मिलया तो खुलासा हुआ।**

सूरजगढ़ से कांग्रेस विधायक श्रवण के पुत्र जयप्रकाश की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कथित आदेश की फोटो कॉपी की तुलना मूल आदेश से की, जिसमें पाया कि 16 अक्टूबर को अदालत ने कोई अंतरिम आदेश पारित करने के बजाए मामले की सुनवाई टाली थी। वहीं, निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता अमित कुडी ने पंचायत समिति, सूरजगढ़ के निर्वाचन अधिकारी की ओर से गत 16 अक्टूबर को जारी पत्र पेश किया। इस पत्र में कहा गया था कि याचिकाकर्ता ने इस याचिका में 16 अक्टूबर को पारित कथित आदेश की कॉपी पेश की है। इस कथित आदेश के अनुसार, हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के पक्ष में अंतरिम आदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाँग्लादेश की वायु सेना के अधिकारी की रहस्यमय मृत्यु

रिटायर्ड फ्लाइट लेफ्टिनेंट, तहसीफ सौरी के बारे में वो वीडियो काफी वायरल हो रहा था, जिसमें वे उस मौके पर मौजूद दिखाई दे रहे थे, जब अगस्त 2024, में शेख हसीना कुर्मीटोला एयरपोर्ट से हवाई जहाज से भारत के लिए रवाना हो रही थीं

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अगस्त 2024 में देश छोड़कर जाने के फुटेज से जुड़े बांग्लादेशी वायुसेना के एक पूर्व अधिकारी की रहस्यमय मौत ने राजनीतिक तनाव बढ़ा दिया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब अपदस्थ प्रधानमंत्री ने दिसम्बर में बाँग्लादेश लौटने की योजना जाहिर की है।

28 वर्षीय पूर्व फ्लाइट लैफ्टिनैंट केएम तहसीफ सौरी, जो पिछली शाम से लापता थे, का शव 28 अक्टूबर को राजाबाड़ी घाट के पास तुराग नदी में बहते हुये पाया गया। पुलिस ने उनका शव बरामद किया। उनकी जेब में मिले आईफोन से उनकी पहचान की पुष्टि हुई। शुरुआती जांच में शरीर पर बाहरी चोट के निशान नहीं मिले, हालांकि नाक से खून निकलने की बात सामने आई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हसीना को सत्ता से हटाए जाने के आसपास ही, सौरी को वायुसेना से बर्खास्त कर दिया गया था। परिवार

- **बाँग्लादेश के ध्रुवीकृत राजनीतिक वातावरण में ऐसी "घटनाएँ" आग में घी डालने का काम कर रही हैं तथा इन घटनाओं से राजनीतिक समझौते का वातावरण बनना मुश्किल लगता है, बाँग्लादेश में चुनाव आयोजित होने की संभावनाएँ और धूमिल हो जाती हैं।**

के सदस्यों ने आरोप लगाया कि 2024 में कुर्मिटोला हवाई अड्डे से हसीना के एक सैन्य विमान में सवार होने का वीडियो वायरल होने के बाद सौरी को लगातार परेशान किया जा रहा था और उन पर नजर रखी जा रही थी। यह वीडियो काफी व्यापक रूप से प्रसारित हुआ था।

हसीना की दिसंबर में वापसी की खबरों के बीच हुई इस मौत को लेकर इंटरनेट पर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। परिवार ने भी आरोप लगाया है कि यह कोई सामान्य मौत नहीं है, बल्कि इसका संबंध 2024 के उस जनविद्रोह से है, जिसके कारण हसीना की सरकार गिर गई थी। आलोचक और समर्थक, दोनों ही इस घटना को उस दौर के अधूरे हिसाब-किताब से जोड़कर देख रहे हैं। इससे उन लोगों को निशाना बनाए जाने का डर भी पैदा हो गया है, जो पूर्व सरकार या उसके विरोधियों से जुड़े रहे हैं। ऐसे तनावपूर्ण माहौल में ऐसी घटनाएं समाज में दरार को और गहरा कर सकती हैं, कट्टरपंथी सोच रखने वालों के हौसले बढ़ा सकती हैं और राजनीतिक मेल-मिलाप या चुनाव की दिशा में आगे बढ़ने की कोशिशों को मुश्किल बना सकती हैं। साथ ही, अगस्त 2024 की घटनाओं से जुड़े नेताओं और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ सकती हैं।

ढाका से भागकर भारत में रह रहीं हसीना बार-बार कह चुकी हैं कि वे दिसंबर में बांग्लादेश के विजय -माह के दौरान वापस लौटेंगी। "मानवता के खिलाफ अपराधों" के मामले में उन्हें उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड सुनाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अक्टूबर माह में 48 हजार करोड़ रूपए "विदड्रॉ" किए, विदेशी निवेशकों ने

अगर वर्ष 2026 की बात करें तो विदेशी निवेशकों ने 1.56 लाख करोड़ रूपए की पूँजी भारत के शेयर मार्केट से निकाल कर, अन्य देशों में लगाई

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। विदेशी निवेशक भारत के वित्तीय बाज़ारों को एक स्पष्ट चेतावनी दे रहें हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अक्टूबर में 24 अक्टूबर तक भारतीय शेयरों से 48,056 करोड़ रुपये निकाल लिए। इसके साथ ही, 2026 में अब तक कुल 3.08 लाख करोड़ रुपये की निकासी हो चुकी है। यह 2025 के पूरे साल में निकाली गई 1.66 लाख करोड़ रुपये की रकम का लगभग दोगुना है। इतनी बड़ी मात्रा में पूंजी का बाहर जाना चिंता का विषय है, इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए।

- **यह गंभीर और चौंकाने वाली बात है। पर, केवल अमेरिकी बॉण्ड से मिलने वाले "रिटर्न" में वृद्धि इस पलायन का कारण बताकर संतोष कर लेना घातक साबित हो सकता है।**

इसके तात्कालिक कारण मुख्य रूप से बाहरी हैं। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिका में बॉन्ड पर मिलने वाले ऊंचे ब्याज ने उभरते बाज़ारों में निवेश को कम आकर्षक बना दिया है। निवेशक अपना पैसा उत्तर एशिया के बाज़ारों की ओर भी ले जा रहे हैं, जहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कारण आई तेजी के कारण शेयर बाजार में तेजी से निवेश के अच्छे अवसर दिखाई दे रहे हैं। जब अमेरिका में कम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

त्रिपोलिया बाज़ार के 277 साल पुराने मंदिर में कॉम्प्लैक्स कैसे बना?

जयपुर, 29 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर के त्रिपोलिया बाजार में 277 साल पुराने श्रीरघुनाथजी मंदिर को ध्वस्त कर कथित तौर पर कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स निर्माण से जुडे मामले में राज्य सरकार और नगर निगम से जवाब मांगा है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की

- **हाई कोर्ट ने राजस्थान सरकार व नगर निगम से जवाब मांगा।**

खंडपीठ ने ये आदेश किशोर कुमार अग्रवाल की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी ने बताया कि बाजार के श्रीजी की मोरी स्थित 277 साल पुराने और करीब 7648 वर्ग फीट में फैले श्री रघुनाथजी मंदिर परिसर के मूल स्वरूप को खत्म

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुरानी "आइकॉनिक" मैगज़ीन "लाइफ" का प्रकाशन 26 साल बाद पुनः शुरु होगा

हाई क्वालिटी "फोटोग्राफ्स" के लिए अपने समय की लोकप्रिय व प्रतिष्ठित मैगज़ीन के पुराने पाठकों के मन रोमांचित हो गए हैं, इस खबर से

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। उन लाखों लोगों के लिए, जो स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट पर लगातार आती खबरों के दौर से पहले की दुनिया में पले -बढ़े, "लाइफ" केवल एक पत्रिका नहीं थी। यह दुनिया को देखने की एक खिड़की थी। इसमें छपी तस्वीरें दूर-दराज के देशों, ऐतिहासिक घटनाओं, मशहूर हस्तियों और आम लोगों को लोगों के घरों तक ले जाती थीं। उस समय, जब रोजमर्रा की जिंदगी से बाहर की दुनिया और उसके अनुभवों को जानने का मुख्य साधन छपे हुए पन्ने ही हुआ करते थे।

- **पाठक "लाइफ" मैगज़ीन की प्रतियों के आने का इंतज़ार करते थे, उसे पढ़ने व देखने के लिए तथा उसे सुरक्षित रखते थे, भावी पीढ़ियों के लिए।**
- **"लाइफ" 250 पेज के विशेषांक के साथ, अपने आगमन की खबर देना चाहता है, पाठकों, फोटोग्राफर्स व स्तंभकारों को।**
- **"लाइफ" का पहला अंक, इस प्रश्न को संबोधित करेगा, "अब हम कहाँ हैं"।**

"रीडर्स डाइजैस्ट" की तरह ही, इस पत्रिका का भी कई पीढ़ियों की पढ़ने की आदतों में खास स्थान था। इसलिए "लाइफ" की वापसी उन पाठकों के लिए पुरानी यादों से जुड़ा एक खास पल है, जिन्हें वह समय याद है, जब पत्रिकाओं के नए अंक का बेसब्री से इंतजार किया जाता था, उन्हें ध्यान से पढ़ा जाता था और अक्सर संभालकर भी रखा जाता था।

नियमित प्रकाशन से 26 साल दूर रहने के बाद, यह प्रसिद्ध अमेरिकी पत्रिका 250 पन्नों के अपने एक विशिष्ट अंक के साथ फिर से छपकर आने की तैयारी कर रही है। इस अंक का नाम है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

राजस्थान जल समृद्ध परियोजनाएँ: जिनसे बन रहा है प्रदेश समृद्ध

राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ देश के सबसे जल-संकटग्रस्त प्रदेशों में भी गिना जाता है। यहाँ वर्षा अनियमित है, नदियाँ सीमित हैं, भूजल तेजी से गिर रहा है और मरुस्थलीय क्षेत्रों में पेयजल तथा सिंचाई की चुनौती सदियों से बनी हुई है। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही बड़ी जल परियोजनाएँ केवल इंजीनियरिंग कार्य नहीं हैं, बल्कि ये कृषि, उद्योग, रोजगार, स्वास्थ्य और ग्रामीण जीवन को बदलने वाले विकास के साधन बन रही हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, अटल भूजल योजना तथा अमृत मिशन जैसी पहलें मिलकर राजस्थान को जल आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं।

राजस्थान की जल समस्या केवल पानी की कमी की समस्या नहीं है, बल्कि यह विकास की सबसे बड़ी बाधा भी है। जहाँ पानी नहीं होता, वहाँ फसल नहीं होती; जहाँ फसल नहीं होती, वहाँ किसान की आय नहीं बढ़ती; और जहाँ आय नहीं बढ़ती, वहाँ पलायन, बेरोजगारी और सामाजिक असंतोष बढ़ता है। इसीलिए जल परियोजनाओं का महत्व केवल नदियों, बांधों और पाइपलाइनों तक सीमित नहीं है। ये परियोजनाएँ गाँवों को रोजगार देती हैं, खेतों को हरियाली देती हैं, बच्चों को स्वस्थ जीवन देती हैं और महिलाओं को पानी लाने की मजबूरी से मुक्त करती हैं। इस दृष्टि से राजस्थान की जल परियोजनाएँ वास्तव में समग्र विकास की नींव हैं।

सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना राम जल सेतु लिंक परियोजना है, जिसे पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना अर्थात ईआरसीपी के विस्तारित रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कूनो, पार्वती और कालीसिंध नदियों के अतिरिक्त जल को बनास, बाणगंगा, गंभीरी, रूपारेल तथा साबी नदी बेसिनों तक पहुँचाना है। इससे पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों के लगभग तीन करोड़ से अधिक लोगों को पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही लगभग चार लाख से अधिक हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा विकसित होगी और औद्योगिक क्षेत्रों को भी जल दिया जाएगा। यह परियोजना राज्य की लगभग 40 प्रतिशत आबादी के जल भविष्य से जुड़ी है।

राम जल सेतु लिंक परियोजना की विशेषता यह है कि यह केवल एक नहर या एक बांध की परियोजना नहीं है, बल्कि यह राज्य के लिए एक एकीकृत जल ग्रिड बनाने का प्रयास है। इसके अंतर्गत रामगढ़ और महलपुर बैराज, 425 क्यूमेक क्षमता वाला पंपिंग स्टेशन तथा चंबल नदी पर कोटा-बूंदी के बीच लगभग 2.28 किलोमीटर लंबा जलसेतु शामिल है। यह जलसेतु देश के सबसे बड़े एक्वाडक्ट संरचनाओं में से एक होने का दावा किया जा रहा है। परियोजना के पूर्ण होने पर कालीसिंध नदी पर बने नवनेरा बैराज से जल को मेज नदी में छोड़ा जाएगा, फिर वहाँ से फीडर प्रणाली के माध्यम से गलवा बांध, बीसलपुर और ईसरदा बांध तक पानी पहुँचाया जाएगा।

यह परियोजना लगभग 92 हजार करोड़ रुपये की लागत से बन रही है और इसका लक्ष्य 2028 तक पूर्ण करना है। इससे लगभग 4 लाख 98 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी। अजमेर, भरतपुर, जयपुर और अलवर जैसे जिलों को पेयजल, सिंचाई तथा औद्योगिक जल की दृष्टि से लाभ मिलेगा। यदि यह परियोजना समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरी होती है, तो पूर्वी राजस्थान की आर्थिक संरचना बदल सकती है। किसानों को सिंचाई की सुरक्षा मिलेगी, उद्योगों को जल की निश्चितता मिलेगी और शहरों को पेयजल संकट से राहत मिलेगी।

राजस्थान के लिए यमुना जल समझौता भी ऐतिहासिक महत्व रखता है। इस समझौते के तहत लगभग 295 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के माध्यम से 1,917 क्यूसेक यमुना जल शेखावाटी क्षेत्र तक पहुँचाया जाना है। इससे सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिलों के लगभग 75 लाख लोगों को स्थायी पेयजल की राहत मिलेगी। शेखावाटी क्षेत्र दशकों से भूजल के गिरते स्तर, खारे पानी और गहरे बोरवेलों की समस्या से जूझ रहा है। ऐसे में यमुना जल का आगमन केवल जलापूर्ति नहीं, बल्कि उस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक जीवन के लिए नई उम्मीद है।

पेयजल परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ महिलाओं और बच्चों को मिलता है। ग्रामीण राजस्थान में अभी भी कई स्थानों पर महिलाएँ किलोमीटरों दूर से पानी भरकर लाती हैं। इससे उनका समय, शरीरिक श्रम और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होते हैं। जब घर तक नल जल पहुँचेगा, तो महिलाएँ शिक्षा, आजीविका, स्वयं सहायता समूहों और पारिवारिक विकास में अधिक समय दे सकेंगी। इसीलिए जल परियोजनाएँ सीधे तौर पर महिला सशक्तिकरण से भी जुड़ी हैं। जल उपलब्धता बच्चों के स्वास्थ्य को सुधारती है, स्वच्छता को बढ़ाती है और जलजनित बीमारियों को कम करती है।

बड़ी नदी-जोड़ परियोजनाओं के साथ-साथ राजस्थान को जल संरक्षण पर भी विशेष बल देना होगा। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की न्यूनतम आवश्यकता पूरी करना, जल उपलब्धता बढ़ाना और सूखे के दौरान जल संकट से निपटना है। अभियान के नए चरण के तहत चार वर्षों में 20 हजार गाँवों में पाँच लाख जल संचयन और जल संरक्षण संरचनाएँ बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें तालाब, अनाकोट, चौकड़ी, खड़िन, रेतीले क्षेत्रों में जल संचयन संरचनाएँ तथा वर्षा जल संचयन इकाइयाँ शामिल हो सकती हैं।

> **राजस्थान सरकार ने राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित लगभग एक लाख करोड़ रुपये के कार्यों में से लगभग 41 हजार करोड़ रुपये के कार्य शुरू कर दिए हैं। यह प्रगति प्रोत्साहनजनक है, क्योंकि बड़ी परियोजनाओं में सबसे बड़ी चुनौती वित्तीय अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय स्वीकृति और निर्माण की गति होती है।**

राजस्थान की परंपरागत जल प्रणालियाँ आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। खड़िन, तालाब, बावड़ी, झालरा, कुंड, अनाकोट और पाल जैसी संरचनाएँ पीढ़ियों से जल संचयन का काम करती रही हैं। आधुनिक परियोजनाओं के साथ इन पारंपरिक संरचनाओं का पुनरुद्धार आवश्यक है। यदि गाँव स्तर पर वर्षा जल को रोका और संचित किया जाए, तो भूजल रिचार्ज बढ़ेगा, कुओं और बोरवेलों में पानी बढ़ेगा तथा सूखे का प्रभाव कम होगा। जल संरक्षण को सरकारी योजना से आगे बढ़ाकर जन आंदोलन बनाना ही राजस्थान की असली जल सुरक्षा का रास्ता है।

अटल भूजल योजना भी राजस्थान की जल नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। राज्य में भूजल का अत्यधिक दोहन एक गंभीर समस्या है। कई जिलों में भूजल स्तर इतना नीचे जा चुका है कि किसानों को गहरे बोरवेल खुदवाने पड़ रहे हैं, जिससे उनकी लागत बढ़ रही है और भूजल की गुणवत्ता भी खराब हो रही है। ऐसे में भूजल रिचार्ज, वर्षा जल संचयन, टपक सिंचाई और जल प्रबंधन की जागरूकता अनिवार्य है। जल बचाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है; किसान, उद्योगपति, नगर निगम, पंचायत और आम नागरिक सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी।

कृषि क्षेत्र में जल का उपयोग सबसे अधिक होता है। इसलिए जल समृद्धि के लिए सिंचाई तकनीक को बदलना आवश्यक है। पारंपरिक बाढ़ सिंचाई के स्थान पर टपक सिंचाई और फव्वारा सिंचाई को बढ़ावा देना चाहिए। टपक सिंचाई से पानी की खपत कम होती है और फसल को आवश्यक मात्रा में नमी मिलती है। इससे कम पानी में अधिक उत्पादन संभव होता है। सरकार को किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई के लिए अनुदान, तकनीकी प्रशिक्षण तथा रखरखाव सहायता देनी चाहिए। साथ ही कम पानी में उगने वाली फसलों को प्रोत्साहन देना भी आवश्यक है।

नर्मदा नहर परियोजना, परवन परियोजना, धौलपुर लिफ्ट, उच्च स्तरीय नहर-माही, पीपलखूंट उच्च स्तरीय नहर और कालीतीर लिफ्ट जैसी बड़ी परियोजनाएँ भी राजस्थान के जल विकास के महत्वपूर्ण घटक हैं। ये परियोजनाएँ जालोर, बाड़मेर, झालावाड़ और धौलपुर जैसे क्षेत्रों में सिंचाई तथा पेयजल की समस्या को कम करने की दिशा में काम कर रही हैं। इन परियोजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा, जब उनका निर्माण समय पर हो, भ्रष्टाचार न हो, भूमि अधिग्रहण में प्रभावित परिवारों को उचित पुनर्वास मिले और जल वितरण में पारदर्शिता रहे।

जल परियोजनाओं की सफलता केवल निर्माण तक सीमित नहीं है। उनका रखरखाव, नियमित निरीक्षण, जल गुणवत्ता की जाँच और स्थानीय जनता की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। कई बार तालाब बन जाते हैं, पर उनकी सफाई नहीं होती; पाइपलाइन बिछ जाती है, पर रिसाव नियंत्रित नहीं होता; नहर बन जाती है, पर अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुँचता। इसलिए जल प्रबंधन में ग्राम पंचायतों, जल उपयोगकर्ता संघों और स्थानीय समितियों की भूमिका मजबूत करनी चाहिए। जनता की निगरानी ही परियोजनाओं की गुणवत्ता की सबसे बड़ी गारंटी है।

राजस्थान सरकार ने राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित लगभग एक लाख करोड़ रुपये के कार्यों में से लगभग 41 हजार करोड़ रुपये के कार्य शुरू कर दिए हैं। यह प्रगति प्रोत्साहनजनक है, क्योंकि बड़ी परियोजनाओं में सबसे बड़ी चुनौती वित्तीय अनुमोदन, भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय स्वीकृति और निर्माण की गति होती है। सरकार को चाहिए कि वह इन परियोजनाओं की समयबद्ध समीक्षा करे और जनता को नियमित रूप से प्रगति की जानकारी दे। पारदर्शिता से जनविश्वास बढ़ेगा और परियोजनाओं में विलंब कम होगा।

जल समृद्धि से राजस्थान की समृद्धि का संबंध सीधा है। जब सिंचाई बढ़ेगी, तो कृषि उत्पादन बढ़ेगा। कृषि उत्पादन बढ़ने से किसानों की आय बढ़ेगी, खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। पेयजल उपलब्ध होने से स्वास्थ्य सुधरेगा और पलायन कम होगा। औद्योगिक जल उपलब्ध होने से निवेश बढ़ेगा, उद्योग स्थापित होंगे और युवाओं को रोजगार मिलेगा। इस प्रकार जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार है।

फिर भी, यह भी स्पष्ट है कि बड़ी परियोजनाएँ अकेले समाधान नहीं हैं। राजस्थान को जल के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी। हर घर में वर्षा जल संचयन, हर स्कूल और सरकारी भवन में रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग, हर गाँव में तालाबों का पुनरुद्धार और हर किसान के खेत में जल-कुशल सिंचाई आवश्यक है। शहरों में अपशिष्ट जल शोधन और पुनः उपयोग को बढ़ावा देना होगा। उद्योगों को जल पुनर्चक्रण अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा। जब तक जल बचाने की संस्कृति विकसित नहीं होगी, तब तक बड़ी परियोजनाएँ भी पूर्ण समाधान नहीं बन पाएँगी।

राजस्थान की जल परियोजनाएँ राज्य के लिए आशा की किरण हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना पूर्वी राजस्थान को जल ग्रिड से जोड़ रही है, यमुना जल समझौता शेखावाटी के सूखे क्षेत्रों को राहत दे रहा है, और जल स्वावलंबन अभियान गाँवों में आत्मनिर्भरता की नींव बना रहा है। यदि इन परियोजनाओं को समय पर, पारदर्शी ढंग से और जनभागीदारी के साथ पूरा किया जाए, तो राजस्थान आने वाले वर्षों में जल संकट से निकलकर जल समृद्धि की ओर बढ़ सकता है। जल बचेगा, तो खेती बचेगी; खेती बचेगी, तो गाँव बचेगा; और गाँव बचेगा, तो राजस्थान सचमुच समृद्ध बनेगा।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राजकीय शिक्षण संस्थानों में प्रवेश और अनुशासन: गुणवत्ता की पहली शर्त है मुख्य द्वार की मर्यादा

प्रोफेसर अशोक कुमार

किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे पहली पहचान, उसकी गरिमा और उसकी शैक्षणिक गुणवत्ता का पहला पैमाना उस संस्थान के मुख्य द्वार से तय होता है। परिसर में प्रवेश की मर्यादा यह दर्शाती है कि वह स्थान विद्या का पावन मंदिर है या फिर बिना किसी जवाबदेही वाला खुला मैदान। एक कड़वी मगर वास्तविक सच्चाई यह है कि निजी शिक्षण संस्थान-चाहे वे विद्यालय हों, महाविद्यालय हों, विश्वविद्यालय हों या फिर आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान-अपनी चारदीवारी और प्रवेश द्वारों को लेकर अत्यंत सजग रहते हैं।

वहां किसी का भी प्रवेश असीमित या अनियंत्रित नहीं होता। केवल वही विद्यार्थी, प्राध्यापक अथवा कर्मचारी अंदर कदम रख सकता है जिसका संस्थान से वैध संबंध हो। यदि किसी बाहरी व्यक्ति या अभिभावक को जाना भी हो, तो विधिवत स्वागत कक्ष (रिसेप्शन) पर पहचान पत्र दर्ज कराना पड़ता है, अनुमति लेनी होती है, और प्रवेश रजिस्टर में नाम दर्ज करना होता है। समाज का कोई भी वर्ग इस व्यवस्था का न तो विरोध करता है और न ही इसे नागरिक अधिकारों का हनन मानता है। सब इसे अनुशासन, सुरक्षा और गुणवत्ता का स्वाभाविक मानक मानते हैं।

इसके विपरीत, जब हम अपने राजकीय शिक्षण संस्थानों की ओर देखते हैं-चाहे वह प्राथमिक या माध्यमिक विद्यालय हों, राजकीय महाविद्यालय हों या प्रांतीय विश्वविद्यालय-तो स्थिति पूरी तरह उलट नजर आती है। राजकीय परिसर मानों 'सार्वजनिक संपत्ति' के नाम पर लावारिस मान लिए गए हैं। अधिकांश राजकीय संस्थानों में प्रवेश को विनियमित करने का कोई ठोस तंत्र ही नहीं है। यदि कोई प्रधानाचार्य या कुलपति अनुशासन की दृष्टि से मुख्य द्वार पर रोक-टोक लगाने या परिचय पत्र अनिवार्य करने का प्रयास करे, तो एक अजीब किस्म का आक्रोश, प्रतिरोध और राजनीतिक विरोध शुरू हो जाता है।

हाल ही में जब राजस्थान में राजकीय विद्यालयों में बाहरी तत्वों के अनियंत्रित प्रवेश को रोकने और बिना अनुमति किसी के भी परिसर में आने पर पाबंदी का आदेश जारी हुआ, तो इस पर अनावश्यक विवाद खड़ा किया गया। सवाल यह उठता है कि जो अभिभावक अपने बच्चों को निजी स्कूल भेजते समय सुरक्षा गार्ड की सघन तलाशी और आगंतुक पास की प्रक्रिया को गर्व से स्वीकार करते हैं, वही लोग राजकीय विद्यालयों में ऐसे नियमों को शक या तानाशाही के चश्मे से क्यों देखने लगते हैं? निजी परिसर में जो अनुशासन सुरक्षा कहलाता है, वही अनुशासन सरकारी संस्थान में अधिकारों का हनन क्यों मान लिया जाता है?

अनियंत्रित प्रवेश: विकृतियों की खुली छूट -राजकीय संस्थानों में प्रवेश नियंत्रण के अभाव ने उच्च शिक्षा और स्कूली व्यवस्था को भीतर से खोखला कर दिया है। आज देश के अधिकांश सरकारी महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के परिसर सुबह और शाम टहलने वालों (मॉर्निंग वॉकर्स), कुत्तों को घुमाने वालों और स्थानीय मोहल्ले के लोगों के विश्राम स्थल में तब्दील हो चुके हैं। सार्वजनिक उद्यान और शिक्षण संस्थान के बुनियादी अंतर को भुला दिया गया है।

इससे भी अधिक गंभीर स्थिति दोपहर के समय देखने को मिलती है। जब कक्षाएं चलनी चाहिए, तब परिसरों में बाहरी असामाजिक तत्वों, निष्कासित छात्रों और राजनीतिक गुटों से जुड़े युवाओं का बेरोक-टोक जमावड़ा रहता है। ये तत्व न तो किसी पाठ्यक्रम में नामांकित होते हैं और न ही इनका कोई रचनात्मक उद्देश्य होता है। इनका मुख्य कार्य परिसर में छात्र राजनीति के नाम पर शक्ति प्रदर्शन करना, शिक्षकों पर अनुचित दबाव बनाना, छात्राओं के मन में असुरक्षा पैदा करना और आए दिन दंगे-फसाद व तोड़फोड़ करना होता है। किसी भी विवाद में बाहरी भीड़ को जुटाना बेहद आसान हो जाता है क्योंकि गेट पर रोकने वाला कोई नहीं है।

परिणामस्वरूप, जो समय शोध, संवाद, पुस्तकालय और बौद्धिक विमर्श में लगना चाहिए, वह पुलिस बुलाने, धरने-प्रदर्शनों को शांत कराने और कानून-व्यवस्था संभालने में नष्ट हो जाता है। सामान्य और अध्ययनशील छात्र भय के साए में जीता है, जबकि सक्षम अभिभावक ऐसे अराजक माहौल को देखकर अपने बच्चों को सरकारी संस्थानों से निकालकर निजी संस्थानों की ओर ले जाने को मजबूर होते हैं।

सार्वजनिक संपत्ति बनाम मुक्त चारागाह: सोच का संकट -इस समस्या की जड़ हमारे नागरिक बोध और राजनीतिक दृष्टिकोण के एक गहरे भटकाव में छिपी है। हमारे समाज में सार्वजनिक (पब्लिक) शब्द का अर्थ गलत तरीके से बिना रोक-टोक का समझ लिया गया है। अस्पताल, न्यायालय, रेलवे स्टेशन और शिक्षण संस्थान-सभी सार्वजनिक उपक्रम हैं, लेकिन क्या सुरक्षा और कार्य-प्रणाली के नियमों के बिना इनमें से कोई भी संस्थान चल सकता है?

न्यायालय के भीतर कोई भी व्यक्ति बिना कारण या प्रक्रिया के प्रवेश नहीं कर सकता। हवाई अड्डे या सैन्य क्षेत्र में सार्वजनिक धन लगा है, परंतु वहां सुरक्षा नियम सर्वोपरि हैं। फिर शिक्षण संस्थान, जहां राष्ट्र की भावी पीढ़ी गढ़ी जा रही है, वहां यह छूट क्यों कि कोई भी जब चाहे, जैसे चाहे, अंदर घुस आए?

राजनीतिक दलों की संकीर्ण मानसिकता भी इसमें बड़ी बाधा है। छात्र राजनीति को मुख्यधारा की राजनीति की नर्सरी माना गया था, लेकिन व्यवहार में यह कई जगह स्थानीय बाहुबल और उपद्रव का अड्डा बन गई है। जब भी कोई प्रशासन गेट पर बायोमेट्रिक, परिचय पत्र या सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करता है, तो छात्र संगठन इसे 'लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला' बताकर आंदोलन छेड़ देते हैं। राजनीतिक पार्टियां भी वोट बैंक और युवा कार्यकर्ताओं को खुश रखने के चक्कर में व्यवस्था सुधार के हर कदम का विरोध करती हैं। कोई भी दल इस दूरदर्शिता के साथ नहीं सोचता कि यदि संस्थान का माहौल ही सुरक्षित नहीं रहा, तो वहां से निकलने वाली पीढ़ी का भविष्य कैसा होगा।

प्रवेश नियंत्रण से शैक्षणिक माहौल में आमूलचूल बदलाव -यह एक अकाट्य सत्य है कि जिस दिन किसी शिक्षण संस्थान की देहरी पर अनुशासन का पहरा बैठ जाता है, उस दिन से उस संस्थान की आंतरिक व्यवस्थाएं स्वतः सुधरने लगती हैं:–

छात्राओं की निर्भय भागीदारी: छात्राओं के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता सुरक्षित वातावरण है। जब गेट पर हर आने-जाने वाले का विवरण दर्ज होगा और अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश बंद होगा, तो छात्राएं बिना किसी झिझक या डर के पुस्तकालय, प्रयोगशाला और खेल मैदानों का उपयोग कर सकेंगी।

शिक्षकों की गरिमा और सुरक्षा: कक्षाओं में घुसकर शिक्षकों से बदसलूकी करने या परीक्षा केंद्रों पर नकल माफियाओं के दबाव बनाने की घटनाएं तभी संभव होती हैं जब कैंपस खुला हो। नियंत्रित प्रवेश शिक्षकों को एक निर्भीक और सम्मानजनक वातावरण प्रदान करता है।

संसाधनों का समुचित उपयोग: सरकारी प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, खेल के मैदान और पुस्तकालय जनता के करों से बनते हैं। यदि बाहरी लोग इनका दुरुपयोग करेंगे, तो पंजीकृत विद्यार्थी इनसे वंचित रह जाएंगे। नियंत्रण से इन संसाधनों की उम्र और उपयोगिता दोनों बढ़ती हैं।

संस्थान के प्रति जिम्मेदारी का भाव: जब छात्र गले में परिचय पत्र डालकर और एक व्यवस्थित प्रक्रिया से परिसर में प्रवेश करता है, तो उसके भीतर संस्थान के प्रति एक अपनत्व और अनुशासन की मनोवैज्ञानिक भावना जाग्रत होती है।

समाधान: नीतिगत इच्छाशक्ति और नागरिक उत्तरदायित्व -इस बदहाली को बदलने के लिए सबसे पहले अभिभावकों और आम नागरिकों को आत्ममंथन करना होगा। नागरिकों को यह समझना होगा कि संस्थान को अपनी जागीर या खुला पार्क समझना संस्थान के हित में नहीं, बल्कि उसके पतन का कारण है। यदि कोई सरकारी स्कूल या कॉलेज अपने गेट बंद करके केवल संबंधित लोगों को अनुमति देता है, तो समाज को प्रशासन का घेराव करने के बजाय उसकी सराहना करनी चाहिए।

सरकारों को भी राजनीतिक नफे-नुकसान से ऊपर उठकर कड़े नीतिगत निर्णय लेने होंगे

स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रिया : सभी राजकीय स्कूलों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लिए एक केंद्रीय सुरक्षा व प्रवेश नियमावली अनिवार्य की जाए।

सुरक्षा तंत्र का आधुनिकीकरण: केवल आदेश जारी करने से काम नहीं चलेगा। संस्थानों को पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी, चारदीवारी, सीसीटीवी कैमरे और आधुनिक प्रवेश द्वार (स्मार्ट कार्ड या बायोमेट्रिक प्रणाली) के लिए बजट उपलब्ध कराना होगा।

शून्य सहनशीलता : परिसर के भीतर अनाधिकृत पाए जाने वाले बाहरी व्यक्तियों पर विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई हो, ताकि असामाजिक तत्वों में कानून का भय बने।

शिक्षण संस्थान बौद्धिक साधना के केंद्र हैं। जिस प्रकार किसी पवित्र स्थल में प्रवेश की एक मर्यादा और शुचिता होती है, उसी प्रकार शिक्षा के इन मंदिरों की दहलीज भी मर्यादित होनी चाहिए। जिस दिन देश के राजकीय संस्थानों के फाटकों पर मर्यादा और कानून का पहरा लग जाएगा, उसी दिन से सरकारी शिक्षा के पुनरुत्थान का वास्तविक अध्याय शुरू होगा।

राजकीय शिक्षण संस्थानों में प्रवेश और अनुशासन: गुणवत्ता की पहली शर्त है मुख्य द्वार की मर्यादा।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं
गोरखपुर विश्वविद्यालय

मतदाता सूची की शुद्धता: लोकतंत्र की पहली शर्त

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक पैमाना यही है कि हर पात्र नागरिक का नाम सूची में हो, प्रत्येक प्रविष्टि की विश्वसनीयता बनी रहे और शिकायत का समाधान निष्पक्ष तरीके से हो

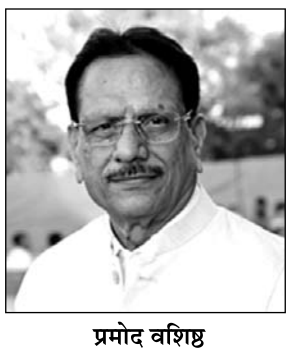

प्रमोद वशिष्ठ

लोकतंत्र में सरकार जनता के मत से बनती है, लेकिन उस मत की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने का काम मतदान से पहले शुरू हो जाता है। सबसे पहले यह तय होना चाहिए कि मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम सही ढंग से दर्ज हों, मृत व्यक्तियों के नामों का समय पर निराकरण हो, एक ही व्यक्ति का नाम अनावश्यक रूप से एक से अधिक स्थानों पर दर्ज न रहे। इसके साथ ही जरुरी है कि कोई इन अशुद्धियों का लाभ उठाकर फर्जी मतदान कर सके या कोई विदेशी घुसपैठियां अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाकर देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचा सके। चुनाव की निष्पक्षता पर होने वाली चर्चा में इस बुनियादी प्रश्न को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह काम आसान नहीं है। करोड़ों मतदाताओं, लगातार बदलते पते, रोजगार के लिए होने वाले पलायन और अलग-अलग क्षेत्रों की प्रशासनिक चुनौतियों के बीच मतदाता सूची को अद्यतन रखना एक निरंतर प्रक्रिया है। इसी संदर्भ में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की आवश्यकता और उसके तरीके पर चर्चा हो रही है।

सूची की शुद्धता और मताधिकार, दोनों जरूरी -मतदाता सूची में मृत व्यक्ति का नाम बने रहना, एक ही मतदाता की दोहरी प्रविष्टि या स्थायी रूप से स्थान बदल चुके व्यक्ति का पुराना विवरण अद्यतन न होना वास्तविक प्रशासनिक समस्याएं हैं। इनका समाधान आवश्यक है। लेकिन सूची को शुद्ध करने की प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का नाम छूट जाए, तो वह भी उतनी ही गंभीर समस्या है। हाल ही में हुए एसआईआर में ना केवल सरकारी कार्मिकों, शिक्षकों ने बतौर बूथ लेबल अधिकारी के रूप में और सभी राजनैतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ लेबल पदाधिकारियों ने महीनों के परिश्रम से, अनेक माध्यमों से अवसर देने और अवसर की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, ताकि पात्र लोग मताधिकार से वंचित ना हो, ना कोई अयोग्य व्यक्ति इसका फायदा उठा सके। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता इसी संतुलन में है-अपात्र प्रविष्टियां बनी न रहें और पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न हों।

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जहां चुनाव आयोग मतदाता सूची की जांच और उसे अद्यतन करने की जरूरत पर जोर देता है, वहीं विपक्ष के कुछ दल प्रक्रिया, पारदर्शिता और नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। इन सवालों का उत्तर केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि रिकॉर्ड, निर्धारित प्रक्रिया और शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण से मिलना चाहिए।

किसी प्रक्रिया का विरोध करना अपने आप में अनियमितता का प्रमाण नहीं है। पर दशकों तक देश के सत्ता सिंहासन पर बैठकर लोकतंत्र में भी अपने आपको राजा समझने और उसी के अनुरूप व्यवहार करने की नेता प्रतिपक्ष आदत बनी हुई है, उनको ऐसा लगता है तो बस पूरे देश को लगना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने 27 मई 2026 को बिहार में एसआईआर से संबंधित मामलों में अपना निर्णय दिया। यह न्यायिक निर्णय इस विषय पर चर्चा का महत्वपूर्ण संदर्भ है।

नागरिक की भागीदारी क्यों महत्वपूर्ण है? - मतदाता सूची की जिम्मेदारी केवल चुनाव आयोग या प्रशासन की नहीं है। नागरिकों की जागरूकता भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रत्येक मतदाता को समय-समय पर अपना नाम, पता और मतदान केंद्र की जानकारी जांचनी चाहिए। परिवार में किसी सदस्य की मृत्यु होने, निवास बदलने या विवरण में त्रुटि होने पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सूचना देनी चाहिए।

इसी प्रकार, यदि किसी पात्र नागरिक का नाम सूची में नहीं मिलता, तो उसे यह मानकर नहीं बैठ जाना चाहिए कि अब मतदान का अधिकार समाप्त हो गया। उसे संबंधित निर्वाचन अधिकारी से संपर्क करना चाहिए और लागू नियमों के अनुसार नाम दर्ज कराने, सुधार कराने या अपील करने की प्रक्रिया अपनानी चाहिए। चुनाव आयोग का मतदाता सेवा पोर्टल नाम की जांच, आवेदन और शिकायत जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

राजनीतिक दलों के बूथ स्तर के प्रतिनिधि भी इस काम में रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। वे वास्तविक त्रुटियों की पहचान करें, पात्र नागरिकों के नाम जुड़वाने में मदद करें और यदि किसी निर्णय पर आपत्ति हो तो उपलब्ध वैधानिक उपाय अपनाएं। इससे बहस का केंद्र केवल आरोप लगाने के बजाय समस्या के समाधान पर आ सकता है।

अंततः मतदाता सूची किसी सरकार या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं, लोकतांत्रिक व्यवस्था का साझा आधार है। इसकी शुद्धता से सभी दलों और सभी नागरिकों का हित जुड़ा है। इसलिए इसका पुनरीक्षण न तो केवल प्रशासनिक औपचारिकता समझा जाना चाहिए और न ही हर कदम को राजनीतिक चश्मे से देखा जाना चाहिए।

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक पैमाना यही है कि हर पात्र नागरिक का नाम सूची में हो, प्रत्येक प्रविष्टि की विश्वसनीयता बनी रहे और किसी शिकायत का समाधान निष्पक्ष तरीके से किया जाए। मतदाता सूची जितनी सही होगी, जनादेश पर जनता का भरोसा उतना ही मजबूत करने का अवसर मिलेगा। यही चुनावी व्यवस्था की पहली शर्त और लोकतंत्र के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी है।

–प्रमोद वशिष्ठ,
प्रदेश प्रभारी मीडिया
विभाग, भाजपा

राशिफल शुक्रवार 30 अक्टूबर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत-2083, मृगशिरा नक्षत्र प्रातः 9:04 तक, शिव योग रात्रि 8:42 तक, कौलव करण प्रातः 8:48 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज शुक्र उदय (पूर्व) प्रातः 8:50 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया- चर सूर्योदय से 8:02 तक, लाभ-अमृत 8:02 से 10:47 तक, शुभ 12:10 से 1:33 तक, चर 4:19 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल- 10:30 से 12:00 तक, सूर्योदय 6:39, सूर्यास्त 5:42

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन

व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आज मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
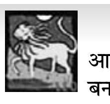
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। आय-व्यय में समानता बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
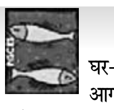
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हेगा।

“बीबी-जीरामजी” की क्रियान्विति में राजस्थान का बेहतरीन प्रदर्शन

राष्ट्रीय औसत को 10 प्रतिशत पीछे छोड़ प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी 72.69 प्रतिशत पहुंची

जयपुर (निसं)। राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, आजीविका संवर्धन और आधारभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। इस वर्ष (2026-27) योजना के अंतर्गत अब तक राजस्थान में महिलाओं की रोजगार में भागीदारी राष्ट्रीय औसत से 10.44 प्रतिशत अंक अधिक रही है। राज्य में कुल रोजगार दिवसों में महिलाओं की हिस्सेदारी 72.69 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि राष्ट्रीय औसत 62.25 प्रतिशत है। यह ग्रामीण महिलाओं की आजीविका के अवसरों में उनकी सक्रिय भूमिका को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- ‘राजस्थान में औसतन मिल रहा 4.27 दिन का अधिक रोजगार, 15 दिन में ही 97 प्रतिशत से अधिक लोगों को भुगतान हो रहा’
- इस योजना के माध्यम से प्रदेश में 18.86 लाख परिवारों और 21.66 लाख व्यक्तियों को रोजगार मिला

प्रति परिवार औसतन 24.29 दिन का रोजगार

राजस्थान में योजना के तहत अब तक 18.86 लाख परिवारों और 21.66 लाख व्यक्तियों ने रोजगार प्राप्त किया है। राज्य में प्रति परिवार औसतन 24.29 दिन का रोजगार प्राप्त कर चुके हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत 20.02 दिन है। इस तरह राजस्थान में औसतन 4.27 दिन अधिक रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

42 हजार 557 परिसंपत्तियों का निर्माण, मिशन जल संरक्षण ब्लॉक पर 73 प्रतिशत से अधिक खर्च

योजना के तहत राजस्थान में 42 हजार 557 परिसंपत्तियों का निर्माण हो चुका है। इन कार्यों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को नई गति प्रदान की जा रही है। कृषि एवं इससे संबद्ध गतिविधियों पर कुल व्यय का 35.88 प्रतिशत और मिशन जल संरक्षण ब्लॉक पर 73.17 प्रतिशत खर्च किया जा रहा है। इस प्रकार गांव-ढाणी में जल जैसी बुनियादी सुविधा पर केन्द्रित होकर कार्य किया जा रहा है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति की लगभग 44 प्रतिशत सक्रियता

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समावेशी बनाते हुए इस योजना के तहत वंचित वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में अनुसूचित जाति के 20.43 और अनुसूचित जनजाति वर्ग की 23.34 प्रतिशत सहित कुल 44 प्रतिशत सक्रिय हिस्सेदारी से यह योजना अन्त्योदय के संकल्प को धरातल पर साकार कर रही है।

वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर इनकी हिस्सेदारी क्रमशः 18 प्रतिशत और 18 प्रतिशत दर्ज की गई है। इस प्रकार दोनों वर्गों की उत्साहजनक भागीदारी में राजस्थान राष्ट्रीय औसत से आगे है।

ईएफएमएस के माध्यम से 100 प्रतिशत खर्च

“बीबी-जीरामजी” योजना के तहत राजस्थान में 97.04 प्रतिशत भुगतान 15 दिनों के भीतर जनरेट किए गए, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 82.46 प्रतिशत है। इस प्रकार राजस्थान राष्ट्रीय औसत से 14.58 प्रतिशत अंक आगे है। राज्य में कुल व्यय का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक फंड मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से किया गया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 99.97 प्रतिशत है।

राज्यपाल ने किया भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के सम्मेलन का शुभारंभ

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के 33वें वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मानव मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र अत्यंत जटिल संरचनाएं हैं। इनसे जुडे रोगों का प्रभाव केवल रोगी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार और समुदाय पर पड़ता है। भारत में प्रतिवर्ष करीब 25 लाख लोग स्ट्रोक से पीड़ित होते हैं। खराब जीवनशैली के कारण अब यह समस्या युवाओं में भी तेजी से बढ़ रही है। राज्यपाल ने पार्किंसंस और अल्जाइमर जैसे तंत्रिका संबंधी रोगों का उल्लेख करते हुए चिकित्सकों से समय पर निदान, विशेषज्ञ उपचार, निरंतर अनुसंधान तथा संवेदनशील और मानवीय देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आव्हान किया। योग, प्राणायाम और ध्यान को जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास से मानसिक तनाव कम करने में मदद मिलती है और स्ट्रोक का खतरा भी घट सकता है। बागडे ने सवाई मानसिंह अस्पताल के तंत्रिका रोग विभाग तथा जोधपुर, कोटा, उदयपुर और बीकानेर के चिकित्सा महाविद्यालयों में दी जा रही सेवाओं को अनुकरणीय बताया। उन्होंने प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने जटिल रोगों के उपचार की सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के उपायों पर विचार करने का आग्रह किया।

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी के सिविल लाइंस स्थित घर में चोरी

घर से डेढ़ लाख रुपए और आर्टिफिशियल ज्वैलरी ले भागे बदमाश

जयपुर (निसं)। राजधानी के सिविल लाइंस जैसे हाई सिक्योरिटी क्षेत्र में चोर ने भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी के घर को निशाना बनाया। बुधवार देर रात करीब 2:15 बजे बदमाश किचन की खिड़की का लॉक तोड़कर घर में घुसा और करीब एक घंटे तक अंदर रहा। विधायक के निजी सहायक राजवीर सिंह के अनुसार बदमाश करीब डेढ़ लाख रुपए और आर्टिफिशियल ज्वेलरी चोरी कर ले गया। वारदात के दौरान घर में 10 से अधिक लोग सो रहे थे।

पुलिस के अनुसार सीसीटीवी फुटेज में बदमाश कंधे पर बैग टांगे नजर आ रहा है, हालांकि उसका चेहरा स्पष्ट नहीं दिख रहा। वह अपने साथ पेचकस लेकर आया था और इसी की मदद से किचन की खिड़की का लॉक तोड़कर अंदर दाखिल हुआ। सुबह चोरी का पता चलने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को खिड़की टूटी हुई और घर में सामान बिखरा मिला।

विधायक का आवास राजभवन से करीब 300 मीटर और मुख्यमंत्री आवास से लगभग 500 मीटर की दूरी पर है। इस क्षेत्र में चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था रहती है और आने-जाने वाले लोगों व वाहनों पर निगरानी रखी जाती है। इसके बावजूद चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिवार के अनुसार प्रताप सिंह सिंघवी जयपुर स्थित इसी आवास में रहते हैं, लेकिन पंचायत चुनाव के चलते फिलहाल अपने विधानसभा क्षेत्र छबड़ा में हैं। चोरी की जानकारी मिलने पर उन्होंने जयपुर पुलिस आयुक्त से फोन पर बात की। सूचना मिलने के बाद सोडाला थानाधिकारी और डीसीपी दक्षिण मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया।

डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार करीब एक लाख रुपए और आर्टिफिशियल ज्वेलरी चोरी हुई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच के लिए विशेष टीम लगाई गई है।

प्रताप सिंह सिंघवी भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। वे पहली बार 1985 में विधायक चुने गए थे और 2023 के विधानसभा चुनाव में बारां जिले की छबड़ा सीट से सातवीं बार विधायक बने। वे पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं।

जामडोली ज्वैलर फायरिंग से लोगों में आक्रोश, आरोपियों को ढूंढ रही पुलिस

- स्वर्णकार समाज ने दी आंदोलन तेज करने की चेतावनी
- तीनों घायलों का एसएमएस अस्पताल में इलाज जारी

जयपुर (कासं)।। जामडोली थाना क्षेत्र के राधा गोविंद विहार में ज्वेलर भाइयों पर फायरिंग और लाठी-सरियों से हमला करने के मामले में लोगों का आक्रोश बरकरार है। वारदात के दौरान बीच-बचाव करने आई महिला के पैर में भी गोली लग गई थी। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों, पीड़ित परिवारों और स्वर्णकार समाज में रोष है। वहीं, पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। घटना के बाद परिजनों और स्वर्णकार समाज के लोगों ने जामडोली थाने का घेराव किया। इस दौरान एडिशनल डीसीपी ईस्ट पारस जैन को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई। समाज के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि सभी हमलावरों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

पुलिस ने वारदात के बाद शहर में नाकाबंदी कराई। पुलिस कमिश्नरेट की कई टीमों को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान और संभावित ठिकानों पर दबिश देने के लिए लगाया गया है। पुलिस फॉरेंसिक साक्ष्य और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर भी जांच कर रही है। साथ ही संदिग्धों के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। हमले में घायल ज्वेलर भाई सोनू सोनी और निशु सोनी तथा बीच-बचाव के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हुई सीमा गुप्ता का एसएमएस अस्पताल में उपचार जारी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, तीनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। घटना से इलाके के व्यापारियों और स्थानीय निवासियों में भय का माहौल है। वारदात को लेकर एक अहम सवाल यह भी उठ रहा है कि घटनास्थल से करीब 200 मीटर की दूरी पर पुलिस वैन मौजूद होने के बावजूद हमलावर वारदात को अंजाम देकर कैसे फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी और वारदात के खुलासे का इंतजार है।

20 करोड़ रु. के अतिरिक्त मुआवजे का आदेश निरस्त

बड़ी सादड़ी-नीमच रेल भूमि के 18 मामलों में बांसवाड़ा जिला-सत्र न्यायालय ने रेलवे को राहत दी

बांसवाड़ा । बड़ी सादड़ी-नीमच नई रेल लाइन परियोजना में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा बढ़ाने के मामले में बांसवाड़ा जिला एवं सत्र न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए संभागीय आयुक्त नीरज कुमार पवन के मध्यस्थता अवार्ड को निरस्त कर दिया। यह फैसला 18 समान प्रकृति के प्रकरणों में लागू होगा, जिनमें भूमि को आवासीय मानकर मुआवजे के पुनर्निर्धारण के निर्देश दिए गए थे। इन आदेशों से रेलवे पर 20 करोड़ रुपए से अधिक का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ने की संभावना थी। इस प्रकरण में रेलवे की ओर से केंद्र सरकार के विशेष रूप से नियुक्त पैनल अधिवक्ता आशीष कुमार और देवेश यादव ने पैरवी की।

- अदालत ने तत्कालीन संभागीय आयुक्त के मध्यस्थता अवार्ड को अपास्त किया
- इस प्रकरण में रेलवे की ओर से केंद्र सरकार के विशेष रूप से नियुक्त पैनल अधिवक्ता आशीष कुमार और देवेश यादव ने पैरवी की।

पीठासीन अधिकारी राम सुरेश प्रसाद ने भारत सरकार की ओर से उप मुख्य अभियंता (निर्माण), उत्तर-पश्चिम रेलवे, उदयपुर द्वारा माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 के तहत दायर प्रार्थना पत्र पर यह निर्णय दिया। संभागीय आयुक्त ने 14 जून 2024 को अवार्ड पारित कर भूमि को आवासीय मानते हुए मुआवजा दोबारा निर्धारित करने के निर्देश दिए थे।

न्यायालय ने राजस्थान भू-राजस्व (ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन हेतु संपरिवर्तन) नियम, 2007 के नियम 4(क) का उल्लेख करते हुए कहा कि अधिग्रहणाधीन भूमि के संपरिवर्तन की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने यह भी पाया कि रेलवे का 23 सितंबर 2022 का पत्र तहसील कार्यालय को विपक्षियों के 6 अक्टूबर 2022 को संपरिवर्तन आवेदन देने से पहले प्राप्त हो चुका था। इसके अलावा, मध्यस्थ ने रेलवे की ओर से नियुक्त अन्य अधिवक्ता को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनने से इनकार कर दिया था। न्यायालय ने इसे माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम की धारा 18 के तहत सुनवाई का पूरा अवसर देने के प्रावधान के विपरीत माना।

इन आधारों पर अवार्ड को स्पष्ट विधिक अवैधता से ग्रसित मानते हुए निरस्त कर दिया गया और मध्यस्थ का अभिलेख लौटाने के निर्देश दिए गए। अदालत में रेलवे की ओर से अधिवक्ता आशीष कुमार और देवेश यादव ने पैरवी करते हुए कहा कि, विपक्षियों ने ज्यादा मुआवजा पाने के इरादे से जल्दबाजी में रूपांतरण कराया। परियोजना की अधिसूचना 30 मार्च 2022 को ही स्थानीय अखबारों में छप चुकी थी।

वहीं 23 सितंबर 2022 का पत्र तहसील कार्यालय पहुंच चुका था और पटवारी का भौतिक सत्यापन चल रहा था। रेलवे ने यह भी कहा कि राजस्थान भू-राजस्व (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन हेतु रूपान्तरण) नियम, 2007 के नियम 4(क) के अनुसार अवाप्ति के अधीन भूमि का रूपांतरण नहीं हो सकता।

पुरानी चुंगी अंडरपास का रास्ता साफ, जनहित याचिका खारिज

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने अजमेर रोड स्थित पुरानी चुंगी चौराहे पर प्रस्तावित वन-वे अंडरपास के निर्माण के खिलाफ दायर जनहित याचिका खारिज कर दी है। इससे जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल और न्यायाधीश समीर जैन की खंडपीठ ने 27 अक्टूबर को यह आदेश सुनाया।

जेडीए शहर को रेड लाइट फ्री बनाने और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए बड़े स्तर पर कार्य कर रहा है। पुरानी चुंगी अंडरपास इसी कार्ययोजना की अहम कड़ी है। करीब 19.18 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के लिए जेडीए ने 6 मार्च 2026 को निविदा जारी की थी।

याचिकाकर्ता ज्ञानेश कुमार शर्मा ने निविदा रद्द करने की मांग करते हुए कहा था कि जेडीए की अपनी फीजिबिलिटी रिपोर्ट में स्थल को बाढ़ संभावित और तकनीकी रूप से अनुपयुक्त बताया गया था। उनका कहना था कि मौजूदा बुनियादी ढांचे से टकराव और नकारात्मक लागत-लाभ अनुपात भी चिंता के विषय हैं। जेडीए ने जवाब में बताया कि परियोजना को कठोर इंजीनियरिंग मूल्यांकन के बाद अंतिम रूप दिया गया है। मैसर्स थॉट कंसल्टेंट्स जयपुर प्रा. लि. द्वारा किए गए 3 दिन, 24 घंटे के ट्रैफिक सर्वे और पीसीयू आधारित पीक-आवर विश्लेषण से सारथी मार्ग से सुशीलपुरा की ओर एकदिशीय अंडरपास की आवश्यकता सिद्ध हुई है। इससे पुरानी चुंगी त्रिकोण पर ग्रेड-लेवल क्रॉस-वीविंग से होने वाली भीड़ का समाधान होगा। जेडीए ने यह भी बताया कि 13 नवंबर 2025 को पब्लिक वर्क्स कमेटी से प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति मिल चुकी है। साथ ही, 133 केवी भूमिगत बिजली लाइनों के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार से मैपिंग और द्रव्यवती नदी ड्रेनेज सिस्टम से जुड़ी स्वचालित पंपिंग व्यवस्था को भी परियोजना में शामिल किया गया है। खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने स्वयं निविदा प्रक्रिया में भाग नहीं लिया और वह इस मामले में बाहरी व्यक्ति है। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि अनुच्छेद 226 के तहत न्यायिक समीक्षा निर्णय की गुणवत्ता की नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया की वैधता और निष्पक्षता की होती है। सड़क जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर रोक लगाने से अदालतों को बचना चाहिए। कोर्ट ने माना कि अंडरपास निर्माण का निर्णय जेडीए का सुविचारित नीतिगत निर्णय है, जिसे जेडीए अधिनियम 1982 की धारा 16 के तहत वैधानिक स्वीकृति प्राप्त है। अदालत ने यह भी कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसी कोई सामग्री नहीं है जो दर्शाए कि यह निर्माण जनहित के विपरीत है। याचिका को बिना किसी योग्यता के मानते हुए खारिज कर दिया।

महापौर सुनील कोठारी ने सादगी के साथ मनाया जन्मदिन

जयपुर । राजनीति में जन्मदिन पर बैनर, पोस्टर और होर्डिंग के जरिए शक्ति प्रदर्शन के चलन के बीच जयपुर के महापौर सुनील कोठारी ने सादगी से जन्मदिन मनाया। उन्होंने न कोई राजनीतिक आयोजन किया, न अभिनंदन समारोह रखा और न ही शहर में अपने नाम के बैनर-पोस्टर लगवाए। परिवार के साथ शहर से बाहर जाकर जन्मदिन मनाने के उनके फैसले को राष्ट्रीय सहकार नेता एवं बैंकिंग ट्रेड यूनियन नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने सार्वजनिक जीवन में सादगी का संदेश देने वाली पहल बताया। आमेरा ने कहा कि आज जब जन्मदिन के आयोजन कई बार शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाते हैं, ऐसे में कोठारी ने बिना किसी भव्य समारोह और दिखावे के दिन बिताकर अलग संदेश दिया है। उनके अनुसार, जनप्रतिनिधि की पहचान बैनर और पोस्टर के आकार से नहीं, बल्कि उसके संकल्प, कार्यशैली और सिद्धांतों से होनी चाहिए।

आमेरा ने कहा कि जयपुर के महापौर और भारतीय जनता पार्टी के महत्वपूर्ण पदाधिकारी होने के बावजूद कोठारी ने जन्मदिन पर व्यक्तिगत प्रचार और सार्वजनिक प्रदर्शन से दूरी बनाए रखी। यह पहल युवाओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को सादगी, स्वच्छता और ईमानदारी के साथ सार्वजनिक जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से तथा ट्रेड यूनियन नेता और सहकारिता क्षेत्र के जनप्रतिनिधि के रूप में कोठारी के निर्णय का स्वागत किया।

हथकड़ शराब पर कार्रवाई करने गई पुलिस टीम पर हमला

जयपुर । शिवदासपुरा थाना क्षेत्र के सीतापुरा में हथकढ़ शराब के खिलाफ कार्रवाई करने गई जिला स्पेशल टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। 28 अक्टूबर को हुई घटना में हेड कांस्टेबल मान सिंह घायल हो गए।

आरोप है कि करीब 20 से 21 महिला-पुरुषों ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की और मारपीट की तथा पथराव कर सरकारी बोलेरो का शीशा तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि डीएसटी के हेड कांस्टेबल मान सिंह टीम के साथ सरकारी बोलेरो में सीतापुरा स्थित नारायण बाबा की ढाणी के पास एक खेत में हथकड़ शराब के मामले में कार्रवाई करने पहुंचे थे। मौके पर चार लोगों के पास शराब होने की जानकारी सामने आई। जिसके बाद पुलिस ने राहुल मीणा और मुकेश मीणा को पकड़ लिया।

आरोप है कि इसी दौरान नारायण बाबा की ढाणी और आसपास की ढाणियों से करीब 20-21 लोग मौके पर पहुंच गए। इनमें महिलाएं भी शामिल थीं। भीड़ ने कार्रवाई का विरोध करते हुए दोनों पकडे गए व्यक्तियों को छुड़ा लिया।

इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और पथराव किया गया हमले में हेड कांस्टेबल मान सिंह के सिर, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। पथराव के दौरान सरकारी बोलेरो का शीशा भी टूट गया। पुलिस रिपोर्ट में राहुल मीणा और मुकेश मीणा को छुड़ाकर ले जाने के साथ अपाची मोटरसाइकिल भी ले जाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस रिपोर्ट में राहुल मीणा, मुकेश मीणा, नरसी, पप्पू मीणा, कृष्ण, विष्णु, बनवारी, कैलाशराम उर्फ बनवारी और विकास उर्फ पोला मीणा सहित अन्य लोगों के नाम शामिल हैं। रिपोर्ट में कुछ महिलाओं के नाम भी दर्ज हैं। थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि हथकड़ शराब के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम के साथ मारपीट और सरकारी वाहन में तोड़फोड़ की गई। मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

सार-समाचार

पुलिसकर्मी को टक्कर मारने वाला पकड़ा

जयपुर (कासं)। मानसरोवर थाना पुलिस ने ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिसकर्मी को स्कॉर्पियो से टक्कर मारकर फरार होने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान सुशांक उर्फ शिवा (30) के रूप में की है। घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो भी जब्त की गई है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने बताया कि 8 सितंबर 2026 को मानसरोवर क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों ने काले रंग की स्कॉर्पियो को रुकने का इशारा किया था। आरोप है कि चालक ने रुकने के बजाय तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। इस संबंध में मानसरोवर थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने वाहन के पंजीकृत मालिक को नोटिस जारी करने के बाद स्कॉर्पियो जब्त कर ली थी, जबकि चालक फरार था। मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी सहायता से आरोपी का पता लगाकर आरोपी सुशांक उर्फ शिवा निवासी अलवर हाल जयपुर को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

भट्टा बस्ती से निकाली नशा मुक्ति रैली

जयपुर (कासं)।। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत उत्तर जिले में जन जागरण रैली निकाली गई। रैली भट्टा बस्ती से शुरू होकर विभिन्न कॉलोनियों और कच्ची बस्तियों से होते हुए शास्त्री नगर थाना क्षेत्र स्थित चंद्रशेखर की बगीची पहुंची। इस दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर-द्वितीय) बजरंग सिंह के निर्देशन में आयोजित रैली में सहायक पुलिस आयुक्त (शास्त्रीनगर) दिलीप कुमार, भट्टाबस्ती थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार, विद्याधर नगर थानाधिकारी सज्जन कुमार और शास्त्रीनगर थानाधिकारी दिलीप सिंह सहित पुलिस अधिकारी एवं जवान शामिल हुए। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि रैली में स्थानीय पार्षदों, सुरक्षा सखियों, पुलिस मित्रों, सीएलजी सदस्यों और बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लिया। चंद्रशेखर की बगीची में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में ‘होनहार संस्था’ के कलाकारों ने नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से बताया गया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह ने युवाओं और आमजन से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। इस कार्यक्रम के अंत में ‘नशे को कहें ना, जिंदगी को कहें हां’ का संदेश देते हुए नागरिकों से नशामुक्त जयपुर के निर्माण में सहयोग करने का आव्हान किया गया।

थप्पड़ कांड के विरोध में सड़क पर उतरे लोग

जयपुर । हसनपुरा इलाके में बुधवार देर रात थप्पड़ मारने की घटना को लेकर तनाव बढ़ गया। विरोध में बड़ी संख्या में लोग हटवाड़ा रोड पर जमा हो गए और सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इससे यातायात बाधित हो गया। सूचना पर सोडाला और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। देर रात तक समझाइश का दौर चलता रहा। आखिरकार विधायक गोपाल शर्मा की मध्यस्थता और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद रात करीब ढाई बजे जाम खोल दिया गया। जानकारी के अनुसार दिन में किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि इस दौरान एक पक्ष के व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया गया। घटना से नाराज लोग रात में हटवाड़ा रोड पर एकत्र हो गए और सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शनकारी दूसरे पक्ष के मुख्य आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। तनाव बढ़ने की सूचना पर सोडाला और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थिति को देखते हुए विधायक गोपाल शर्मा भी देर रात घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों और विधायक ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। इस दौरान इलाके में पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शनकारियों और प्रशासन के बीच रात करीब दो बजे तक बातचीत चलती रही। आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शनकारी जाम खोलने पर सहमत हुए।

30 लाख की नकबजनी करने वाला पकड़ा

जयपुर(निसं)। मानसरोवर स्थित द्वारका अपार्टमेंट के फ्लैट से करीब 30 लाख रुपए के आभूषण चोरी होने के मामले का शिप्रापथ थाना पुलिस ने चोरी के आरोप में पीड़ित परिवार के चालक शुभम सैन को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कर्ज चुकाने के लिए वारदात को अंजाम दिया। उसकी निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं।

जयपुर डायलॉग्स का तीन दिवसीय वैचारिक महाकुंभ आज से

“धर्मयुद्ध-द बैटल फॉर भारत” थीम पर 80 से अधिक वक्ता करेंगे मंथन

जयपुर । देश के प्रमुख वैचारिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक मंच ‘द जयपुर डायलॉग्स’ का 11वां वार्षिक सम्मेलन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक जेएलएन मार्ग स्थित होटल क्लार्क आमेर में आयोजित होगा। ‘धर्मयुद्ध-द बैटल फॉर भारत’ थीम पर होने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के 80 से अधिक प्रख्यात वक्ता, रक्षा विश्लेषक, विधि विशेषज्ञ, इतिहासकार, मीडिया विशेषज्ञ और नीति-निर्माता भारत के भविष्य की दिशा पर विचार-विमर्श करेंगे।

सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व वरिष्ठ नौकरशाह और लेखक संजय दीक्षित ने गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल और वैचारिक संघर्ष के दौर में यह सम्मेलन भारत की अस्मिता, वैचारिक संप्रभुता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान से जुड़े मुद्दों पर विमर्श का मंच बनेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा, भू-राजनीति, न्यायिक सुधार, मीडिया की प्रामाणिकता और सभ्यतागत अधिकारों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श को दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।

30 अक्टूबर को होने वाले उद्घाटन सत्र में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर मुख्य अतिथि होंगे। ‘भारत राइजिंग-व्हाई भारत मस्ट राइज एंड व्हाई इट वॉज इन स्लंबर?’ विषयक सत्र का संचालन संजय दीक्षित करेंगे।

न्यायपालिका, रक्षा और विदेश नीति पर चर्चा

सम्मेलन में न्याय व्यवस्था, संविधान और सभ्यतागत अधिकारों पर चर्चा होगी। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया और संजय दीक्षित ‘मिलॉर्ड्स एंड फ्यूचर ऑफ जुडिशरी इन इंडिया’ सत्र में विचार रखेंगे। इस दौरान ‘हिंदू लीगल एड’ वेबसाइट का शुभारंभ भी होगा। विदेश नीति, दक्षिण एशिया की कूटनीति, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के हालात, ब्रिक्स बनाम जी-7 तथा ब्रह्मोस से ड्रोन तक आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन जैसे विषयों पर भी मंथन होगा। प्रमुख वक्ताओं में मेजर जनरल राजीव नारायणन, लेफ्टिनेंट जनरल डी.पी. पांडे, मेजर गौरव आर्या, सुशांत सरीन और तिलक देवशर शामिल हैं।

जयपुर डायलॉग्स के संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व आईएएस और लेखक संजय दीक्षित ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत की।

मीडिया, संस्कृति और इतिहास पर विमर्श

मीडिया और सामाजिक माध्यमों की भूमिका तथा वैचारिक विमर्श पर होने वाले सत्रों में आनंद रंगनाथन, रुबिका लियाकत, आनंद नरसिम्हन, अमन चोपड़ा, सुशांत सिन्हा और प्रखर श्रीवास्तव भाग लेंगे। भारतीय सिनेमा, इतिहास लेखन और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विषयों पर शेफाली वैद्य, अद्वैता काला, संजीव नेवार, संक्रांत सानू, अमी गणात्रा और डॉ. सी.के. राजू अपने विचार रखेंगे।

सम्मेलन में संजय दीक्षित की पुस्तक ‘काफिर्स गाइड टू सूफिज्म’ के आवरण का विमोचन होगा। इसके अलावा अमी गणात्रा की ‘व्हाई आर वी दिस वे’, शांतनु गुप्ता की ‘बुलडोजर बाबा’, अजय के. राइन और ओ.पी. पांडे की ‘स्नो लेपर्ड्स ऑफ गुरेज’ तथा डॉ. परीक्षित सिंह की ‘वेद फॉर जेन ज़ी’ पुस्तकें भी प्रमुख आकर्षण रहेंगी।

- रिटायर्ड आईएएस एवं लेखक संजय दीक्षित के नेतृत्व में जयपुर में जुटेंगे देश-विदेश के विशेषज्ञ

करीब 50 सत्रों में होगा विचार-मंथन

संजय दीक्षित ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन में मंचीय सत्रों के 12, खुले मंच के 17 और गोलमेज चर्चाओं के 17 सत्रों सहित करीब 50 सत्र आयोजित होंगे। सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अतिथि वक्ताओं का जयपुर पहुंचना शुरू हो गया है। सम्मेलन के सत्र मुख्य सभागार, समूह चर्चा स्थलों, खुले मंच और तंबू परिसर में आयोजित किए जाएंगे।

अहमदाबाद जा रहे पाली के बिजनेसमैन मामा-भांजे की सड़क हादसे में मौत

आबूरोड के रोहिणा थाना क्षेत्र में हाईवे पर सड़क पर अचानक आए मवेशी को बचाने के चक्कर में बेकाबू मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स कार ट्रेलर में घुस गई

■ **हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों एयरबैग खुल गए, घटना की जानकारी मिलने पर पाली से कई रिश्तेदार पहुंचे**

पाली, (निसं)। आबूरोड क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में पाली के टैक्सटाइल बिजनेसमैन मामा-भांजे की दर्दनाक मौत हो गई। सड़क पर अचानक आए मवेशी को बचाने के चक्कर में बेकाबू मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स कार ट्रेलर में घुस गई, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। दोनों गाड़ी में बुरी तरह फंस गए थे। लोगों ने कड़ी मशक्कत से दोनों को निकालकर गंभीर हालत में हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां मृत घोषित कर दिया। दोनों अहमदाबाद में बिजनेस के सिलसिले में बातचीत करने के लिए जा रहे थे। हादसा गुरुवार सुबह करीब 10.30 बजे आबूरोड के रोहिणा थाना क्षेत्र में हाईवे पर हुआ।

जानकारी के अनुसार, पाली के देवजी का बास शाहजी का चौक निवासी पंकज सांड (45) पुत्र सम्पतराज सांड अपने भांजे पाली के डेंडों का बास निवासी यश (22) पुत्र मुकेश चौपड़ा के साथ गुरुवार सुबह पांच बजे कार से अहमदाबाद के लिए रवाना हुए थे। आबूरोड के रोहिणा थाना क्षेत्र में हाईवे पर सड़क पर अचानक मवेशी आ गए, जिन्हें बचाने के लिए जैसे ही कट काटा तो कार आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। गाड़ी पंकज चला रहे थे, जबकि यश पास वाली सीट पर बैठे थे। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों एयरबैग खुल गए। घटना की जानकारी मिलने पर पाली से उगमराज सांड सहित कई रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। रिश्तेदार उगमराज सांड ने बताया कि पंकज सांड के पूनायता में फैक्टरी है। इंडस्ट्रीज की हालत फिलहाल अच्छी नहीं है। ऐसे में दोनों मामा-भांजा कपड़ा प्रोसेस करवाने के संबंध में अहमदाबाद जा रहे थे। इस दौरान यह हादसा हो गया। मृतक पंकज के एक बेटा और एक बेटी है। वहीं यश अविवाहित है।

हादसे की खबर जब उनके परिवार तक पहुंची तो दोनों परिवारों में शोक का माहौल हो गया। उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि सुबह दोनों घर से राजी खुशी निकले और देर शाम तक पाली आने का कह कर गए थे। दिवाली से पहले हुए इस दर्दनाक हादसे ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया।

पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान कांस्टेबल की तबीयत बिगड़ी

■ **कांस्टेबल का राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय, अलवर में उपचार जारी, टेटड़ा गांव में पोलिंग पार्टी के साथ सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे अमित कुमार**

अलवर, (निसं)। लक्ष्मणगढ़ पंचायत चुनाव के दौरान ड्यूटी कर रहे एक पुलिस कांस्टेबल की अचानक तबीयत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अलवर रेफर कर दिया गया। फिलहाल कांस्टेबल का राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय, अलवर में उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के टेटड़ा गांव में पंचायत चुनाव के दौरान पोलिंग पार्टी के साथ सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कांस्टेबल अमित कुमार की अचानक तबीयत खराब हो गई। उनकी स्थिति बिगड़ने पर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें उपचार के लिए बड़ौदा मेव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने कांस्टेबल को प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद उनकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए अलवर रेफर कर दिया गया। उन्हें राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय, अलवर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार जारी है। चुनाव ड्यूटी के दौरान कांस्टेबल की तबीयत बिगड़ने की घटना के बाद उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। फिलहाल उनके स्वास्थ्य को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

नसीराबाद में तीन प्रतिष्ठानों से नमूने लिए

नसीराबाद, (निसं)। आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत गुरुवार को खाद्य विभाग की टीम ने नसीराबाद में कार्रवाई की। इस दौरान एक किराना विक्रेता और दो मिठाई विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र शर्मा के अनुसार, टीम ने सुभाष गंज मंडी स्थित मनीष ट्रेडर्स से टोस्ट का नमूना लिया। वहीं, सदर बाजार स्थित जोधपुर स्वीट्स के कारखाने से गुलाब जामुन और मीठे मावे के नमूने लिए गए। इसके अलावा शहीद स्मारक के निकट स्थित एक मिठाई विक्रेता के प्रतिष्ठान से भी गुलाब जामुन का नमूना लिया गया।

राजेंद्र शर्मा ने बताया कि आगामी त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी पर रोक लगाने के लिए विभाग की ओर से जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारियों राजेंद्र शर्मा, प्रदीप जाटव और विमला गुर्जर के नेतृत्व में की गई। लिए गए नमूनों को जांच के लिए भेजा जाएगा, ताकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का पता लगाया जा सके।

बुहाना के युवक ने हरियाणा में लाखों की चोरी की

बुहाना, (निसं)। झुंझुनूं जिले के बुहाना थाना क्षेत्र के एक युवक को हरियाणा पुलिस ने चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर हरियाणा के नारनौल क्षेत्र के भांखरी गांव में दो मकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रूपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी की थी। पुलिस ने मामले में बुहाना थाना क्षेत्र के गोपालपुरा निवासी अश्विनी और दूसरे आरोपी बबलू उर्फ नवीन को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों के महेंद्रगढ़ क्षेत्र में चोरी की अन्य वारदातों में भी शामिल होने की बात सामने आई है।

डीएसपी मुख्यालय भारत भूषण ने बताया कि भांखरी गांव निवासी हनुमान प्रसाद और सतीश कुमार ने थाना सदर नारनौल में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार 28 और 29 अगस्त की मध्यरात्रि को अज्ञात चोरों ने उनके मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। चोर मकानों से सोने-चांदी के आभूषण और 2 लाख 78 हजार रूपये की नकदी चोरी कर ले गए थे। चोरी हुए सामान की कुल अनुमानित कीमत करीब 7 लाख रूपये बताई गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की जांच के दौरान थाना सदर नारनौल पुलिस ने बुहाना थाना क्षेत्र के गोपालपुरा निवासी अश्विनी को डोहर कलां गांव के क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। इसके बाद जांच और पूछताछ के आधार पर पुलिस टीम ने दूसरे आरोपी बबलू उर्फ नवीन को कोटपुतली से गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी भारत भूषण के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने महेंद्रगढ़ क्षेत्र में मिलकर करीब 5 से 7 चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात बताई है। पुलिस इन वारदातों के संबंध में आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और सामने आए तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ राजस्थान में पहले भी चोरी सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। अश्विनी के खिलाफ सिंघाना और बुहाना थानों में कुल चार मामले, जबकि बबलू उर्फ नवीन के खिलाफ इन्हीं थानों में तीन मामले दर्ज बताए गए हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों से चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। साथ ही भांखरी गांव से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषणों और नकदी की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

कोटा में दो वाहनों में भीषण आग लगी, जनहानि नहीं

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के इटावा व बूढ़ादीत थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग वाहनों में भीषण आग लगने का मामला सामने आया है। पहला मामला इटावा थाना इलाके का है जहां एक स्कूल के बाहर खड़ी स्कूल बस में अचानक से आग लग गई, गनीमत रही कि बस में घटना के वक्त कोई सवार नहीं था, वहीं दूसरा मामला बूढ़ादीत थाना इलाके के मंडावरा के पास का है, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सीमेंट से भरे ट्रोले के टॉयरों में आग लगने से ट्रोला जलकर खाक हो गया, गनीमत रही कि दोनों ही घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई है।

इटावा थानाधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि गुरूवार सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर खातौली रोड़ स्थित सरोवर नगर के निजी स्कूल परिसर के बाहर खड़ी स्कूल बस में आग लगने की सूचना मिली, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अग्निशमन की दमकल को मौके पर बुलाकर आग पर काबू पाया गया। थानाधिकारी ने बताया कि जिस समय बस में आग की घटना हुई बस में कोई बच्चे नहीं थे। बस से बच्चे उतरकर स्कूल में चले गये थे। बस स्कूल के बाहर खड़ी थी कि अचानक से बस में आग लग गई, जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया था।

सीमेंट ट्रोले में लगी आग- बूढ़ादीत थाना इलाके के मंडावरा टोल प्लाजा के आगे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सीमेंट से भरे ट्रोले के टायरों में आग लगने का मामला सामने आया है। बूढ़ादीत थाना अधिकारी दीप्ति रानी मीणा ने बताया कि मंडावरा टोल प्लाजा से आगे बुधवार रात्रि को एक ट्रोले में आग की सूचना मिली, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके पर अग्निशमन विभाग की दमकल को बुलाया गया और आग पर काबू पाया गया।

अजमेर केंद्रीय जेल में नशीली गोलियों की आपूर्ति का संदेह

हैड कांस्टेबल की जेब से 294 गोलियां मिलीं, गोलियों को जांच के लिए भेजा जाएगा

अजमेर, (निसं)। अजमेर की केंद्रीय जेल में निषिद्ध सामग्री की आपूर्ति को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। जेल अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में जेल में तैनात हैड कांस्टेबल करतार सिंह की तलाशी ली गई। इस दौरान उसकी जेब से सफेद रंग की 294 खुली गोलियां बरामद हुईं। गोलियों के नशीली होने की आशंका के चलते पुलिस ने उन्हें जब्त कर लिया है। मामले में केंद्रीय जेल अधीक्षक की ओर से सिविल लाइंस थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है।

सिविल लाइंस थाने के सहायक उपनिरीक्षक लक्ष्मण ने बताया कि जेल अधीक्षक को एक दिन पहले सूचना मिली थी कि जेल में कार्यरत हैड कांस्टेबल करतार सिंह जेल के भीतर नशीले पदार्थ या प्रतिबंधित सामग्री की आपूर्ति करता है। सूचना के आधार पर तलाशी की कार्रवाई की गई। तलाशी के दौरान हैड कांस्टेबल की जेब से सफेद रंग की खुली गोलियां मिलीं। गिनती करने पर उनकी संख्या 294 पाई गई।

पुलिस ने बरामद गोलियों को अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि ये गोलियां नशीली हो सकती हैं और इन्हें जेल के भीतर पहुंचाया जाना था। हालांकि, गोलियों की वास्तविक प्रकृति की अभी पुष्टि नहीं हुई है। इस मामले में केंद्रीय जेल अधीक्षक की ओर से प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने फिलहाल कारागार अधिनियम की धारा 42 के तहत मामला दर्ज किया है। सहायक उपनिरीक्षक लक्ष्मण के अनुसार, जब्त गोलियों को जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जाएगा। प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बरामद गोलियां किस प्रकार की हैं और उनमें नशीले पदार्थ मौजूद हैं या नहीं। पुलिस के अनुसार, यदि विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट में गोलियों के नशीले पदार्थ होने की पुष्टि होती है, तो मामले में अन्य संबंधित कानूनी धाराएं भी जोड़ी जा सकती हैं। फिलहाल हैड कांस्टेबल करतार सिंह को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

सादुलपुर के लुटाना में पुलिस टीम पर हमला, एएसआई की वर्दी फाड़ी

सादुलपुर, (निसं)। बस कंडक्टर से मारपीट और बस चलाने की एवज में 50 हजार रुपए महीना देने के आरोप के दर्ज मामले में जांच करने गई सादुलपुर पुलिस टीम पर ही हमला करने के आरोप का मामला सने आया है। वहीं घटना को लेकर सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र कुमार ने थाना राजगढ़ में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि महेन्द्र कुमार पुत्र शंकरलाल स्वामी निवासी बदनगढ़ पुलिस थाना मंड्रेला जिला झुंझुनूं, हाल पुलिस थाना राजगढ़ ने बताया कि 29 अक्टूबर को वह हैड कांस्टेबल प्रमोद कुमार, दयाराम कांस्टेबल, मीनू महिला कांस्टेबल और सरकारी वाहन चालक सुमेर कांस्टेबल के साथ सादुलपुर में गस्त जांच के बाद परिवादी इकबाल पुत्र सराजू मिरासी निवासी सुरतपुरा के साथ विजेन्द्र उर्फ गोलू पुत्र धर्मवीर जाट निवासी लुटाणा पूर्ण के मकान पर पहुंचे। जहां घर पर विजेन्द्र उर्फ गोलू व संदीप स्वामी पुत्र मेवासिंह निवासी गागड़वास उपस्थित मिले। परिवाद के संबंध में जांच व पूछताछ शुरू की तो वे आग बबूला हो गए। आवाज लगाकर अपने परिवार के व्यक्तियों धर्मवीर पुत्र हनुमानाराम जाट, संदोखी पत्नी धर्मवीर जाट, राजकोर पत्नी पवन जाट, रमेश पुत्र सुमेर सिंह जाट, संदीप पुत्र प्रताप जाट, पवन पुत्र हनुमानाराम, शिशराम की पत्नी, शीव कुमार पुत्र बंशीलाल धाणक, कृष्ण कुमार पुत्र उपदेश धाणक, दिनेश पुत्र सुमेर सिंह जाट, संदीप पुत्र प्रताप सिंह जाट निवासी लुटाणा खुर्द व अन्य को इकट्ठा कर लिया तथा विजेन्द्र उर्फ गोलू व संदीप स्वामी दोनों घर के अंदर कमरे में घुस गए तथा अपने परिवार के लोगों को उकसाते हुए पुलिस के साथ मारपीट करने का कहने लगे तथा आवेशित होकर एएसआई व पुलिस जाप्ता के साथ मारपीट करने लगे। जिसमें एएसआई महेंद्र कुमार व प्रमोद कुमार हैडकांस्टेबल की वर्दी फाड़ दी।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि मारपीट में एएसआई महेन्द्र कुमार के एक हाथ में गंभीर चोट आई तथा एएसआई व हैड कांस्टेबल के जगह-जगह गंभीर चोटे मारी। इस पर एएसआई महेन्द्र कुमार व प्रमोद कुमार हेड कांस्टेबल द्वारा तत्काल थानाधिकारी को दूरभाष पर घटना से अवगत करवाया। कुछ समय पश्चात मौके पर आये अतिरिक्त पुलिस बल को देखकर विजेन्द्र उर्फ गोलू व संदीप स्वामी दोनों भीड़ का फायदा उठाकर घर के पीछे से भाग गए। राजगढ़ थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मारपीट, राजकार्य बाधा पहुंचाने सहित की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर प्रकरण की तफ्तीश सहायक उप निरीक्षक विक्रम सिंह को सौंपी है।

पुष्कर में बिना ट्रेड लाइसेंस बाइक बेचने पर कार्रवाई

■ **परिवहन विभाग ने बिना ट्रेड लाइसेंस के बेची जा रही 14 मोटरसाइकिलों के चेसिस नंबर के आधार पर चालान बनाने की कार्रवाई की**

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में बिना ट्रेड लाइसेंस के मोटरसाइकिलों की बिक्री किए जाने की शिकायतों पर परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को परिवहन विभाग के अधिकारी राहुल कुमार ने नागौर रोड स्थित पुराने पेट्रोल पंप के पास संचालित शंकर मोटर शोरूम पर कार्रवाई की। यहां बिना ट्रेड लाइसेंस के बेची जा रही 14 मोटरसाइकिलों के चेसिस नंबर के आधार पर चालान बनाने की कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई से बिना ट्रेड लाइसेंस के मोटरसाइकिलों की बिक्री करने वाले शोरूम संचालकों में हड़कंप मच गया। विभाग की ओर से नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए लगातार जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि दो दिन पहले भी परिवहन विभाग के अधिकारी राहुल कुमार ने तिलोरा रोड पर बिना ट्रेड लाइसेंस के मोटरसाइकिलों की बिक्री करने वाले शोरूम पर कार्रवाई की थी। पुष्कर में इस तरह के मामलों को लेकर परिवहन विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने नियमों के विरुद्ध मोटरसाइकिलों की बिक्री करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है।

परिवहन विभाग की ओर से की जा रही लगातार कार्रवाई का उद्देश्य मोटरसाइकिलों की बिक्री में निर्धारित नियमों की पालना सुनिश्चित करना है।

जोधपुर में अलग-अलग हादसों में दो की मौत

■ **एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत, परिजन ने पहचान के बाद अब महामंदिर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी**

■ **16 अक्टूबर को हुए सड़क हादसे में घायल कार सवार की अब अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई**

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर पुलिस थाना क्षेत्र में नटिया फाटक के पास में एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। उसके जेठ ने पहचान के बाद अब महामंदिर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया।

महामंदिर पुलिस के अनुसार मूलत: बूंदी जिले के हिंडोली स्थित पपराला हाल सुल्तान नगर, बीजेएस निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र हेमराज मीणा की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके भाई की पत्नी 25 वर्षीय रिंकू पत्नी संजय कुमार महामंदिर नटिया फाटक से निकल रही थी। तब वहां आई एक ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर बाद में जीआरपी और महामंदिर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। चूंकि मामला महामंदिर थाने का होने पर मर्ग की कार्रवाई की गई। शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया।

वहीं शहर के निकटवर्ती करवड़ स्थित टूट की बाड़ी, दइजर क्षेत्र में 16 अक्टूबर को हुए सड़क हादसे में घायल कार सवार की अब अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। मृतक के पुत्र की तरफ से अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ करवड़ थाने में रिपोर्ट दी गई है। करवड़ पुलिस ने बताया कि मूलत: मोहन नगर, भोजासर हाल बुडियों की बासनी, खेड़ापा निवासी जगदीश सोनी की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि उसके पिता मोहनलाल सोनी 16 अक्टूबर को कार लेकर टूट की बाडी दइजर मार्ग से निकल रहे थे। तब किसी वाहन चालक ने गाड़ी को तेज एवं लापरवाहीपूर्वक चलाकर कार को टक्कर मार दी। हादसे में उसके पिता बुरी तरह घायल हो गए। अपने उपचार के लिए हड़ताल में भर्ती कराया गया, मगर अब उनकी मौत हो गई। मामले में करवड़ थाने के एएसआई मोहनराम इसकी जांच कर रहे हैं।

ट्रेन की चपेट से अज्ञात व्यक्ति की मौत

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद-झड़वासा रेल मार्ग पर गुरुवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से करीब 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने शव को उपजिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाकर मृतक के परिजनों की तलाश शुरू कर दी है।

सदर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब चार बजे नसीराबाद स्टेशन मास्टर भानू कुमार शर्मा ने थाने में सूचना दी कि मोतीपुरा पुलिया से आगे झड़वासा की तरफ काकीनाडा से हिसार जा रही ट्रेन के सामने एक अज्ञात व्यक्ति आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। ट्रेन के गार्ड ने शव के टुकड़ों को एकत्रित कर स्टेशन पर पहुंचाया। सूचना मिलने पर सहायक उप निरीक्षक सुरेश चंद पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल नसीराबाद-झड़वासा रेल मार्ग पर किलोमीटर संख्या 28/18 के पास बताया गया है। स्टेशन मास्टर की लिखित रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नसीराबाद अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार मृतक पुरुष है और उसकी उम्र करीब 40 वर्ष है।

प्रत्याशियों और काउंटिंग एजेंटों की अनुपस्थिति में मतपेटियों की सील तोड़ने का आरोप

बिजौलियां उपखण्ड में चाँदजी की खेड़ी मतदान केंद्र पर गत 24 अक्टूबर को सम्पन्न हुए पंचायत चुनाव का मामला

चाँदजी की खेड़ी में मतगणना में गड़बड़ी को लेकर प्रत्याशियों और ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

■ **सरपंच और वार्ड पंच पद के प्रत्याशियों ने आरोप लगाकर बिजौलियां एसडीएम के माफ़र्त राज्य निर्वाचन आयोग व जिला निर्वाचन अधिकारी को शिकायत भेजी**

■ **प्रत्याशियों का आरोप है कि निर्वाचन अधिकारी और उनकी टीम ने गड़बड़ी कर मतगणना परिणाम बदल दिया**

माण्डलगढ़, (निसं)। बिजौलियां उपखण्ड में चाँदजी की खेड़ी मतदान केंद्र पर 24 अक्टूबर को सम्पन्न हुए पंचायत चुनाव की मतगणना प्रक्रिया को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। सरपंच और वार्ड पंच पद के प्रत्याशियों ने आरोप लगाया है कि मतदान टीम ने उन्हें और उनके काउंटिंग एजेंटों को मतगणना केंद्र से बाहर बैठा दिया। इसके बाद उनकी अनुपस्थिति में मतपेटियों की सील तोड़कर मतगणना कर दी गई, जिसमें संबंधित प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा है। मामले को लेकर सरपंच और वार्ड पंच प्रत्याशियों ने बिजौलियां उपखण्ड अधिकारी के माफ़र्त राज्य निर्वाचन आयोग व जिला निर्वाचन अधिकारी को शिकायत भेजकर जांच की मांग की है।

सरपंच प्रत्याशी सुनील कुमार धाकड़, वार्ड पंच प्रत्याशी घनशयाम धाकड़, रोशन लाल धाकड़ व मतगणना एजेंट सहित ग्रामीणों का शिकायत में आरोप है कि मतगणना जैसी महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशियों और उनके अधिकृत काउंटिंग एजेंटों को बाहर किए जाने से पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं। शिकायत में बताया गया कि मतदान पूर्ण होने के बाद ओर मतगणना के दौरान मतपेटियों को प्रत्याशियों की अनुपस्थिति में सीलबंद किया और सील तोड़कर मतगणना शुरू कर दी गई। प्रत्याशियों और मतगणना एजेंट को बाहर बैठा दिया गया। निर्वाचन अधिकारी और उनकी टीम ने गड़बड़ी कर मतगणना परिणाम को बदल दिया गया। जबकि एक वार्डपंच प्रत्याशी विजेश धाकड़ सहित कई काउंटिंग एजेंट के तो परिणाम शीट पर हस्ताक्षर भी नहीं कराए गए हैं। आरोप हैं कि विजयी घोषित किए गए सरपँच ने निर्वाचन टीम के भोजन और आवभगत का व्यय खुद ने उठाया है।

चाँदजी की खेड़ी बूथ पर नियुक्त बीएलओ सुरेश धाकड़ का कहना है कि सर्वप्रथम वार्ड नम्बर 1-2-3 की मतपेटियों को खोल कर मतगणना शुरू कर दी थी, वोटों बंडल बना लिए थे, उसके बाद वार्डपंच प्रत्याशियों को अंदर बुलाया गया, वार्डपंचों के वोटों की गणना होने के बाद सरपंच प्रत्याशियों को मतगणना कक्ष में बुलाया गया था। बीएलओ गोपाललाल धाकड़ का कहना है कि वार्डपंच प्रत्याशियों की मतगणना शुरू हो गई थी, तब सरपंच प्रत्याशी बाहर ही बैठे रहे, आरओ ने इनको अंदर नहीं बुलाया और मेरे को भी मतगणना कक्ष में जाने दिया गया और बाहर ही बैठा रहा।

ऐसे में मतगणना की प्रक्रिया में प्रत्याशियों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी को लेकर निर्धारित नियमों का पालन किया जाना गम्भीर मामला हैं। प्रत्याशियों ने राज्य निर्वाचन आयोग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, मतगणना के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया की जानकारी लेने तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की मांग की है। साथ ही, शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए उपलब्ध दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच किए जाने की मांग भी उठाई गई है।

जोधपुर की एक बस्ती में युवकों ने उत्पात मचाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के भीतरी क्षेत्र बागर चौक-बत्ता सागर के बीच में आई एक बस्ती में कुछ बाहरी युवकों ने आकर उत्पात मचाया। यहां पर पथराव किए जाने के साथ गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। पथराव की घटना के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और अतिरिक्त जाब्ता बुलाया गया। हमलावर बाहरी तत्व बाद में भाग गए। पथराव और मारपीट में चार-पांच लोग घायल हुए हैं।

सदर कोतवाली थानाधिकारी सोमकरण ने बताया कि महेंद्र हंस निवासी बागर चौक हरिजन बस्ती का 14 वर्षीय बच्चा जोकि घर के बाहर खेल रहा था। तब कार्तिक व अनिकेत आए और उसे गाली-गलौज की। तब महेंद्र हंस के भांजे शिव, राहुल, रोहित ने टोका कि आप गाली गलौज क्यों कर रहे है। तब आपस में शराब के नशे में होने के कारण दोनों पक्ष में विवाद हो गया और एक दूसरे पर पत्थरबाजी करने लगे पत्थरबाजी में एक सफारी टाटा के कांच फोड़ दिए गए। दोनों पक्षों के लोगों को चोटे आयी है। बुधवार की रात को हुई इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है किस तरह पथराव कर गाड़ी के शीशे फोड़े गए।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना-03/2026-27

विश्वविद्यालय द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक 10191 दिनांक 28.10.2026 के तहत विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न जगहों में चारदीवारी मरम्मत कार्य (निविदा राशि रू. 50.10 लाख) हेतु निविदा जारी की गई है, जिसकी एनआईबी GSU2627A0029 एवं यूबीएन GSU2627WSOB00029 है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://eproc.rajasthan.gov.in** एवं स्टेट प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/12642 **सम्पदा अधिकारी**

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना-02/2026-27

विश्वविद्यालय द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक 10109 दिनांक 27.10.2026 के तहत Annual rate contract for maintenance of Plants and Trees at Campus of MGSU, Bikaner (निविदा राशि रू. 25.00 लाख) हेतु निविदा जारी की गई है, जिसकी एनआईबी GSU2627A0028 एवं यूबीएन GSU2627SLRC00028 है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://eproc.rajasthan.gov.in** एवं स्टेट प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/12641 **सम्पदा अधिकारी**

Executive Engineer Public Health Engineering Department City Division IV (S) Jaipur

S.No. 2983-3004 Date: 28/10/26

Notice Inviting Bid

Bids for Various Works are invited from interested bidders. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state.

UBN No.	NIT's For the Year 2026-27	Last Date & time for online submission of tender document.
PHE2627WSRC06817	NIT-26	05.11.2026 upto 6:00 PM
PHE2627WSRC06818	NIT-27	05.11.2026 upto 6:00 PM

DIPR/C/18086/2026

Executive Engineer
PHED City Div. IV (S)
Jaipur

12 लाख रु. देकर डमी अभ्यर्थी से दिलवाई परीक्षा, एसओजी ने कनिष्ठ सहायक दबोचा

आरोपी वीरमाराम फिलहाल जालौर के जसवंतपुरा उपखंड कार्यालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर तैनात था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास कराने और फर्जी डिग्री के जरिए चयन हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने जसवंतपुरा उपखंड कार्यालय में पदस्थ कनिष्ठ सहायक वीरमा राम विश्नोई को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने दूसरे अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने के बदले 12 लाख रुपए नकद लिए थे। आरोपी लंबे समय से कार्यालय से अनुपस्थित चल रहा था।

आरोपी वीरमाराम

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने 25 दिसंबर 2022 को शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की थी। इसमें जालोर जिले के सांचौर क्षेत्र के धानता निवासी भारमल राम पुत्र नरिंगा राम ने आवेदन किया था। जांच में सामने आया कि भारमल राम ने अपनी जगह दूसरे व्यक्ति को डमी अभ्यर्थी बनाकर परीक्षा में बैठाया और फर्जी डिग्री प्रस्तुत कर चयन हासिल कर लिया। इस संबंध में एसओजी थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

- **एसओजी की जांच में सामने आया कि आरोपी वीरमाराम के खिलाफ वर्ष 2004 में उच्च माध्यमिक परीक्षा में डमी अभ्यर्थी के रूप में बैठने का मामला दर्ज हुआ था।**

जांच के दौरान मुख्य अभ्यर्थी भारमल राम ने बताया कि उसकी जगह परीक्षा देने वाला व्यक्ति वीरमा राम विश्नोई पुत्र वाला राम था, वीरमा राम (45) सांचौर का निवासी है। उसने न्यायालय में समर्पण किया, जिसके बाद एसओजी ने उसे गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में लिया।

जांच में सामने आया कि वीरमा राम वर्तमान में जालोर जिले के जसवंतपुरा उपखंड कार्यालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर पदस्थापित है। उसने भारमल राम की जगह परीक्षा देने के एवज में 12 लाख रुपए नकद प्राप्त किए थे। एसओजी के अनुसार जांच में यह भी सामने आया कि वीरमा राम के खिलाफ वर्ष 2004 में उच्च माध्यमिक परीक्षा में डमी अभ्यर्थी के रूप में बैठने का मामला दर्ज हुआ था। इस संबंध में जालोर जिले के भीनमाल थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था और न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका है।

जांच में यह भी सामने आया कि भारमल राम ने चयन प्रक्रिया के दौरान श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय, सीहोर की बैकडेट में जारी कथित फर्जी डिग्री का इस्तेमाल किया था।

इस प्रकरण में एसओजी विश्वविद्यालय से जुड़े लोगों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई कर चुकी है। मामले में कुलरु सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसओजी भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़े से जुड़े पूरे मामले की जांच कर रही है।

10 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूला, 2 केन्टर सामान जब्त किया

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर मोड़, त्रिवेणी नगर पुलिया, सांगानेर बाजार निगम रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 10 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 2 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर मोड़, त्रिवेणी नगर पुलिया, सांगानेर बाजार निगम रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 10 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम प्रशासन अतिक्रमियों के चालान काटेगा।

सार-समाचार

क्यूआर कोड स्कैन करते ही मिलेगी बीट पुलिस से डीसीपी तक की जानकारी

जयपुर। आमजन और पुलिस के बीच समन्वय मजबूत करने के लिए जयपुर पुलिस ने 'अपनी बीट पुलिस को जानें' पहल शुरू की है। इसके तहत जागरूकता बोर्ड पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करते ही नागरिक अपने क्षेत्र के बीट अधिकारी से लेकर डीसीपी स्तर तक के अधिकारियों के नाम और संपर्क नंबर प्राप्त कर सकेंगे। योजना की शुरुआत मानसरोवर थाना क्षेत्र से की गई है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने गुरुवार को क्यूआर कोड आधारित बीट जागरूकता बोर्ड का लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बीट के लिए अलग क्यूआर कोड निर्धारित किया गया है। पहले चरण में मानसरोवर में बोर्ड लगाए जा रहे हैं। इसके बाद इन्हें जयपुर कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से लगाया जाएगा। प्रत्येक बीट में सात से दस प्रमुख स्थानों पर बोर्ड लगाने की योजना है। क्यूआर कोड स्कैन करने पर संबंधित बीट का विवरण, पुलिस थाने का पता, गूगल लोकेशन और बीट अधिकारी का नाम व संपर्क नंबर उपलब्ध होगा। इसके साथ ही थाना प्रभारी (एसएचओ), सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) स्तर के अधिकारियों की जानकारी भी मिलेगी। इससे नागरिकों को पुरानी जानकारी के कारण होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी और वे अपनी शिकायत या समस्या के लिए संबंधित अधिकारी से सीधे संपर्क कर सकेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम में विशेष पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. अजय सिंह, प्रदीप मोहन शर्मा, डॉ. रामेश्वर सिंह, डीसीपी क्राइम योगेश गोयल, डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज और डीसीपी मुख्यालय अनुष्ठा कालिया सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

10 साल से लापता अजय दमन में मिले

जयपुर। शिवदासपुरा थाना क्षेत्र से 10 साल से अधिक समय पहले लापता हुए अजय कुमार धानका को जयपुर दक्षिण पुलिस, एएचटीयू और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने केंद्र शासित प्रदेश दमन से सकुशल दस्तयाब कर लिया। उनकी तलाश पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस की इस कार्रवाई से परिजनों ने राहत की सांस ली। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार अजय कुमार धानका 25 अप्रैल 2016 को दोपहर करीब एक बजे दुकान जाने की कहकर घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। परिजनों की रिपोर्ट पर गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की गई थी। लंबे समय तक उनका पता नहीं चलने पर 15 दिसंबर 2025 को डीसीपी कार्यालय की ओर से उनकी तलाश पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई। इसमें शिवदासपुरा थानाधिकारी राजेश गौतम, एएचटीयू के पुलिस निरीक्षक नवरत्न धोलिया, उपनिरीक्षक अल्का गोदारा तथा साइबर सेल के हेड कांस्टेबल रामसिंह और लोकेश शामिल थे। तकनीकी अनुसंधान के दौरान हेड कांस्टेबल रामसिंह को अजय कुमार के दमन में होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने दमन के कचीगाम क्षेत्र में दबिश देकर उन्हें सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस के अनुसार दस साल से अधिक समय से लापता युवक की तलाश में यह संयुक्त कार्रवाई महत्वपूर्ण रही।

सुहागिनों ने मनाया करवा चौथ का पर्व

जयपुर। कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी पर शुक्रवार को प्रदेशभर में करवा चौथ का महापर्व परम्परागत श्रद्धा, उत्साह और उमंग से मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। राजधानी जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों और मंदिरों में करवा पूजन का आयोजन किया गया। मॉडल टाउन में महिलाओं ने मेहंदी रचाए हाथों में पूजा की थाली सजाई। सामूहिक रूप से करवा माता की कथा सुनी गई। इस अवसर पर बुजुर्ग महिलाओं ने नई पीढ़ी को व्रत की परम्परा और रीति-रिवाजों से अवगत कराया।

कोचिंग सीलिंग के खिलाफ मोर्चा खोला

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से गोपालपुरा बाईपास क्षेत्र में 100 से कम विद्यार्थियों वाले कोचिंग संस्थानों को सील करने की कार्रवाई के विरोध में ऑल कोचिंग इंस्टिट्यूट महासंघ ने मोर्चा खोल दिया है। महासंघ ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने तथा सील किए गए संस्थानों को खोलने की मांग की है। महासंघ ने आरोप लगाया कि राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक, 2025 के प्रावधानों की गलत व्याख्या कर छोटे कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। संगठन ने गोपालपुरा बाईपास क्षेत्र में संचालित बड़े संस्थानों के मामले में कार्रवाई की कथित असमानता पर भी सवाल उठाए। महासंघ के अनुसार कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों और छात्रावासों को वैकल्पिक व्यवस्था करने तथा स्थानांतरण के लिए पर्याप्त समय दिए बिना सील किए जाने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। साथ ही संस्थान संचालकों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अनीष कुमार नाडार ने बताया कि मुख्यमंत्री आवास के हस्तक्षेप के बाद जेडीए ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने मांग की कि सीलिंग की कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कर प्रभावित संस्थानों को नियमानुसार राहत दी जाए, ताकि शिक्षण कार्य दोबारा शुरू हो सके। महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि मामले का जल्द समाधान नहीं हुआ तो छोटे कोचिंग संचालकों, विद्यार्थियों और शिक्षण संस्थानों के हितों को लेकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल में संजय (पाठशाला), दिनेश (जीएस प्लैनेट), अमित (राजस्थान जेट क्लासेस), धर्मेंद्र (मिस्टी क्लासेस) और अनीष कुमार नाडार (सिंघम कोचिंग) सहित विभिन्न कोचिंग संस्थानों के संचालक एवं पदाधिकारी शामिल रहे।

आरएलपी के पूर्व प्रवक्ता कांग्रेस में शामिल

जयपुर (निसं)। राजस्थान लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता राजपाल चौधरी गुरुवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस वार रूम में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के मार्गदर्शन और नेतृत्व में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राजपाल चौधरी इससे पहले वर्ष 2015 से 2017 तक जयपुर के निर्वाचित एनएसयूआई जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने राजपाल चौधरी के कांग्रेस में शामिल होने को उनकी घर वापसी बताया। उन्होंने कहा कि राजपाल चौधरी पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे। डोटासरा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री से भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराने को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के गठन को ढाई वर्ष से अधिक समय हो चुका है और मुख्यमंत्री लगातार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहे हैं। ऐसे में अब सरकार को अपने कार्यकाल से जुड़े आरोपों पर भी जवाब देना चाहिए। डोटासरा ने एक अधिकारी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह अधिकारी करीब दो वर्ष तक भाजपा सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में रहा और मुख्यमंत्री के सचिव के रूप में महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत था। उनके अनुसार, अधिकारी के कई निर्णय मुख्यमंत्री के निर्णय माने जाते थे। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस कंपनी को लाभ पहुंचाने का निर्णय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति ने किया, उससे जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों पर मुख्यमंत्री चुप क्यों हैं और जांच क्यों नहीं करवाई जा रही है।

65 हजार रु. रिश्वत लेते विकास अधिकारी और कनिष्ठ सहायक गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने खैरथल-तिजारा जिले की मुण्डावर पंचायत समिति में कार्रवाई करते हुए विकास अधिकारी संजय कुमार यादव और कनिष्ठ सहायक रितिक कुमार सिंह को 65 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सफाई के ठेकों और पाइपलाइन कार्य के बिलों की माप पुस्तिका (एमबी) भरवाने के बदले रिश्वत मांगी गई थी।

एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता के अनुसार परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसकी फर्म मैसर्स अमनदीप को ग्राम पंचायत मातौर और नगंली ओजा में सफाई के ठेके मिले थे। इन ठेकों तथा फर्म की ओर से किए गए पाइपलाइन कार्य के बिलों की माप पुस्तिका भरवाने के लिए विकास अधिकारी संजय कुमार यादव 65 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। एसीबी ने 23 अक्टूबर को शिकायत में रिश्वत मांगने के आरोप का सत्यापन कराया। इसमें विकास अधिकारी के रिश्वत राशि लेने के लिए सहमत होने की पुष्टि हुई।

- **सफाई ठेकों और पाइपलाइन कार्य के बिलों की माप पुस्तिका भरवाने के बदले मांगी थी रिश्वत**

इसके बाद पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के सुपरविजन में एसीबी चौकी भिवाड़ी प्रभारी एवं ट्रैप अधिकारी सुरजीत सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। इस दौरान विकास अधिकारी संजय कुमार यादव और कनिष्ठ सहायक रितिक कुमार सिंह को 65 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया।

ग्रामोदय से राष्ट्रोदय भाजपा का संकल्प : मदन राठौड़

जयपुर, (निसं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा ग्रामोदय से राष्ट्रोदय के संकल्प में विश्वास करती है इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांव और किसान की चिन्ता करते हुए योजनायें प्रथमिकता से बनायी गई है, ताकि किसान खुशहाल हो, खेत खलिहान समृद्ध हो। उन्होने कहा कि किसान के बीज से बाजार तक की चिन्ता करते हुए भाजपा सरकारें काम कर रही है। उन्होने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के पांच साल में नहरी तंत्र से सृजित सिंचाई सुविधा 52,182 हैक्टर थी। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में भाजपा सरकार ने केवल 34 माह में 1 लाख 42 हजार हैक्टर क्षेत्र में सुविधा उपलब्ध करवायी है। उन्होने कहा कि खेतों में तारबंदी की बात करें तो 113 लाख मीटर काम कांग्रेस ने किया वहीं हमारी सरकार ने 445 लाख मीटर किसान के खेत पर तारबंदी करवायी है। इन ऐतिहासिक कामों के बीच में ही राजस्थान को केन्द्र की मोदी सरकार ने बड़ी सौगाते दी है।

ग्रामीण महिलाओं के हुनर की चमक से जगमगाया राजीविका दिवाली मेला

जयपुर, (निसं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) की ओर से आयोजित आठ दिवसीय राजीविका दिवाली मेला-2026 जयपुर स्थित इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान परिसर में उत्साह के साथ जारी है। मेले के दूसरे दिन करीब 100 ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पाद लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहे। पारंपरिक कला, स्थानीय हुनर और ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता को मंच प्रदान कर रहा यह मेला दिवाली की खरीदारी के साथ स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने का अवसर भी उपलब्ध करा रहा है। मेले में कोटा डोरिया की साड़ियां, जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी, डोरमैट, कारपेट सहित विभिन्न हस्तशिल्प एवं हैंडलूम उत्पादों को खासा पसंद किया जा रहा है। दिवाली के लिए दीये, कैंडल, रंगोली और घर की सजावट से जुड़ी आकर्षक सामग्री भी उपलब्ध है। ग्रामीण महिला उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए ये उत्पाद पारंपरिक कारीगरी, रचनात्मकता और राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रस्तुत कर रहे हैं।

मेले में ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पाद लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहे।

मेले में घरेलू एवं सजावटी हस्तनिर्मित उत्पादों के साथ प्राकृतिक खाद्य उत्पाद, पारंपरिक राजस्थानी व्यंजन और अन्य फूड स्टॉल्स भी आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। खरीदारी के साथ मनोरंजन का अनुभव देने के लिए आर्चरी जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं, जिनमें आगंतुक उत्साहपूर्वक भाग ले सकते हैं। 28 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2026 तक प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे के बीच आयोजित इस मेले में 100 से अधिक स्टॉल्स के माध्यम से ग्रामीण महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को प्रदर्शित एवं बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया है।

1200 किलोमीटर पीछा कर शातिर नकबजन गिरफ्तार

जयपुर (निसं)। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने सूने मकान में नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी विक्रम मीणा निवासी बामनवास जिला सवाई माधोपुर हाल मालवीय नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने करीब 1200 किलोमीटर तक पीछा कर दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में दबिश दी। आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण और विदेशी घड़ियां बरामद की गई हैं। पुलिस वारदात में शामिल फरार साथी की तलाश कर रही है। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपी ने पीडी उर्फ पिंटू मीणा के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। में रह रहा था। उसकी निशानदेही पर उसके हिस्से का चोरी का सामान बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ जवाहर सर्किल और रामनगरिया थानों में पहले भी आर्म्स एक्ट और नकबजनी के मामले दर्ज हैं। पुलिस रिमांड के दौरान उससे अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। वहीं फरार आरोपी पीडी उर्फ पिंटू मीणा की तलाश जारी है।

जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने आरोपी विक्रम मीणा को गिरफ्तार किया।

जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र ने बताया कि परिवादी के.के. रत्तू ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह 9 अक्टूबर 2026 को परिवार सहित चंडीगढ़ गए थे। 15 अक्टूबर को उनकी मेड पौधों में पानी देने पहुंची तो मकान के मुख्य गेट के ताले टूटे मिले। सूचना मिलने पर जयपुर पहुंचे परिवादी ने घर की जांच की तो रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले सोने के आभूषण, करीब आधा किलो चांदी और पांच-छह विदेशी घड़ियां गायब मिलीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

'तैलंग कुलम' पत्रिका का 15वां स्थापना दिवस मनाया

जयपुर, (निसं)। दाक्षिणात्य प्रवासी तैलंग समुदाय की पत्रिका 'तैलंग कुलम' का 15वां स्थापना दिवस समारोह रोटरी भवन में आयोजित किया गया। ग्रैमी पुरस्कार विजेता, पद्मभूषण सम्मानित एवं मोहनवीणा के सर्जक पं. विश्व मोहन भट्ट समारोह के मुख्य अतिथि रहे, जबकि प्रख्यात साहित्यकार, कला समीक्षक, संपादक एवं सेवानिवृत्त आईएएस हेमंत शेष ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समारोह में साहित्य, संगीत, चित्रकला, फोटोग्राफी, राइफल शूटिंग, दौड़, मार्शल आर्ट, शतरंज और अभिनय सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली समाज की 33 बाल, किशोर एवं युवा प्रतिभाओं को दुपट्टा, माला और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। तैलंग समुदाय की संस्कृति और विशिष्ट परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन में योगदान के लिए वयोवृद्ध शीला देवी गोस्वामी को 'रामा देवी भट्ट तैलंग संस्कृति संवर्धन सम्मान' प्रदान किया गया।

अवैध शराब की भट्टी नष्ट, 5 से 6 हजार लीटर वॉश जब्त

जयपुर। पंचायती राज चुनाव 2026 के मद्देनजर जयपुर दक्षिण पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कोटखावदा थाना क्षेत्र के नंदकिशोरपुरा उर्फ भूगड़ियावास में चल रही अवैध हथकड़ शराब की भट्टी नष्ट कर दी।

पुलिस ने मौके से करीब 5 से 6 हजार लीटर अवैध वाश और 25 लीटर तैयार हथकड़ शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान शराब बनाने के उपकरण भी नष्ट किए गए। कोटखावदा थाना अधिकारी उदयभान ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर नंदकिशोरपुरा उर्फ भूगड़ियावास में दबिश दी। यहां अवैध हथकड़ शराब बनाने की भट्टी संचालित मिली। पुलिस ने वाश, तैयार शराब और उपकरणों को जब्त कर नष्ट करने की कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, भट्टी संचालक राजू उर्फ दलाल मीना (48) निवासी नंदकिशोरपुरा मौके से फरार हो गया।

- **मुखबिर की सूचना पर कोटखावदा थाना पुलिस ने नंदकिशोरपुरा में दबिश देकर कार्रवाई की**

उसके खिलाफ कोटखावदा थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र में चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए 11 गिरफ्तारी वारंटियों, स्थायी वारंटियों और वांछित अपराधियों के मामलों में कार्रवाई की गई है।

इसके अलावा 156 संदिग्धों और पूर्व में चुनाव के दौरान चालानशुदा अपराधियों को पाबंद किया गया है। क्षेत्र के सभी 34 लाइसेंसधारी शस्त्र धारकों के हथियार भी थाने के मालखाने में जमा करवा लिए गए हैं।

भाजपा जयपुर में 5 नवंबर को निकालेगी पदयात्रा

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की ओर से "लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ" अभियान के अंतर्गत 5 नवंबर को जयपुर में पदयात्रा निकाली जायेगी। इसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय, में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पदयात्रा की विस्तृत रूपरेखा, संगठनात्मक तैयारियों, विधानसभा एवं मंडलवार जिम्मेदारियों, कार्यकर्ताओं की भागीदारी, आवागमन तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान जयपुर में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

बैठक में जयपुर सांसद मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं जयपुर संभाग प्रभारी श्रवण सिंह बगड़ी, वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, अभियान के प्रदेश संयोजक एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा तथा भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल सहित अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र देश की एकता, अखंडता, शांति एवं नागरिकों के अधिकारों की रक्षा का मजबूत आधार है। लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का दायित्व है। 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाली पदयात्रा जनजागरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। मंजू शर्मा ने कहा कि आगामी 5 नवंबर का कार्यक्रम संगठन की एकजुटता एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता का महत्वपूर्ण अवसर है। अभियान के प्रदेश संयोजक एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने अपने संबोधन में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के उद्देश्यों एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े संगठनात्मक कार्यक्रम की सफलता के लिए कार्यकर्ताओं की सक्रियता, आपसी समन्वय, अनुशासन और समयबद्ध तैयारी अत्यंत आवश्यक है। आगामी 5 नवंबर को प्रस्तावित विशाल पदयात्रा में प्रत्येक विधानसभा, मंडल एवं वार्ड की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

एसआई भर्ती-2016 में पदों की श्रेणीवार पुनर्गणना करें : हाईकोर्ट

जयपुर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस उप निरीक्षक और प्लाटून कमांडर भर्ती-2016 को लेकर राज्य सरकार व आरपीएससी को कहा है कि वे पदों की श्रेणीवार नए सिरे से गणना करें। अदालत ने स्पष्ट किया है कि 1 सितंबर, 2020 के परिणाम के तहत नियुक्त किसी भी उम्मीदवार को हटाया नहीं जाए, भले ही वह संबंधित श्रेणी में नहीं आ रहो हों। जस्टिस अशोक जैन की एकलपीठ ने श्याम सिंह व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने राज्य सरकार को अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त पद सृजित करने की छूट दी है। अदालत ने कहा कि आरपीएससी 5 अक्टूबर, 2016 के विज्ञापन व शुद्धि पत्रों के आधार पर पचास फीसदी आरक्षण की सीमा और नियमों के तहत 90 दिन में पदों की गणना कर इसकी जानकारी सार्वजनिक करे। वहीं 1 सितंबर, 2020 के परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों की स्थिति संशोधित मेरिट के अनुसार तय की जाए। अदालत ने पूरी प्रक्रिया 180 दिन में करने को कहा है।

"नई लिटिगेशन पॉलिसी" पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करने पर हाईकोर्ट नाराज

अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि, "या तो नई लिटिगेशन पॉलिसी को लेकर जरूरी कार्रवाई करें; वरना मुख्य सचिव, प्रमुख विधि और वित्त सचिव कोर्ट में हाजिर हों"

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कई बार समय देने के बावजूद नई लिटिगेशन पॉलिसी को लेकर प्रभावी कार्रवाई नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने इसके लिए जरूरी कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकार को पांच सप्ताह का अंतिम समय दिया है।

अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि तब तक आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई तो आगामी सुनवाई पर मुख्य सचिव, प्रमुख विधि सचिव और वित्त सचिव अदालत में हाजिर होकर देरी का कारण बताते हुए अपना-अपना हलफनामा पेश करें। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की आपराधिक अपीलों पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश चौधरी ने नई लिटिगेशन पॉलिसी को लेकर अदालती आदेश की पालना सुनिश्चित करने के लिए पांच सप्ताह का समय मांगा।

इस पर अदालत ने कहा कि आपराधिक प्रकरणों में आरोपियों को बरी करने के निर्णय के खिलाफ कई अपील अत्यधिक देरी के साथ पेश हुई हैं। देरी से छूट देने के लिए परिसीमा अधिनियम की धारा 5 के तहत पेश प्रार्थना पत्रों को लेकर अदालत ने राज्य सरकार से अतिरिक्त शपथ पत्र पेश करने को कहा था। अगर इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से दिए स्पष्टीकरण को स्वीकार कर लिया गया तो यह लगभग सभी मामलों में विलम्ब से अपील दायर करने का लाइसेंस देने के समान होगा। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार ने विलम्ब से अपील दायर करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी व कुशल तंत्र प्रदान करने वाली नई लिटिगेशन पॉलिसी लाने का प्रस्ताव लिया था। इसके बावजूद भी कई मौके दिए जाने के बाद भी यह पॉलिसी अभी तक सामने नहीं आई है। इसलिए राज्य सरकार को इस संबंध में कार्रवाई के लिए अंतिम मौका दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि गत सुनवाई पर राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया था कि राज्य सरकार की ओर से अत्यधिक देरी से अपील पेश करने की स्थिति पर अंकुश लगाने के लिए एक नई लिटिगेशन पॉलिसी लाई जाएगी। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को जरूरी कार्रवाई करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था।

National Checklist Day

National Checklist Day, observed annually on October 30, celebrates the power of organization, planning, and efficiency in everyday life. This day emphasizes the importance of creating checklists to manage tasks, priorities, and goals, whether at work, school, or home. Checklists help reduce stress, prevent errors, and ensure nothing important is overlooked, turning even complex projects into manageable steps. Beyond productivity, they encourage discipline, focus, and a sense of accomplishment as tasks are completed. National Checklist Day reminds us that success often lies in careful planning and attention to detail, and that even the smallest list can make a big difference.

#A MASTERPIECE

The Golden Scythian Pectoral

Nomadic does not mean unsophisticated. It reveals a culture deeply connected to animals, nature, and symbolic narrative

In 1971, beneath a burial mound on the Ukrainian steppe known as Tovsta Mohyla, archaeologists uncovered one of the most breathtaking treasures of the ancient world, the Golden Scythian Pectoral.

Dating to the 4th century BCE, this extraordinary neck ornament belonged to the nomadic Scythians, a powerful culture that dominated the Eurasian steppe from roughly the 7th to the 3rd centuries BCE. Today, the pectoral is widely regarded as a pinnacle of Scythian gold craftsmanship.

At nearly 1.2 kilograms (over 2.5 pounds) of solid gold and about 30 centimeters in diameter, the pectoral is both opulent and intricate.

But its power lies not just in its weight.

It lies in its storytelling.

The Scythians were horse-riding nomads, feared by their neighbours for their mobility and skill in warfare. Greek writers like Herodotus described them as formidable and enigmatic. Yet, the pectoral reveals something deeper: a society with refined artistic sophistication and symbolic imagination.

The ornament is composed of three horizontal registers, each filled with detailed relief scenes.

The upper band depicts human figures, often interpreted as Scythian men tending animals, possibly preparing clothing from fleece. This scene suggests daily life, pastoral economy, and cultural identity.

The central band features intertwined plant motifs, lush, swirling vegetation that symbolizes fertility and the natural world.

The lower band erupts into dynamic animal combat scenes, lions, griffins, and other creatures locked in dramatic struggle. This reflects the so-called "Animal Style" characteristic of steppe art, where animals embody power, chaos, and the forces of nature.

Together, the three levels may represent a layered worldview:

1. Human society above.
2. The fertile earth in the middle.
3. The raw, untamed animal realm below.

Some scholars believe that the pectoral was created by Greek craftsmen working for a Scythian elite patron. By the 4th century BCE, Scythians maintained active trade relationships with Greek colonies along the Black Sea. This cultural exchange blended Greek technical precision with Scythian symbolism.

The result is extraordinary detail.

Muscles ripple beneath animal hides. Faces are expressive. Even tiny strands of hair and fleece are individually rendered. The gold was hammered, cast, and soldered with remarkable skill.

The pectoral was discovered in a royal burial, likely belonging to a Scythian noble or king. Such objects were not everyday adornments. They were emblems of authority, worn across the chest to proclaim status and divine favour.

Unlike sedentary civilizations that built cities in stone, the Scythians expressed power through portable wealth, gold that traveled with them across the steppe.

This pectoral survived because it was buried with its owner, sealed within the earth for over two millennia.

Today, it stands as proof that nomadic does not mean unsophisticated.

It reveals a culture deeply connected to animals, nature, and symbolic narrative.

So here's the question:

When you look at the Golden Scythian Pectoral, what captivates you more, the staggering technical mastery of its goldwork, or the layered symbolic world it reveals about a steppe civilization often misunderstood by history?

Sledge Patrol command headquarters at Eskimonæs.

Compared to the simple trapper's huts on the trails, the station at Eskimonæs was luxurious. The red-painted house had a large living area in the centre with a roaring stove, comfortable chairs and tables. This was ringed with six bedrooms and radio room, together with a generator room. Surrounding the exterior wall of each were storerooms, doubling as outer layers of insulation.

Lt. Hermann Ritter.

FIRST CONTACT

#DUEL ON ICE

Verna Mohon

March 8, 1943

Marius Jensen and two Greenlandic patrol members, Mikael Kunak and William Arke, set out to patrol the area north of Eskimonæs, their home base. There was a trapper's hut on Sabine Island, 60 miles (96 km) away, that they wanted to check.

The dogs picked up the scent of 'strangers' from several miles away, aromas of different tobacco and food items. Their ears pricked up and their pace changed, signaling that something 'un-Arctic' was ahead. As they drew nearer, they saw smoke coming from the chimney and footprints on the ice: the footprints of men wearing military-style boots with heels, not the soft sealskin kamiks worn by local trappers.

However, before they reached the hut, they saw two men escape up the mountainside. Inside, they found two half-empty mugs of coffee on the table, sleeping bags, Nazi uniforms, daggers, supplies, coal and almost half a polar bear.

The three men set out straightaway on the return journey to Eskimonæs, to report the discovery as soon as possible, but Jensen knew that the dogs were in need of rest, so, they stopped for the night in a hut just 5 miles (8 km) south of Sabine Island.

Meanwhile the two German soldiers had made it quickly back to their headquarters at Hansa Bugt, a secluded inlet that was also on Sabine Island. Jensen and his men had found a hut with two scouts, not realizing that over the hill was Germany's secret headquarters, commanded by Lieutenant Hermann Ritter.

March 11, 1943

Sheltered in the tiny hut, they heard men approaching during the night. The dogs had raised the alarm. They had no idea how many men, or the extent of the threat, but made the decision to escape immediately on foot, grabbing only their rifles.

Ritter had sent a patrol to find them, hoping to stop them before they could report their sighting of the German presence to the Sledge Patrol headquarters at Eskimonæs. Their orders were to bring them back, alive or, if necessary, dead.

March 13, 1943

Fortunately, after their narrow escape, Marius Jensen and his men did make it back. They had slogged nearly 100 miles across ice and snow in two days. Summing up the setback, Kurt Olsen, a senior member of the Sledge Patrol based at Eskimonæs, managed to radio the following message to Governor Eske Brun in Nuuk:

"We have suffered a severe loss. Half of our dogs and three fully equipped sledges. Fritz also got his hands on Marius's journal, so, he could not be better informed of our whereabouts."

Eli Knudsen.

Armband designating the Sledge Patrol as military personnel.

Marius Jensen.

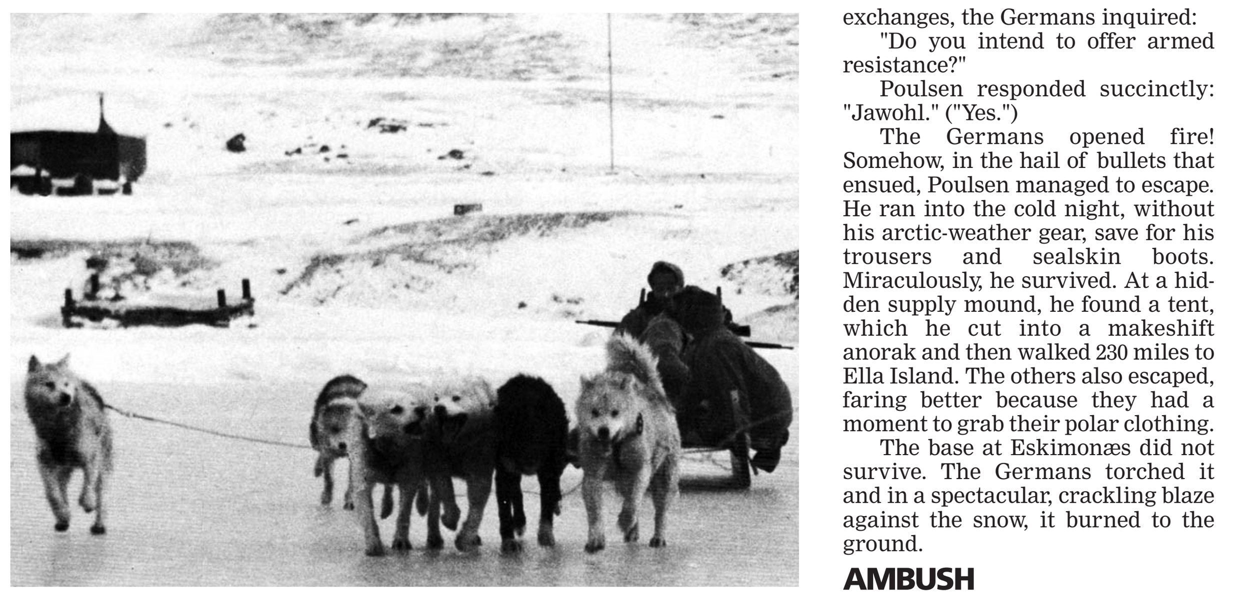

A contemporary photograph of a patrolman setting out from Sanodden Station.

RAID

March 23, 1943

Ten days later, in the early evening, the Sledge Patrol's command base at Eskimonæs was attacked. Lt. Ritter had sent a squad with submachine guns, as well as rifles and revolvers. It was a carefully planned assault.

Compared to the simple trapper's huts on the trails, the station at Eskimonæs was luxurious. The red-painted house had a large living area in the centre with a roaring stove, comfortable chairs and tables. This was ringed with six bedrooms and radio room, together with a generator room. Surrounding the exterior wall of each were storerooms, doubling as outer layers of insulation.

When the Germans arrived, there were only five men at the base. Days earlier, some had been sent to the radio station at Ella Island, whilst Marius Jensen and Eli Knudsen had been despatched north to look for another patrolman, Peter Nielsen, who they thought did not yet know of the German presence.

On hearing their approach (those brilliant dogs again!), the camp commander, Ib Poulsen, stepped out, his rifle loaded, to ask the Germans what they wanted. After some initial distantly shouted exchanges, the Germans inquired:

"Do you intend to offer armed resistance?"

Poulsen responded succinctly: "Jawohl." ("Yes.")

The Germans opened fire! Somehow, in the hail of bullets that ensued, Poulsen managed to escape. He ran into the cold night, without his arctic-weather gear, save for his trousers and sealskin boots. Miraculously, he survived. At a hidden supply mound, he found a tent, which he cut into a makeshift anorak and then walked 230 miles to Ella Island. The others also escaped, faring better because they had a moment to grab their polar clothing.

The base at Eskimonæs did not survive. The Germans torched it and in a spectacular, crackling blaze against the snow, it burned to the ground.

Musk Ox.

AMBUSH

Meanwhile, Marius Jensen and Eli Knudsen had found Peter Nielsen and the three were now travelling back to Eskimonæs. Eli Knudsen had the better dog team and had pulled far ahead of the others. He headed for Sandodden hunting station to get some rest.

March 26, 1943

After the raid on Eskimonæs, Ritter's patrol had also headed to Sanodden. When Eli Knudsen arrived, they were lying in wait.

As the soldiers rose, like apparitions from the snow, Eli mushed his team to make a run for it. Ritter ordered his men to 'shoot the dogs.' Several fell in the first burst, dragging as the sledge continued. Then, in the second burst, Eli Knudsen was shot and killed.

Eli Knudsen

It was unintended; the gunner's aim was off because of a jam. Hermann Ritter later recalled that he deeply regretted Knudsen's death and that he had recurring nightmares about it.

Ritter was an 'old school' soldier, doing his duty as best he could, but he had no sympathy for the Nazi cause. Before this command, he had at one time been investigated by the Gestapo for some of his remarks. More senior officers, who had regard for him, spoke up and saved him. He was here partly because of his polar expertise and partly to put him out of the way.

The dead dogs were swept under the snow, the rest of the team was staked out and the sledge drawn up outside the hut. The stove was lit.

When Marius Jensen and Peter Nielsen arrived a little later, they expected to see Eli Knudsen inside. Instead, they were ambushed by Ritter's men. Outnumbered and outgunned, they surrendered.

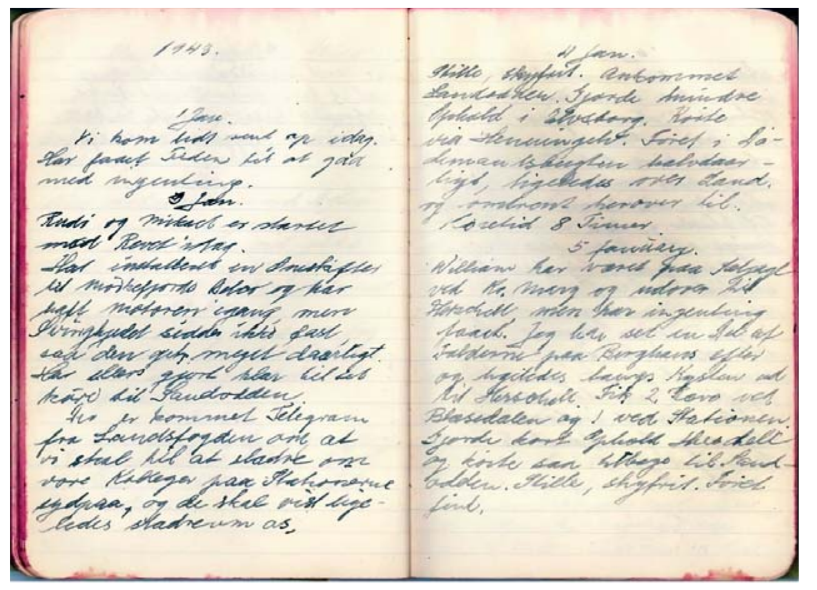

Marius Jensen's journal captured by the German patrol.

CARDS, CONTEMPLATION AND COMRADESHIP

As prisoners of war, Jensen and Nielsen were taken to Ritter's HQ at Hansa Bugt on Sabine Island.

Lt. Hermann Ritter

With the German location on Greenland having been detected, Ritter assumed it was only a matter of time before U.S. bombers would be called in. His job was to survive and save his men, until the sea-ice melted enough for a rescue ship to dock and evacuate them.

To that end, he launched a campaign of reconnaissance to seek out places to hide and to find and destroy any Allied communications centres.

He recognized that Marius Jensen not only had innate knowledge of the topography, he was also something of a dog whisperer with the oftentimes quarrelsome Greenland dogs. Their power and pull was unmatched but they were aggressive and independent, requiring expert handling, something many of his men struggled with.

Jensen and Nielsen were unshackled and unguarded, having given their word not to escape. In the evenings, Ritter and Jensen played cards, discussed philosophy and shared their mutual passion for the Arctic. They formed a friendship and deep regard for each other, despite also retaining their sense of patriotic duty. Marius Jensen was even able to persuade Ritter to let Peter Nielsen take a sledge back to Sandodden to buttress Eli Knudsen's grave, protecting his corpse from scavengers like arctic foxes. In exchange, he agreed to co-operate, to show Ritter the routes and to drive his sledge.

This takes us to that stage of the story where we started, at the Myggebugten hut on the morning of April 19th; with Ritter staring down the barrel of his own rifle and Jensen saying:

"Now, you are my prisoner."

This followed, if you remember, Lt. Ritter sending a squad of soldiers to destroy the radio station at Ella Island.

Polar Bear.

THE RACE FOR ELLA ISLAND

Jensen feared that the German soldiers Ritter had sent to Ella Island would kill the personnel there. Consequently, he left Ritter in the hut and set off alone, determined to beat them and to warn the Danish radio crew.

At 31-years-old, Jensen was in his physical prime and the arctic wilderness was his natural habitat. He was deeply bonded with his crack dog team and he had given the Germans a map that followed circuitous trails around the fjords. He knew a shorter route across the ice!

Marius Jensen

To make his sledge lighter, he unloaded a large amount of the supplies and left them in the hut with Ritter. There was no need to bind his prisoner; he was confident that he would not escape.

Ritter, assuming that Jensen had headed off to his own safety, had no choice but to stay where he was, and await the return of his patrol. It, at least, afforded him an opportunity to rest and restore his strength a little; something that he would all too soon be required to draw upon.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#JLF

Jaipur Literature Festival unveils Second Speaker List for 20th Edition

The second list of speakers straddles fiction and poetry, histories of empire and civilisation, questions of identity and belonging...

Makarand Sathe.

Ben Moser (c) Nan Goldin 2.

As the Vedanta Presents Jaipur Literature Festival prepares to celebrate two decades of literary discovery and cultural dialogue, it announces its second list of speakers for the landmark 20th edition, set to take place from 14 - 18 January 2027 at Hotel Clarks Amer, Jaipur. The new announcement brings together an expansive and diverse group of writers, historians, academics, scientists, journalists, artists and public figures. The second list of speakers straddles fiction and poetry, histories of empire and civilisation, questions of identity and belonging, scientific discovery, international affairs, wellbeing, food and the arts.

The list features Adania Shibli, the Palestinian writer whose novel *Minor Detail* was nominated for the National Book Award and the International Booker Prize; Alice Roberts, the biological anthropologist, author and broadcaster known for her work on human evolution and archaeology; and Ananya Vajpeyi, whose scholarship explores Indian intellectual history and political thought. The Festival also welcomes Benjamin Moser, the Pulitzer Prize-winning biographer and writer, among its distinguished line-up of speakers; Caroline Elkins, Harvard professor and Pulitzer Prize-winning historian whose work subverts the idea of British 'liberal imperialism,' and Claire Messud, acclaimed novelist whose writing explores identity, relationships and contemporary life.

The list features Eric Cline, archaeologist and historian whose research focuses on the ancient Mediterranean and Near East; Gabrielle Rifkind, whose work centres on conflict resolution and international relations; and Hansda Sowvendra Shekhar, whose fiction explores the Adivasi identity. Makarand Sathe, Marathi playwright, novelist and theatre director, joins Mira Seo, whose academic work engages with classical literature, and Mona Arshi, poet and novelist whose writing explores identity, family and belonging. Neil MacGregor, distinguished art historian and former director of the British Museum, brings his expertise in art and cultural history, while Paul Zacharia, acclaimed Malayalam writer and essayist, comes with his expertise that blends social commentary, satire and philosophical enquiry with fiction.

Also featuring in the announcement are Ritu Dalmia, the chef and restaurateur and co-owner of the popular Italian restaurant Diva; Roxie Nafousi, author and self-development coach known for her work on personal growth; and Shriram Nene, cardiovascular surgeon and health advocate whose public work focuses on healthcare and medical awareness. Sir Paul Nurse, Nobel Prize-winning geneticist and cell biologist, brings pioneering scientific ideas while Suraj Yengde, author of *Caste Matters*, examines caste, race and social justice. Sven Beckert, Harvard historian known for his work on capitalism and global economic history, and Tabish Khair, novelist, poet and critic whose writing explores migration, identity and cultural encounters, along with author and linguist Thangjam Hindustani Devi joins the list.

The announcement further includes Akshata Murty known for her work in business, philanthropy and social impact; Mishal Husain, acclaimed journalist, broadcaster and author; and Vishaka N. Desai, an art historian whose work focuses on Asian art, museums and international cultural exchange.

Sanjoy K Roy, Managing Director, Teamwork Arts, said, "At a time when the world needs platforms for meaningful dialogue more than ever, we remain committed to bringing people and ideas together across disciplines, cultures and intercontinental boundaries, encouraging conversations that challenge assumptions, broaden horizons and remind us of our shared humanity."

As the Jaipur Literature Festival approaches its 20th edition, the programme promises another literary marathon marked by the diversity and freedom of ideas.

Adania Shibli (c) Liudas Masys 2026.

Neil MacGregor.

THE WALL

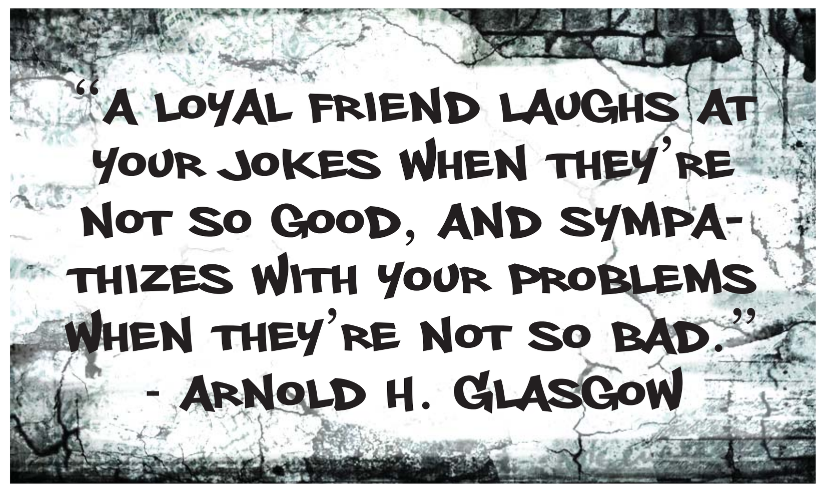

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

प्याज की नई फसल की आवक, अलवर की मंडी में किसानों की हलचल बढ़ी

पिछले सीजन में बारिश और उचित भाव नहीं मिलने से किसानों को नुकसान हुआ था

अलवर, (निसं)। प्याज की नई फसल की आवक को लेकर अलवर प्याज मंडी में किसानों की हलचल बढ़ने लगी है। किसान सुबह से ही अपनी उपज लेकर मंडी पहुंच रहे हैं। पिछली बार प्याज की फसल में हुए नुकसान और उचित भाव नहीं मिलने से किसानों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा था। हालात ऐसे बने कि कई किसानों को अपनी प्याज फेंकने तक की नौबत आ गई। ऐसे में इस बार किसान सरकार से प्याज की खरीद की उचित व्यवस्था और उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

प्याज मंडी समिति के अध्यक्ष पप्पू भाई प्रधान ने बताया कि नए सीजन को लेकर किसानों में उत्साह के साथ उम्मीदें भी नजर आ रही हैं। किसानों को भरोसा है कि इस बार उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और उन्हें पिछले साल जैसी परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पिछले सीजन में बारिश के कारण भी किसानों को परेशानी हुई थी। प्याज खराब होने और उचित भाव नहीं मिलने से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा था। उस दौरान किसानों को राहत देने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने की शिकायतें भी सामने आई थीं।

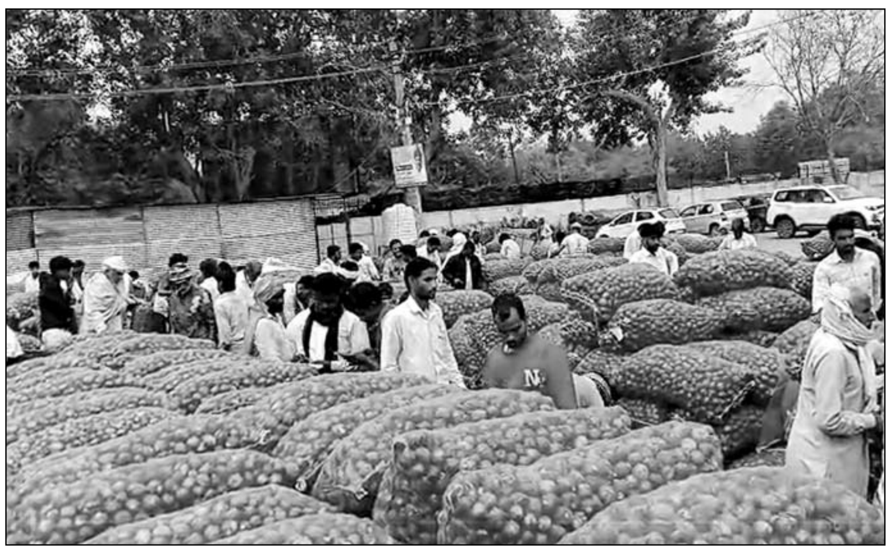

अलवर प्याज मंडी में किसान अपनी उपज लेकर मंडी पहुंच रहे हैं।

किसानों का कहना है कि प्याज की खेती में बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और मजदूरी पर काफी खर्च होता है। इसके बावजूद यदि मंडी में उपज का उचित भाव नहीं मिलता, तो लागत निकालना भी मुश्किल हो जाता है। फसल खराब होने या बाजार में कीमतें गिरने की स्थिति में किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ती है। ऐसे में किसान चाहते हैं कि सरकार प्याज की खरीद और बाजार भाव को लेकर समय रहते प्रभावी व्यवस्था करे, ताकि उनकी मेहनत और लागत दोनों सुरक्षित रह सकें।

> ■ किसानों को इस बार समय पर प्याज खरीद और वाजिब दाम मिलने की आस

मंडी समिति अध्यक्ष के अनुसार, फिलहाल किसानों ने प्याज लेकर मंडी पहुंचना शुरू कर दिया है। हालांकि, चुनाव के बाद और एक तारीख के बाद मंडी में प्याज बेचने आने वाले किसानों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में आवक बढ़ने के साथ ही बाजार भाव और खरीद व्यवस्था को लेकर स्थिति और स्पष्ट होगी। किसानों की उनकी मांग है कि प्याज की खरीद, उचित मूल्य और जरूरत पड़ने पर राहत देने के लिए समय रहते कदम उठाए जाएं।

दुकान का ताला तोड़कर 2.35 लाख रुपए चुराये

जोधपुर, (कासं)। शहर के रेलवे स्टेशन रोड पर आई हाजी बिल्डिंग में एक ट्रैवल कार्यालय का दरवाजा तोड़कर चोर अंदर घुसा और गल्ले से 2 लाख 35 हजार की नगदी चुरा ले गया। घटना 24 अक्टूबर रात 10.45 के आसपास की है। पीड़ित घटना के समय चाय पीने कार्यालय से बाहर गया था। अपने स्तर पर पता करने के बाद अब पीड़ित ने उदयमंदिर थाने में चोरी की रिपोर्ट दी है। संदिग्ध नामजद का पता लगाने का प्रयास जारी है। संदेह है कि रुपए से नई बाइक खरीद ली गई है।

उदयमंदिर पुलिस ने बताया कि हाजी बिल्डिंग स्टेशन रोड के रहने वाले अब्दुल राहिल पुत्र अब्दुल फारूख ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी हाजी बिल्डिंग में ताज ट्रैवल्स के नाम से फर्म आई है। 24 अक्टूबर की रात तकरीबन पौने ग्यारह बजे वह चाय पीने के लिए बाहर गया था। कार्यालय का लॉक किया गया था। बाद में वापस आने पर पता लगा कि कार्यालय का दरवाजा टूटा पड़ा है। अन्दर देखा तो पता चला कि गल्ले से 2.35 लाख रुपए गायब है। रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज चैक किए तो पता लगा कि एक युवक टोपी लगाकर आया और फिर दरवाजा तोड़कर अंदर गया। करीब 7 मिनट तक अंदर रहा और गल्ले से रुपए निकाले। इसके बाद वह पैदल ही मोहनपुरा पुलिया की तरफ चला गया। जहां पर पहले से मौजूद एक बाइक सवार के साथ बैठकर रातानाडा की तरफ गया। पीड़ित ने अपने स्तर पर पता किया तो मालूम हुआ कि युवक सत्री है, जोकि आदतन चोरियां करता है। रूपए चुराने के बाद अपनी मां को देता है। उसके कार्यालय से चुराए गए रुपए से उसने एक नई बाइक भी खरीदी है, शेष रूपए अपनी मां को दिए है।

> ■ बताया जा रहा है कि चुराए गए रूपए से आरोपी ने एक नई बाइक भी खरीदी, शेष रूपए अपनी मां को दिए

उदयमंदिर पुलिस ने बताया कि नामजद संदिग्ध युवक का पता लगाया जा रहा है। उसके नाम पते की पूर्ण जानकारी पीड़ित की तरफ से दी गई है, अब उसे लाकर पूछताछ की जाएगी।

गोवंश का सिर मिलने पर प्रदर्शन

सूरतगढ़, (निसं)। यहां भाटिया आश्रम के सामने एक गली में गोवंश का कटा सिर मिलने के मामले में गुरुवार को गौ रक्षा दल ने सिटी पुलिस थाने में प्रदर्शन किया। गौ रक्षा दल ने पुलिस को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी करने और कठोर कार्रवाई की मांग की। साथ ही कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस थाने का घेराव कर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। गौ रक्षा दल के सदस्यों और अन्य लोगों ने त्रिमूर्ति मंदिर मार्केट क्षेत्र से नारेबाजी करते हुए सिटी पुलिस थाना परिसर पहुंचकर प्रदर्शन किया। गौ रक्षा दल के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोवंश की हत्या कर उसका सिर काटकर गली में फेंक दिया गया था। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने मौके का मुआयना भी किया, लेकिन अब तक आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के संबंध में कोई कार्रवाई सामने नहीं आई है।

प्रदर्शन के दौरान पार्षद प्रमोद ज्याणी, डॉ. राजेश भाटी, स्वामी शंकरानंद गिरि, एड.अनिल भार्गव, अखिल राजस्थान हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री श्याम सुंदर, प्रकाश कुकना, श्याम शर्मा, विक्रम कुमार, नारायण सिंह, ललित पारीक, अमर सिंह, सुभाष कुमार, शिव शंकर, जसविंदर सिंह, विश्व हिंदू परिषद के किशन लाल स्वामी, विनोद कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सादुलपुर के गांव नवा स्थित दुर्गादास आश्रम में साधु ने साधु ने हत्या की

रातभर साथ रहा आरोपी बाद में फरार हुआ, अलसुबह कनपटी के पास चोट मारने की आशंका

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाने के गांव नवां स्थित दुर्गादास आश्रम में एक साधु की हत्या के आरोप का मामला सामने आया है। आश्रम में रह रहे करीब 66 वर्षीय साधु छेदीलाल की एक अन्य साधु ने कथित रूप से हत्या कर दी और फरार हो गया। बुधवार शाम आश्रम पहुंचे आरोपी के रातभर मृतक के साथ रहने की बात प्रारंभिक जांच में सामने आई है। दोपहर बाद आश्रम में साधु का शव देखकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

हमीरवास थानाधिकारी सतपाल बिश्नोई पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एफएसएल टीम ने भी मौके पर पहुंचकर बारीकी से जांच की तथा साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। थानाधिकारी सतपाल बिश्नोई ने बताया कि मृतक साधु की पहचान उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी निवासी छेदीलाल पुत्र गोकल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, हरियाणा के बहल क्षेत्र के गांव गोकुलपुरा निवासी साधु सुरेंद्र उर्फ सिमरन दास उर्फ मोनी बाबा बुधवार शाम आश्रम पहुंचा था और रातभर छेदीलाल के साथ रहा तथा आरोपी ने अलसुबह किसी हथियार या लाठी-डंडे से साधु के कनपटी के पास चोट मारकर हत्या कर आरोपी मौके से फरार हो गया।

थानाधिकारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हत्या के पीछे क्या कारण रहे, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति का खुलासा हो सकेगा।

जैसलमेर के मोहनगढ़ के खेत में बम गिरा, धमाके से दो फीट गहरा गड्ढा बना

गनीमत रही कि खेत में काम कर रहा किसान का बेटा बच गया

जैसलमेर, (निसं)। जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र की नहरी बेल्ट में गुरुवार दोपहर करीब एक बजे किसान के खेत में तेज धमाके के साथ बम गिरने से हड़कंप मच गया। धमाके से खेत में करीब दो फीट गहरा गड्ढा हो गया, जबकि बम के टुकड़े ट्रैक्टर पर भी लगे। गनीमत रही कि खेत में काम कर रहा किसान का बेटा बाल-बाल बच गया और कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, किसान तुलसाराम भील पुत्र भंवरूराम के खेत में उनका बेटा द्वाराकाराम ट्रैक्टर से कृषि कार्य कर रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर से करीब 10 कदम पीछे अचानक तेज धमाके के साथ बम गिरा। धमाके की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। अचानक हुए विस्फोट से द्वारकाराम घबरा गया, लेकिन बम ट्रैक्टर से कुछ दूरी पर गिरने के कारण वह उसकी चपेट में आने से बच गया। घटना की सूचना मिलने पर मोहनगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। सेना को भी घटना की जानकारी दी गई है।

> ■ बताया जा रहा है कि खेत के पास ही सेना की फील्ड फायरिंग रेंज स्थित है, ऐसे में सैन्य अभ्यास के दौरान बम के खेत में गिरने की आशंका जताई जा रही है

बताया जा रहा है कि खेत के पास ही सेना की फील्ड फायरिंग रेंज स्थित है। ऐसे में सैन्य अभ्यास के दौरान बम के खेत में गिरने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, बम कहां से आया और घटना के वास्तविक कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सेना की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

वन्यजीव शिकार के मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा

जैसलमेर, (निसं)। वन विभाग ने किशनघाट स्थित गजरूपसागर क्षेत्र में स्वांगिया माता मंदिर के पास कार्रवाई करते हुए वन्यजीव शिकार के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लोमड़ी और खरगोश अर्द्धमूर्छित अवस्था में मिले। उपचार के बावजूद दोनों वन्यजीवों की मौत हो गई। क्षेत्रीय वन अधिकारी श्याम सुंदर नागौरा के अनुसार, 27 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर टीम ने दबिश देकर मूलाराम, उत्तमाराम और चन्द्रनाथ को गिरफ्तार किया। मौके से शिकार में प्रयुक्त उपकरण और दो मोटरसाइकिल भी बरामद की गईं। आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। न्यायालय ने तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

बीकानेर में आरएसी जवान ने सुसाइड किया

बीकानेर, (निसं)। यहां आरएसी जवान ने अपने क्वार्टर के कमरे में सुसाइड कर लिया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें डिप्रेशन और मानसिक रूप से परेशान होने की बात लिखी है। जवान ने सुबह क्वार्टर के कमरे का दरवाजा नहीं खोला तो साथी दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे। कमरे में जवान फंदे पर लटका मिला। मामला बीछवाल थाना इलाके के आरएसी की थर्ड बटालियन क्वार्टर्स का गुरुवार सुबह 11:30 मिनट का है।

थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया कि सुबह सूचना पर पहुंचे और आरएसी जवान की पहचान मांगीलाल पुत्र हड़मानाराम के रूप में हुई है। वह बटालियन परिसर में बने क्वार्टर में रहते थे। मांगीलाल पिछले कुछ दिन से क्वार्टर में अकेले रह रहे थे। उनका परिवार गांव गया हुआ था। वो लूणकरनसर तहसील के छटटासर गांव के रहने वाले थे। मांगीलाल आरएसआई 2021 बैच के थे। परिवार में पत्नी और एक चार साल की बेटी है। उन्होंने एक सुसाइड नोट भी लिखा है। नोट में इतना ही लिखा है कि मानसिक रूप से परेशान होने के कारण सुसाइड कर रहा हूं। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह मांगीलाल के कमरे से कोई हलचल नहीं होने पर साथियों ने जाकर देखा। कमरे में उनका शव फंदे से लटका मिला। इसकी सूचना बीछवाल पुलिस को दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और खिदमतगार खादिम सोसायटी और असहाय सेवा संस्थान के सेवादार दोनों को बुलाया। दोनों संस्थाओं के सेवादार एंबुलेंस लेकर मौके पर पहुंचे। शव को सीएम मूंदड़ा मेडिसिन विंग ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान 138 ग्राम गांजा सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी पवन कुमार ने मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान जती के हनुमानजी मन्दिर के पास सोरसन रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा जो पुलिस की गाड़ी को देखकर भागने लगा। जिस पर संदेह होने पर मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने उसको रोका और उससे पूछताछ की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान संदेह होने पर व्यक्ति को डिटेन कर तलाशी ली गई तो एक काले रंग की प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ 138 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस टीम ने मौके पर कार्यवाही करते हुए थाना सांगोद के नावघाट मोहल्ला सांगोद निवासी अंकित उर्फ सागर गौतम (36) को गिरफ्तार किया।

सादुलपुर में बस स्टैंड पर बस के शीशे तोड़े, रंगदारी मांगने का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर बस स्टैंड पर बस संचालन को लेकर दो आरोपियों द्वारा बस कंडक्टर और ड्राइवर पर कथित हमला कर बस चलाने की एवज में 50 हजार रुपए रंगदारी मांगने के आरोप का मामला सामने आया है। थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि इकबाल पुत्र सराजू मिरासी निवासी सुरतपुरा ने थाना राजगढ़ में रिपोर्ट दी है कि वह बस कंडक्टर है और सादुलपुर से भादरा रूट पर कंडक्टरी करता है।

इकबाल ने बताया कि 28 अक्टूबर को सुबह 7 बजे वह जहां भादरा की बस लगती है अपनी बस लेकर सादुलपुर बस स्टैंड पर खड़ा था और बस ड्राइवर रमेश पुत्र दीपचंद मेघवाल निवासी ढाणा के साथ बस में सवारियां बैठा रहा था। बताया कि तभी मंदीप स्वामी पुत्र मेवा सिंह निवासी गागड़वास और विजेन्द्र उर्फ गोलू जाखड़ निवासी लुटाणा पूर्ण क्रेटा गाड़ी लेकर आए तथा आते ही उसे व बस ड्राइवर को धक्का देकर बस से नीचे उतार दिया। आरोप है कि उसके बाद दोनों ने लोहे की रॉड और सरिये से बस के शीशे तोड़ दिए। विरोध करने पर दोनों ने कंडक्टर और ड्राइवर के साथ थप्पड़-मुक्कों से मारपीट की और गाली-गलौच की। कंडक्टर की जेब में बस मालिक द्वारा बस में तेल डालने के लिए दिए 10 हजार रुपये दोनों ने निकाल लिए। मंदीप स्वामी बस का म्यूजिक सिस्टम भी उतार ले गया और विजेन्द्र जाखड़ ने जबरदस्ती रुपये छीन लिए।

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि उक्त आरोपी पिछले डेढ़ महीने से बस के आगे अपनी दूसरी बस लगाकर बस चलाने की एवज में 50,000 रुपये महीना मांग रहे हैं। नहीं देने पर बस बंद करने और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण दर्ज किया।

छात्र से मारपीट

कोटा, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय परिसर में क्रिकेट खेलने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि कुछ छात्रों ने क्रिकेट खेलने को लेकर हुए झगड़े में एक छात्र के साथ मारपीट कर दी। मारपीट में घायल नाबालिग छात्र को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। मारपीट में घायल छात्र की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया एवं मामले की जांच की जा रही है। नयापुरा थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय में क्रिकेट खेलने से रोकने के विवाद को लेकर कुछ छात्रों ने एक छात्र के साथ मारपीट कर दी, मारपीट में घायल छात्र की रिपोर्ट पर मारपीट करने वाले छात्रों के विरुद्ध मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बुजुर्ग महिला कमला कांकरिया की हत्या की जांच शुरु

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के पॉश इलाके सुभाष नगर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया था। बुजुर्ग महिला कमला कांकरिया की बेरहमी से हत्या करने के बाद आरोपियों ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। हत्यारों ने पहचान मिटाने की नीयत से शव को घर की छत पर ही जला दिया और बाद में उसके अवशेषों को पास ही बहती कोठारी नदी में फेंक दिया था।

> ■ कमला कांकरिया की हत्या करने के बाद आरोपियों ने शव को घर की छत पर ही जला दिया और बाद में अवशेषों को कोठारी नदी में फेंक दिया था

पुलिस और एफएसएलटीम ने मौके से सबूत जुटाये।

घटना की सूचना मिलते ही सुभाष नगर थाना पुलिस और जिला पुलिस के आला अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। जांच के सिलसिले में पुलिस टीम संदेही रवि तापड़िया के मकान पर पहुंची, जहां पुलिस ने पूरे घर को सील कर छानबीन शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स को भी मौके पर बुलाया गया है। एफएसएल टीम घटना स्थल, मकान की छत और संदिग्ध जगहों से बारीकी से साक्ष्य जुटा रही है। जांच में सामने आए शुरुआती तथ्यों ने पुलिस को भी हैरान कर दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने कमला कांकरिया की हत्या करने और शव को छत पर जलाने के बाद बेखौफ होकर उसी घटनास्थल पर शराब की पार्टी की। वारदात के स्थान से पुलिस को शराब की बोतलें और अन्य सामान मिलने की सूचना है, जिससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि आरोपी वारदात के बाद काफी देर तक वहीं मौजूद थे। पुलिस की अलग-अलग टीमें अब कोठारी नदी के तटीय इलाकों में बुजुर्ग महिला के अवशेषों और राख की तलाश में जुटी हुई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला बेहद संगीन है। पुलिस हर एक पहलू पर गहनता से जांच कर रही है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही इस पूरी वारदात का पर्दाफाश किया जाएगा। इस खौफनाक हत्याकांड के बाद से ही सुभाष नगर सहित पूरे भीलवाड़ा शहर में दहशत का माहौल है। नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं और आरोपियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग कर रहे हैं।

मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले युवक के खाते में एक लाख करोड़ रु. आये

समीर खान ने बताया कि उसकी सैलरी मात्र 10 हजार रुपए है, इतनी बड़ा अमाउंट ट्रांसफर होने से वो हैरान है

सीकर, (निसं)। सीकर में मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले समीर खान के बैंक अकाउंट में एक लाख करोड़ जमा हुए हैं। उसने बताया कि उसकी सैलरी मात्र 10 हजार रुपए है, इतनी बड़ा अमाउंट ट्रांसफर होने से वो हैरान है।

> ■ मामले को लेकर युवक समीर खान ने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दी है

जानकारी के अनुसार बुधवार को कोटक महिंद्रा बैंक की एप से रिचार्ज करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पैसे ही ट्रांसफर नहीं हो रहे थे। स्टेटमेंट चेक किया तो बैंक बैलेंस जीरो दिखा। पता चला कि उसके अकाउंट में एक लाख करोड़ ब्लॉक किए गए हैं। अब वो अपने 55 हजार रुपए भी नहीं निकाल पा रहा है। उसको बैंक बैलेंस जीरो शो हो रहा है। मामले को लेकर युवक ने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने बैंक में संपर्क करने को कहा।

सीकर शहर में सालासर बस स्टैंड पर स्थित निर्मल मेडिकल पॉइंट है। यहां देव गैस गोदाम के पास रहने वाला समीर खान (22) पिछले 10 महीने से काम कर रहा है। उसका कोटक बैंक में अकाउंट है। बुधवार 28 अक्टूबर सुबह तक उसके अकाउंट में 55 हजार रुपए थे। दोपहर में मोबाइल रिचार्ज करवाना था, इसलिए पेमेंट करने के लिए बैंक की एप को खोला। पिन डालने के बाद बैलेंस देखा तो जीरो मिला। एप पर नीचे अकाउंट से 1 लाख करोड़ ब्लॉक होना लिखा था। इसके बाद उसने दुकान मालिक धीरज शर्मा और बाकी स्टाफ को बताया। मालिक के साथ साइबर पुलिस थाने पहुंचा। पुलिसकर्मियों ने बैंक में कॉन्टेक्ट करने को बोला। अब बैंक में बातचीत करने पर ही हकीकत पता चल सकेगी। धीरज शर्मा ने बताया कि समीर उनके यहां जनवरी महीने से काम कर रहा है। उसे हर महीने 10 हजार रुपए सैलरी देते हैं। आज जब उसने 1 लाख करोड़ लीन के बारे में बताया तो उनके खुद के होश उड़ गए, क्योंकि इतने अमाउंट का ब्लॉक होना आज तक नहीं सुना। साइबर पुलिस का कहना है कि यह बैंक का कोई टेक्निकल ग्लीच (गड़बड़ी) हो सकता है।

विदेशी नागरिकों की जानकारी छिपाना भारी पड़ा

उदयपुर, (निसं)। विदेशी पंजीकरण अधिकारी सीआईडी विंग जोन उदयपुर की टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वाले होटल संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में उदयपुर के होटल के संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। होटल प्रबंधन पर विदेशी पर्यटकों के ठहरने की अनिवार्य सूचना (फार्म 3/सी फार्म) पुलिस और संबंधित विभाग को न देने का आरोप है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं विदेशी पंजीकरण अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक अनीता शर्मा और उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार की टीम को एक मुखबिर से खास सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 19 अक्टूबर को होटल पर औचक छापा मारा। चेकिंग के दौरान होटल में थाईलैंड मूल की 3 महिलाएं सुफाओवाडी बुनयोंग, साईचोन सासुक, जंजीरा वोंगहाकायप ठहरी पाई गईं। जब पुलिस टीम ने इन तीनों विदेशी महिलाओं के वीजा और पासपोर्ट दस्तावेजों की जांच की, तो सामने आया कि वे भारत में अपनी तय समय-सीमा से अधिक समय से रह रही थीं। इसके बाद पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए तीनों महिलाओं को पूछताछ के बाद नारी निकेतन भेज दिया है, और अब उन्हें उनके देश वापस भेजने की कानूनी प्रक्रिया चल रही है। इस कार्रवाई के बाद विदेशी पंजीकरण अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह ने उदयपुर शहर के सभी होटल, विला और रिसॉर्ट संचालकों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं।

तीये की बैठक

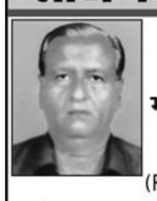

हमारे पूजनीय पिताजी **गोपाललाल जी कुमावत** (Rtd. JVVNL) का स्वर्गवास 27/10/2026 को हो गया है।

शोकाकुल- श्रीमती कमला (धर्मपत्नी), जगदीश- पुष्पा, प्रकाश- विनीता, गणेश- मीरा (पुत्र-पुत्रवधू), तारा- भागचंदजी, स्व. बीना- प्रमोदजी, बिमला- स्व. शैलेंद्रजी, मंजू- रमेशजी, (पुत्री-दामाद), संजय, अमित, गौरव, चित्रांश, भावेश (पौत्र), मोना- ऋषिराजजी, भाविका (पौत्री-दामाद) एवं समस्त राजोरीया परिवार

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय **श्री सीताराम सीमावत** पुत्र स्व.श्री प्रभात सीमावत का स्वर्गवास 26.10.2026 को हो गया है।

शोकाकुल- बसंती देवी (धर्मपत्नी), जगदीश, गजानंद, शंकर (चाचा), शंकर, कालू, प्रकाश, गुड्डु (भ्राता), दयाशंकर, हितेश, नितेश, गोलू (पुत्र), पूजा-अजयजी (पुत्री-दामाद), अर्श (दोहिता) एवं समस्त सीमावत परिवार (भानपुर कलाँ वाले)

खोया पाया

I, Mani Bala Tanwar C/o Ramesh Lal Tanwar have Lost Property documents missed of address 38/250 Rajat Path Mansarovar 302020 Conveyance deed Allottee, Perpetual lease, No-dues certificate (Letter no.4862, Date- 29/03/1997) Office letter (Sr no. 4633, Date 09/12/1991) Anywhere.if Found Anyone Pl. Contact-8769769765

आम सूचना सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मे रामेश्वर प्रसाद वर्मा के नाम प्लाट नं.36 दुकान न.03 केसर कुंज निमेड़ा जयपुर में है। जो प्लॉट 100 दुकान 56 वर्गगज का है जिसके मूल दस्तावेज हम से खो गये है जिसकी FIR LR No: 3321657/2026 Date: 22/10/2026 भी करवा दी गई। अगर किसी व्यक्ति को मिले तो मुझे सूचित करें अन्यथा मेरे द्वारा जारी करने वाली सोसाइटी राजहंस गृह निर्माण सहकारी समिति को डुप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया है सूचित रहे अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो मुझे या सोसाइटी को 7 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करे।

रामेश्वर प्रसाद वर्मा मो. 8505032616

आम सूचना सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी माताजी लाड़ा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री पप्पूलाल के नाम प्लाट नं.35, दुकान न.04 केसर कुंज निमेड़ा जयपुर में है। जो प्लॉट 100 दुकान 56 वर्गगज का है जिसके मूल दस्तावेज हम से खो गये है जिसकी FIR LR No: 3321645/2026 Date: 22/10/2026 भी करवा दी गई। अगर किसी व्यक्ति को मिले तो मुझे सूचित करें अन्यथा मेरे द्वारा जारी करने वाली सोसाइटी राजहंस गृह निर्माण सहकारी समिति को डुप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया है सूचित रहे अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो मुझे या सोसाइटी को 7 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें।

विजय वर्मा पुत्र लाडा देवी मो. 8505032616

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक :-4512 दिनांक :-28/10/2006

आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना सैक्टर-28 (एरिया 5000.00 वर्गमीटर,) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन गोल्डन इंडिया फाउण्डेशन को किया जाकर आंवटन पत्र क्रमांक 3888 दिनांक 21.11.2007 को स्वास्थ्य वर्धन केन्द्र के निर्माण हेतु जारी किया गया। जिसका भौतिक कब्जा गोल्डन इंडिया फाउण्डेशन द्वारा अधिकृत श्री मनीष आंचलिया पुत्र श्री एन.सी. आंचलिया को दिनांक 29.05.2008 को दिया गया। जिसका अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक क्र0ल010/ वसूली / सांगानेर/अदेय/1899/627 दिनांक 20.04.2010 को जारी किया गया। जिसके पंजीयन प्रपत्र गोल्डन इंडिया फाउण्डेशन द्वारा अधिकृत सचिव श्री मनीष आंचलिया पुत्र श्री एन.सी. आंचलिया को जारी कर पंजीयन प्रपत्र उप पंजीयक मुद्रांक जयपुर-द्वितीय में दिनांक 22.09.2010 को पंजीकृत करवाये गये। मण्डल द्वारा लीज मुक्ति प्रमाण पत्र क्रमांक 3143/2656 दिनांक 11.12.2012 को जारी किया गया।

श्री मनीष आंचलिया के द्वारा गोल्डन इंडिया फाउण्डेशन से गोल्डन इंडिया संस्थान पंजीयन क्रमांक 637/1998-99 दिनांक 02.02.1999 के आधार पर संशोधन करने हेतु निवेदन किया है। निदेशक (विधि) मुख्यालय जयपुर द्वारा नाम संशोधन हेतु समाचार पत्र में विज्ञिप्त प्रकाशन की राय दी गई है।

अतः गोल्डन इंडिया फाउण्डेशन से गोल्डन इंडिया संस्थान नाम संशोधन किये जाने पर किसी व्यक्ति/विशेष को आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल के द्वारा उपरोक्त संस्था का नाम संशोधन कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या सुमन पत्नी स्व श्री कुलजीत सिंह, आयु 63 वर्ष, निवासी प्लाट नंबर 353, द्वितीय मंजिल, देवी नगर, श्याम नगर, जयपुर, राज0 का पुत्र कुलप्रीत सिंह एवं रशमीत कौर ने मिलकर मेरी अभिभाष्या को गत काफी समय प्रताडित कर रखा है एवं कहने में नही है यहा तक की वह गैर जिम्मेवाराना जीवन यापन कर रहे है जिस कारण मेरी अभिभाष्या ने कुलप्रीत सिंह एवं रशमीत कौर से अपने समस्त पारिवारिक संबध समाप्त कर उन्हे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है कोई भी व्यक्ति कुलप्रीत सिंह एवं रशमीत कौर से किसी भी प्रकार का संव्यवहार या लेन देन करता है तो उन समस्त बावत वह स्वयं ही जिम्मेवार होगा।

जयपुर दिनांक

(अनिल कुमार महरिया) एडवोकेट मोबाईल नंबर 9351390532

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर नगर जोन) नगर निगम जयपुर

(अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाडी सर्किल, जयपुर)

क्रमांक:- एफ.55()वि. जोन/न.नि.ज./2026/2385

सार्वजनिक सूचना दिनांक: 28/10/2026

भूखण्ड सं. 50, स्कीम नं. 9 आर. के. नगर, झोटवाडा, जयपुर का ओम शिव गृह निर्माण सहकारी समिति लि. द्वारा श्रीमती गिनिया देवी केजडीवाल पत्नी श्री दीन दयाल केजडीवाल के पक्ष में क्षेत्रफल 350.00 वर्गगज भूमि का आवंटन पत्र मय साईट प्लान जारी किया गया था। ओम शिव गृह निर्माण सहकारी समिति लि. द्वारा उक्त भूखण्ड को दो बराबर भागों में विभाजित कर भू. सं. 50 बी, क्षेत्र. 175.00 वर्गगज कॉर्नर भाग श्री कालूराम पुत्र श्री मांगीलाल के नाम हस्तांतरित कर दिया गया। श्री कालूराम पुत्र श्री मांगीलाल ने जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 09.10.2024 को उक्त भूखण्ड श्री इमरान अहमद पुत्र श्री इकरामुद्दीन के विक्रय कर दिया गया है। श्री इमरान अहमद पुत्र श्री इकरामुद्दीन ने जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 08.06.2026 को भूखण्ड संख्या 50 बी (पश्चिमी भाग) क्षेत्र. 135.00 वर्गगज श्री मोहम्मद इलियास पुत्र श्री मो. याकूब एवं श्री मोहसिन मोहम्मद पुत्र श्री फजल मोहम्मद को विक्रय कर दिया गया। श्री मोहम्मद इलियास पुत्र श्री मो. याकूब एवं श्री मोहसिन मोहम्मद पुत्र श्री फजल मोहम्द द्वारा भूखण्ड सं. 50 बी (पश्चिमी भाग), स्कीम नं. 9 आर. के. नगर, झोटवाड़ा, जयपुर (ओमशिवगृहनिर्माण सहकारीसमिति गृह निर्माण सहकारी समिति लि.) क्षेत्रफल 135.00 वर्गगज का पट्टा विलेख चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के पट्टा विलेख बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पट्टा विलेख की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त विद्याधर नगर जोन नगर निगम जयपुर

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

शाहपुरा में महिलाओं ने करवा चौथ का व्रत रखा, पूजा की

शाहपुरा में महिलाओं के सुहाग का प्रतीक करवा चौथ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

- करवा माता की कहानी सुनी
- गार्डन वाली गली में महिलाओं ने विधि-विधान से की पूजा-अर्चना, पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना की

शाहपुरा। शहर में गुरुवार को महिलाओं का सुहाग का प्रतीक करवा चौथ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गार्डन वाली गली में महिलाओं ने करवा चौथ का व्रत रखा और सामूहिक रूप से करवा चौथ की कहानी सुनी। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की तथा करवा माता से अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। पर्व को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने एक साथ बैठकर धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया और करवा चौथ की कथा सुनकर व्रत की रस्में पूरी की। करवा चौथ का पर्व पति-पत्नी के प्रेम, विश्वास और आपसी समर्पण का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर महिलाओं ने पूरे श्रद्धाभाव से व्रत रखकर परिवार की मंगलकामना की। हलवाइयों की दुकानों पर भी शक्कर से बने हुए करवे की जमकर खरीदारी हुई। इसके अलावा बाजारों में भी महिलाओं की खरीदारी परवान पर रही। सुहागिन महिलाएं दिनभर सुहाग से संबंधित सामग्री खरीदने में लगी रही। इसके अलावा सुहागिनों के पति भी अपनी पत्नियों को उचित उपहार देने के लिए भी खरीदारी की। कई महिलाओं ने करवा चौथ के व्रत का उद्यापन किया। सुहागिन महिलाओं व पहली बार करवा चौथ मानने वाली महिलाओं में भी इस पर्व को लेकर काफी उत्साह रहा। महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखकर शिव-पार्वती, गणेश एवं करवा माता की पूजा की।

भरतपुर में चीनी से बने करवा, श्रृंगार सामान खरीददारों की भीड़ रही

भरतपुर (निसं)। माँ माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर संस्था में इस बार का करवा चौथ महोत्सव बड़े ही धूमधाम और भावुक माहौल में मनाया गया। आश्रम में रह रही 150 से अधिक प्रभुजन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए निर्जला व्रत रखकर पूजन किया। करवा चौथ का व्रत हिंदू धर्म में सुहागिनों का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है, लेकिन अपना घर आश्रम में इस व्रत की तस्वीर कुछ अलग ही थी। यहाँ व्रत रखने वाली वे महिलाएं हैं, जिन्हें उनके पतियों ने छोड़ दिया है, जो बीमार होने पर आश्रम में आ गईं, या जिनके पति को पता होने के बावजूद लेने नहीं आ रहे। कई महिलाओं के पति दूसरी शादी भी कर चुके हैं, इसके बावजूद आश्रम में रहने वाली ये महिलाएं आज भी पूरी श्रद्धा के साथ उनके लिए व्रत रख रही हैं, इस उम्मीद में कि शायद एक दिन वो उन्हें लेने जरूर आएंगे। मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी नविता दीक्षित ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि वह भोपाल में 4 साल तक कंप्यूटर टीचर रही हैं और अच्छी पढ़ी-लिखी हैं। टीचर की नौकरी छोड़ने के बाद ससुराल में पहले तो अच्छे से रखा, लेकिन बाद में ताने मारना शुरू कर दिया। उन पर एटीट्यूड में रहने का आरोप लगाया गया और जॉब करने के लिए कहा गया। जॉब ढूंढते-ढूंढते वह अपना घर आश्रम पहुंच गईं। उन्हें आश्रम में रहते हुए 9 साल हो गए हैं और इन 9 सालों में पति से कोई संपर्क नहीं हो पाया है, ससुराल वाले कोई पता भी नहीं बता रहे।

भरतपुर में महिलाओं ने पति की दीर्घायु सुखद जीवन के लिए निर्जला व्रत रहकर करवा चौथ पर्व परंपरागत तरीकें से मनाया।

संजय शर्मा की अनुशंसा पर अलवर शहर को मिलीं 2500 स्ट्रीट लाइट

अलवर । वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा की अनुशंसा पर अलवर शहर की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 2500 स्ट्रीट लाइट स्वीकृत की गई हैं। इस संबंध में राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग ने राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड को नगर निगम अलवर के लिए लाइटों की आपूर्ति करने के निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, नगर निगम अलवर को कुल 2500 स्ट्रीट लाइट उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें 45 वॉट की 2000 और 60 वॉट की 500 लाइटें शामिल हैं। संबंधित एजेंसी को निर्धारित संख्या के अनुसार लाइटों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं । स्ट्रीट लाइट उपलब्ध होने से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इससे सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर रोशनी बढ़ाने के साथ ही रात्रि के समय आमजन के आवागमन को सुविधाजनक बनाने में सहायता मिलेगी। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने अलवर शहर में आधारभूत सुविधाओं के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उनकी अनुशंसा पर स्वीकृत इन 2500 स्ट्रीट लाइट से शहर की प्रकाश व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

टीबी मुक्त भारत की दिलाई शपथ

टोंक। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल द्वारा स्काउट एवं गाइड के कैडेट्स को टीबी (क्षय रोग) की रोकथाम, लक्षण एवं उपचार को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हिमांशु मित्तल ने कहा कि टीबी एक संक्रामक लेकिन पूर्णतः साध्य बीमारी है। यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह या उससे अधिक समय से खांसी, हल्का बुखार, वजन घटना या बलगम में खून आने की शिकायत हो, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच करवानी चाहिए।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 765/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री चन्द्र प्रकाश शर्मा पुत्र श्री भैरू लाल शर्मा निवासी किशनपुरा उर्फ खातीपूरा, महापुरा, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत मंदिर रघुनाथ जी ट्रस्ट कार्यालय पता-ठाम किशनपुरा उर्फ खातिपुरा, कपूरावाला, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 14.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 21.12.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 761/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि आशुतोष झालानी पुत्र श्री गिरीश झालानी, निवासी एम-5 अक्षरा जीवन सिटी फेज-1 कादेडा चाकसू जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत माता बंगलामुखी शक्तिपीठ समिति, एम-5 अक्षरा जीवन सिटी फेज-1, कादेड़ा चाकसू, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 13.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 21.12.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. उपर्युक्त याचिकाकर्ता ने याचिका–1: 1x500 एमवीए, 400/220 केवी आईसीटी (चौथा) तथा हरियाणा स्थित 400/220 केवी हिसार (पीजी) उपकेंद्र में संबंधित बे सहित, "हरियाणा में 400/220 केवी हिसार (पीजी) उपकेंद्र में 1x500 एमवीए, 400/220 केवी आईसीटी (चौथा) के माध्यम से परिवर्तन क्षमता का संवर्धन" कार्य के लिए 2024–29 टैरिफ अवधि हेतु पारेषण टैरिफ के निर्धारण के संबंध में केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष याचिका दायर की है।
2. पारेषण प्रणाली के लाभार्थी निम्नलिखित हैं (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (घ) पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ङ) हरियाणा विद्युत क्रय केंद्र (च) जम्मू एवं कश्मीर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (छ) उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ज) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (झ) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (ञ) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (ट) चंडीगढ़ विद्युत विभाग (ठ) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ड) उत्तर मध्य रेलवे (ढ) नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (ण) हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (त) सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (थ) एचवीपीएनएल

विवरण	
वाणिज्यिक प्रचालन की निर्धारित तिथि	12.03.2026
वाणिज्यिक प्रचालन की वास्तविक तिथि	26.07.2026 (संपत्ति 1)
अनुमानित पूर्णता लागत (रुपये लाख में)	63.21 करोड़

3. 2024–29 टैरिफ अवधि के लिए टैरिफ का विवरण:

(रु. लाख में)

संपत्ति	2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
संपत्ति–1	-	-	639.89	1046.32	1082.24

4. टैरिफ निर्धारण हेतु दायर याचिका की एक प्रति वेबसाइट www.powergrid.in पर उपलब्ध कराई गई है।
5. याचिका में निहित टैरिफ निर्धारण के प्रस्तावों के संबंध में कोई भी व्यक्ति, जिसमें लाभार्थी भी शामिल हैं, यदि कोई सुझाव या आपत्ति हो, तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर आयोग के ई–फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। इसकी एक प्रति याचिकाकर्ता को भी भेजी जानी चाहिए।

स्थान: गुरूग्राम
दिनांक: 23.10.2026

वरिष्ठ महाप्रबंधक (वाणिज्यिक–सीसी)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
कॉर्पोरेट कार्यालयः सौदामिनी, प्लॉट नं.2, सैक्टर–29, गरूग्राम, हरियाणा – 122001
पंजीकृत कार्यालयः बी–9, कुतब इन्स्टिट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली 110 016

एक महारत्न पीएसयू

PG/CC/Notice-66/Advt-86/2026-27/Expression

चिकित्सा शिविर

चाकसू। राजस्थान महाविद्यालय चाकसू में नशा मुक्त भारत अभियान के एवं महिला नीति के सयुंक्त तत्वाधान में चिकित्सा शिविर लगाया गया। राजकीय चिकित्सालय चाकसू के डॉ. ऋतुराज मीणा द्वारा स्वस्थ जीवन शैली मोबाइल के दुस्प्रभाव पर विशद व्याख्यान दिया गया ।

अलवर की 185 ग्राम पंचायतों में आज मतदान

अलवर । पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के द्वितीय चरण के तहत अलवर जिले की पांच पंचायत समितियों की 185 ग्राम पंचायतों में 30 अक्टूबर को सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए मतदान होगा। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी। उप सरपंच का चुनाव 31 अक्टूबर को कराया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि द्वितीय चरण में 185 सरपंच और 1767 वार्ड पंच पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा पुलिस कार्मिकों को भी तैनात किया गया है।उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में नियोजित अधिकारियों और कर्मचारियों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। चुनाव को प्रभावित करने से संबंधित किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने को कहा गया है ।

द्वितीय चरण में उमरैण पंचायत समिति की 38 ठााम पंचायतों में 38 सरपंच और 368 वार्ड पंच, मालाखेड़ा की 39 ठााम पंचायतों में 39 सरपंच और 387 वार्ड पंच, लक्ष्मणगढ़ की 30 ठााम पंचायतों में 30 सरपंच और 288 वार्ड पंच, राजगढ़ की 41 ठााम पंचायतों में 41 सरपंच और 393 वार्ड पंच तथा थानागाजी की 37 ठााम पंचायतों में 37 सरपंच और 331 वार्ड पंच पदों के लिए मतदान होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, द्वितीय चरण में कुल 5,77,518 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें उमरैण पंचायत समिति के 1,34,118, मालाखेड़ा के 1,26,211, लक्ष्मणगढ़ के 89,702, राजगढ़ के 1,25,086 और थानागाजी के 1,02,401 मतदाता शामिल हैं। मतदान के बाद ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे।

अभियान में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

टोंक। त्योहारी सीजन में आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान शुद्ध आहार मिलावट पर वार के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन निरीक्षण कर खाद्य सामग्री के नमूने लिये गये है ।

इस अभियान के तहत पचाला स्थित कमलेश्वर मिष्ठान भंडार से मावा का नमूना लिया गया एवं शेष बचे लगभग 100 किलो मावा बदबूदार खराब स्थिति में पाए जाने पर मौके पर नष्ट किया गया।

इसी प्रकर अन्य टीम ने पचाला स्थित किराना स्टोर से सूजी श्री पावन का नमूना एवं घनश्याम किराना स्टोर से धनिया पाउडर लहर ब्रांड का नमूना लिया गया है। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

पत्र सं–WB-74-W-O/Works/NIT/X
दिनांकः 27.10.2026
ई–निविदा आमंत्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है– **ई–निविदा सूचना सं0 174 of 2026–27, कार्य का नाम व स्थानः** Provision of Boundary wall to prevent Encroachment & trespassing in the section of ADEN-Line-II/JU Section in the jurisdiction of Sr. DEN/Central of Jodhpur Division. **अनुमानित लागतः** ₹ 13925075.06, **बयाने की राशिः** ₹ 278500.00; **ई–निविदा सूचना सं0 175 of 2026–27, कार्य का नाम व स्थानः** Upgradation/Augmentation infrastructure, enhancement of Satellite Track Machine depot Basni Jodhpur including other staff amenities. **अनुमानित लागतः** ₹ 21865148.21; **बयाने की राशिः** ₹ 437300.00; निविदा सूचना संख्या **174 of 2026–27** निविदा प्रस्तुत करने की तिथि **17.11.2026** एवं **175 of 2026–27** निविदा प्रस्तुत करने की तिथि **26.11.2026** को **15:00 बजे** तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती है – **www.ireps.gov.in** **1558-PH/26**

हमें /NWRailways @NWRailways_ पर फॉलो करें

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. CMNC 4/26
D.No 481/ 17-10-2026

विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र

प्रार्थीया- नाम गहका @ गीता देवी पत्नी स्व. खैरूलाल जाति- मीणा निवासी- चावण्डिया माल की ढाणी, तहसील आंधी जिला जयपुर पिन 303301
मृतक- खैरूलाल मीणा की सम्पत्ति के विषय मे

पेशी दिनांक ....

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थीया/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम खैरू लाल मीणा पुत्र बद्रीनारायण मीणा जाति– मीणा, निवासी– चावण्डिया माल की ढाणी का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र, प्रोबेट लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्रदान किया जाये।

अतः उक्त प्रार्थना–पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 26.11.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण पत्र सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 17.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर न्यायालय

रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायालय
बस्सी, जयपुर महानगर प्रथम

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 नियम 1 और 5, दीवानी प्रक्रिया संहिता, 1908)
वाद पत्र क्रमांक / 2026 82/2026
न्यायालय श्रीमान् उपखण्ड अधिकारी कुचामन सिटी।

कैलाश चन्द बनाम अर्जुनराम वगै.

प्रेषित बनाम - अर्जुनराम पुत्र बोदूराम, ओमप्रकाश, घनश्याम, पुत्रान अन्नाराम, गणेश पुत्र नारायण, राधा पत्नी नारायण, मोहनराम, रामेश्वर, श्योकरण, पुत्रान पूसाराम, रामेश्वर, सोहनलाल पुत्रान धन्नाराम सभी जाति मेघवंशी निवासीयान ग्राम हनुमानपुरा-सरगोठ तहसील कुचामन सिटी जिला डीडवाना कुचामन राज., प्रकाश चन्द मोहनपुरिया पुत्र श्री रूड़ाराम जाति रेगर कुचमान सिटी तहसील कुचामन सिटी जिला डीडवाना-कुचामन (राज)

वादी ने आपके विरुद्ध 53, व 188 R.T. Act का एक वाद इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में पंजीबद्ध कर लिया गया है और इस वाद में किये गए दावे का उत्तर देने के लिये आपकी इस न्यायालय द्वारा दिनांक 04/11/2026 की पेशी नियत की गई है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बतायी गयी तारिख पेशी पर न्यायालय में उप-संजात नहीं होते हैं तो वाद की सुनवाई व उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा । यह नोटिस मेरे हस्ताक्षर / मेरे निर्देशानुसार व न्यायालय की मुहर से आज दिनांक 23/10/2026 को जारी किया गया।

- आदेशानुसार
रीडर, उपखण्ड अधिकारी
कुचामन सिटी (डीडवाना-कुचामन न्यायाधीश

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद् कुचामन सिटी

Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com

फोन नं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :– न.प.कु. / 2026–27 / 4909 दिनांक :– 28.10.2026

लोक सूचना

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर–कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :–

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्रीमती कमला देवी पत्नी चेना राम जाति जाट, श्रीमती गंगा देवी पत्नी भोलू राम जाति जाट	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना–कुचामन	कुचामन सिटी	4300/2630 4310/2630	0.2556 Hq. 0.1618 Hq.
2.	श्री भंवर लाल कुमावत पुत्र रतनलाल जाति कुमावत	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना–कुचामन	पनवाड़ी	683/158	0.4664 Hq.
3.	श्री दिव्यक पुत्र दिनेश रणवां जाति जाट, श्री मनोज कुमार पुत्र जोरा राम जाति जाट, श्री महेन्द्र सिंह चौधरी पुत्र भोपाल राम जाति जाट	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना–कुचामन	पनवाड़ी	684/158	1.1136 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90–क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर–भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर–भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 28.10.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगरपरिषद् कुचामन सिटी

मतदान दिवस पर निर्वाचन क्षेत्रों में रहेगा सार्वजनिक अवकाश

टोंक। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 के तहत जिले में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य तथा पंच सरपंच पदों के निर्धारित मतदान तिथियों पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित सरकारी एवं अर्द्धसरकारी कार्योलयों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार टोंक जिले में दो चरणों में मतदान की तिथियां निर्धारित की गई है। तृतीय चरण (पंचायत समिति देवली, उनियारा, पीपलू, पचेवर एवं मालपुरा आंशिक) में 3 नवम्बर को जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए एवं 5 नवम्बर को पंच सरपंच पदों के लिए मतदान होगा। उन्होंने बताया कि चतुर्थ चरण (पंचायत समिति टोंक, निवाई, टोडारायसिंह एवं मालपुरा आंशिक) में 14 नवम्बर को जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए एवं 16 नवम्बर को पंच सरपंच पदों के लिए मतदान होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार जिले में दो चरणों में मतदान की तिथियां निर्धारित की गई है।

मोदी-भजन लाल के गांव विकास के विजन को आगे बढ़ाएं : रामहेत

भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में पूर्व विधायक रामहेत यादव का गांव गांव दौरा

किशनगढ़। बास।जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य चुनाव का सियासी पारा पूरी तरह चढ़ चुका है और नवगठित जिला खैरथल-तिजारा में पहली बार जिला प्रमुख और पंचायत समिति कोटकासिम व किशनगढ़ बास में प्रधान भाजपा का बनाने के लिए पूर्व विधायक रामहेत यादव गांव की चौपालों और ढाणियों में जाकर भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट की अपील कर रहे। पूर्व विधायक यादव के पहुंचने पर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पूर्व विधायक यादव के साथ किशनगढ़ बास, कोटकासिम और खैरथल नगर परिषद सभापति व नगर पालिका चेयरमैन सहित संगठन के पदाधिकारियों ने प्रचार का मोर्चा संभाला है।

पूर्व विधायक रामहेत यादव ने किशनगढ़ बास क्षेत्र के गांव की चौपाल पर वोट की अपील की।

गुरुवार को पूर्व विधायक रामहेत यादव ने सघन दौरा कर गांव तरवाला,बसईकला, मीरका, टोहरी, साथलका, सेवखेडा, अलमदीका, बघेरी कला सहित दो दर्जन से अधिक गांवों में भाजपा के पंचायत समिति सदस्य (एमपीएस) और जिला परिषद सदस्य (जेडपीएस) उम्मीदवारों के पक्ष में सभा की ओर वोट मांगे।प्रचार के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर पूर्व विधायक यादव कह रहे हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत 2047 का संकल्प गांव से ही शुरू होता है। अगर भारत को विकसित बनाना है तो सबसे पहले गांव को विकसित बनाना होगा, और गांव को विकसित करने के लिए गांव की सरकार यानी पंचायत समिति और जिला परिषद को मजबूत बनाना होगा। इसी मंत्र के साथ पूर्व विधायक गांव-गांव में मतदाताओं से अपील कर रहे कि वे जात-पात से ऊपर उठकर विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लिए भाजपा को वोट दें।

उन्होंने कहा कि गांव के विकास की सबसे मजबूत कडी जिला परिषद और पंचायत समिति ही है। दिल्ली से मोदी जी और जयपुर से भजनलाल सरकार जो बजट भेजती है।

वह सीधा जिला परिषद और पंचायत समिति के माध्यम से ही गांव में आता है। केंद्र में और राज्य में

- समर्थन में उमड़ रही है लोगों की भीड़

भाजपा की डबल इंजन सरकार है। अब जरूरत है कि तीसरा इंजन गांव में भी भाजपा का लगे, तभी ट्रिपल इंजन सरकार गांव में तेज गति से विकास कर पाएगी। पूर्व विधायक ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की असली आत्मा आत्मनिर्भर गांव में बसती है।

उन्होंने अलवर सांसद व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के गांव विकास के विजन का जिक्र करते हुए कहा कि भूपेंद्र यादव का सपना है कि खैरथल-तिजारा जिले का हर गांव विकसित, आत्मनिर्भर और सुविधाओं से लैस हो। वह चाहते हैं। कि हमारे गांव का पानी बचे, हमारे गांव का युवा सशक्त बने, हमारे गांव का किसान समृद्ध बने। पर्यावरण संतुलन के साथ औद्योगिक विकास हो, गांव की सडकें शहरों जैसी हों, हर घर में शुद्ध जल पहुंचे।

सार-समाचार

रजनी कुमावत ने सरपंच पद का कार्यभार संभाला

फुलेरा। ग्राम पंचायत काचरोदा की नवनिर्वाचित सरपंच रजनी पवन कुमावत ने बुधवार को 15 वार्ड पंचों की उपस्थिति में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने पंचायत समिति सांभरलेक क्षेत्र में सर्वाधिक 776 मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। इस अवसर पर निवर्तमान सरपंच पुष्पा देवी ने पंचायत के कार्यों का पूरा ब्योरा सौंपते हुए आगामी पांच वर्षों के लिए कार्यभार हस्तांतरित किया। समारोह में पदम कुमार बनजारा वार्ड पंच विजय कुमावत, रूपेश कुमावत, हीरालाल कुमावत, ललित मलिंडा, , आशा कुमावत, नीलम बलाई, सुशीला देवी, मोहनी देवी और मुकुल वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों का शैक्षिणक भ्रमण

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राहोली के विद्यार्थियों ने पीएम श्री योजना के तहत ग्रीन फील्ड विजिट गतिविधि के अंतर्गत केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर मालपुरा का शैक्षिणक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने संस्थान की विभिन्न इकाइयों का अवलोकन कर वैज्ञानिक गतिविधियों एवं पशुपालन से जुड़ी जानकारियां प्राप्त कीं। प्रधानाचार्य ममता भंडारी ने बताया कि भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रजातियों के पेड़-पौधों, नर्सरी, प्राकृतिक वनस्पति, अविशान भेड़ केंद्र और वस्त्र निर्माण कला सहित संस्थान की अन्य इकाइयों का अवलोकन किया। संस्थान के भ्रमण इकाई प्रभारी राजेश विश्नोई ने विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ का स्वागत किया। भ्रमण दल ने ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल डिग्गी कल्याणजी के मंदिर में दर्शन किए। साथ ही डिग्गी नगर पालिका का भी भ्रमण किया। इस शैक्षिणक यात्रा से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।

अवैध देशी शराब के 54 पव्वों के साथ आरोपी गिरफ्तार

निवाई। निवाई सदर थाना पुलिस ने अवैध शराब के 54 पव्वों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सदर थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि अवैध नशे के कारोबार पर लगाम लगाने व आरोपियों की धरपकड़ अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक रोशन सिंह मीणा के आदेशों पर पुलिस ने अवैध शराब रखने के आरोप में श्योजी सांसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से अवैध देशी शराब के 54 पव्वे जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एक्साइज एक्ट में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पंच व सरपंच के आज चुनाव

कोटपूतली। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत द्वितीय चरण में जिले की पंचायत समिति कोटपूतली, पावटा, नारायणपुर और बानसूर में 30 अक्टूबर शुकवार को प्रातः 7 से सायं 6 बजे तक पंच एवं सरपंचों के लिए मतदान होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने निर्वाचन क्षेत्र के सभी पात्र मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता का एक-एक वोट लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए सभी मतदाता बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें । जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष रूप से युवा मतदाताओं से पहली बार मतदान के अवसर को लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के रूप में निभाने तथा सभी मतदाताओं से अपने परिवार, पड़ोसियों एवं परिचितों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने मतदाताओं से निर्धारित समय पर मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान करने तथा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने की अपील की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जिले में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

ग्राम पंचायत बाड़ीजोड़ी में सरपंच का चुनाव आज

शाहपुरा । बाड़ीजोड़ी ग्राम पंचायत में सरपंच पद की प्रत्याशी सोनम सैनी के समर्थन में उनके ससुर एवं समाजसेवी बाबूलाल सैनी ने गुरुवार को लगातार घर-घर जाकर जनसंपर्क किया। सैनी ने ग्रामीणों से मुलाकात कर अपनी पुत्रवधू सोनम सैनी के पक्ष में मतदान करने और उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। जनसंपर्क अभियान के दौरान बाबूलाल सैनी ने ग्रामीणों से संवाद कर उनका सहयोग और समर्थन मांगा। वे गांव के विकास और पंचायत के उज्ज्वल भविष्य को लेकर ग्रामीणों से चर्चा करते हुए अधिक से अधिक लोगों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी निभाने तथा अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया। बाड़ीजोड़ी ग्राम पंचायत में सोनम सैनी के समर्थन में दिनभर जनसंपर्क किया। वहीं समर्थकों ने भी ग्रामीणों के बीच पहुंचकर मतदाताओं से संपर्क किया और चुनाव में विजयी बनाने एवं समर्थन देने की अपील की। सरपंच प्रत्याशी सोनम सैनी ने कहा कि बाड़ीजोड़ी के विकास समृद्धि और खुशहाली के लिए चुनाव चिह्न महिला पर्स क्रमांक संख्या 9 पर अपना वोट देकर विजयी बनाये।

मतदान केंद्रों पर रही हलचल

पावटा। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य चुनाव के तहत बुधवार को पावटा पंचायत समिति के 19 वार्डो के लिए पंचायत समिति सदस्यो का द्वितीय चरण का मतदान संपन्न हुआ। मतदान को लेकर सुबह से ही मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं ने पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लोकतंत्र के इस महापर्व में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने भागीदारी निभाते हुए अपनी पसंद के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान किया। मतदान के दौरान 7.15 बजे से 1 बजे तक 15.01 प्रतिशत, 1 बजे से 3 बजे तक 51.10 प्रतिशत, 3 बजे से 6 तक 69.88 प्रतिशत कुल 88538 मतदाओं में 61867 मतदाताओं ने अपने मत का उपयोग किया। चुनाव को लेकर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में भी खासा उत्साह नजर आया। इस दौरान सभी की निगाहें मतदाताओं के रुझान और मतदान प्रतिशत पर टिकी रहीं। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य बनने के लिए चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों का राजनीतिक भविष्य अब मतपेटियों में बंद हो गया है। द्वितीय चरण के मतदान के साथ ही प्रत्याशियों की धड़कनें तेज हो गई हैं। अब सभी को मतगणना और चुनाव परिणाम का इंतजार है। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि क्षेत्र की जनता ने किस प्रत्याशी पर अपना भरोसा जताया है।

चतुर्भुज तालाब में पानी की आवक बाधित होने की आशंका पर ज्ञापन दिया

टोंक। शहर के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के चतुर्भुज तालाब में वर्षा जल की आवक बाधित होने की समस्या को लेकर समाजसेवियों ने वन विभाग के एसीएफ अनुराग महर्षि को ज्ञापन सौंपकर निर्माणाधीन एनीकट का स्थान बदलने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि चतुर्भुज तालाब की ऊपरी दिशा में स्थित वन क्षेत्र में वन विभाग द्वारा जिस स्थान पर एनीकट का निर्माण करवाया जा रहा है, वहां से वर्षा का पानी प्राकृतिक रूप से चतुर्भुज तालाब में पहुंचता है। ऐसे में उसी जलमार्ग पर एनीकट का निर्माण होने से तालाब में पानी की आवक प्रभावित होगी और जल संरक्षण का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाएगा।

अलवर में अवैध पटाखों के भंडारण पर पुलिस की कार्रवाई

- आटे वाली गली में दबिश देकर पटाखे किए जब्त, कोतवाली थाना पुलिस कर रही मामले की जांच
- दीपावली पर पटाखा बिक्री में सुरक्षा नियमों का पालन करना जरूरी है।

अलवर। दीपावली के दौरान अवैध पटाखों के भंडारण और कारोबार के खिलाफ कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी ऋषि कुमार निवासी आटे वाली गली के कब्जे से पटाखे बरामद कर जब्त किए हैं। कोतवाली थाना प्रभारी दिनेश चंद्र के अनुसार, बुधवार शाम पुलिस टीम शहर में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि आटे वाली गली में एक युवक पटाखों का भंडारण कर उनका कारोबार कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। इस दौरान ऋषि कुमार के कब्जे से पटाखे बरामद हुए। पुलिस ने पटाखों को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। साथ ही पटाखों के भंडारण के उद्देश्य और कारोबार से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।दीपावली के दौरान पटाखों के भंडारण और बिक्री में सुरक्षा नियमों का पालन करना जरूरी है। पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध पटाखों के भंडारण और कारोबार पर अंकुश लगाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

भरतपुर में पंचायत चुनाव में पुलिस अलर्ट, एसपी ने दिए सख्त निर्देश

- संवेदनशील बूथों और हिस्ट्रीशीटरों पर रहेगी विशेष निगरानी

भरतपुर (निसं)। पंचायत आम चुनाव-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए भरतपुर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर चुनावी तैयारियों और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनाव ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता और निष्पक्षता बरती जाए तथा किसी भी तरह की लापरवाही नहीं हो। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, वृत्ताधिकारी और जिले के सभी थानाधिकारी शामिल हुए। एसपी ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र की चुनावी परिस्थितियों का आकलन कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने और समय पर उसे लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पहले से सतर्क रहे, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना को रोका जा सके। एसपी राजेश कुमार मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि चुनाव ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मी किसी भी प्रत्याशी या राजनीतिक पक्ष का आतिथ्य स्वीकार नहीं करें। पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी पूरी निष्पक्षता, अनुशासन और मुस्तैदी के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस का आचरण ऐसा होना चाहिए, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता बनी रहे और किसी भी राजनीतिक पक्ष के प्रति पक्षपात का संदेश नहीं जाए। पंचायत चुनाव के मद्देनजर संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों तथा क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को अपने क्षेत्र में शांति व्यवस्था की लगातार निगरानी रखने और किसी भी संभावित विवाद या तनाव की स्थिति को समय रहते नियंत्रित करने के लिए कहा गया है । एसपी ने चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों, हिस्ट्रीशीटरों और उपद्रवियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को डराने-धमकाने, दबाव बनाने, मतदान को प्रभावित करने या चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने के किसी भी प्रयास को गंभीरता से लिया जाए। ऐसे मामलों में नियमानुसार तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाए। बैठक में सभी थानाधिकारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस जाब्ता तैनात करने के साथ प्रभावी गश्त और नाकाबंदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। चुनाव से संबंधित सूचनाओं का समय पर संकलन और सत्यापन करने तथा किसी भी अप्रिय घटना की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया। महत्वपूर्ण घटनाक्रमों की जानकारी उच्चाधिकारियों को तुरंत देने के भी निर्देश दिए गए।

सेना के हवलदार विक्रम जाट का निधन

पावटा। देश की रक्षा में तैनात विराटनगर के बुर्जा की ढाणी निवासी भारतीय सेना के हवलदार विक्रम सिंह जाट (38) का ड्यूटी के दौरान अचानक सीने में दर्द उठने के बाद उपचार के दौरान निधन हो गया। गुरुवार सुबह उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर पावटा पहुंचा। यहां से तिरंगा यात्रा के साथ पार्थिव शरीर को पैतृक गांव ले जाया गया, जहां उनके पुत्र व पुत्री ने उनको कंधा दिया व उसके बाद सैन्य सम्मान और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनके पुत्र नीरज द्वारा मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया गया। वीर जवान को अंतिम विदाई देने के लिए विधायक कुलदीप धनकड, अनिल चोपड़ा, जगन चौधरी, सुरेश गिठाला, जगदीश यादव, शिवपाल राठी, कैलाश ताखर, महेश लम्बोरा, मेहर सिंह धनकड, महेश यादव, राजा राव, डॉ अशोक बाज्या सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। जवान के असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और हर आंख नम हो गई। हवलदार विक्रम सिंह जाट पुत्र सरदारमल जाट 1 फरवरी 2010 को भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। करीब 16 वर्षों तक उन्होंने सेना में सेवाएं देते हुए देश की रक्षा में योगदान दिया। वर्तमान में वे जम्मू-कश्मीर के राजौरी-पुंछ क्षेत्र में तैनात थे। 27 अक्टूबर को ड्यूटी के दौरान अचानक उनके सीने में दर्द उठा। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए उधमपुर स्थित कमांड अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में शोक छा गया। परिजनों के अनुसार, विक्रम जाट इसी वर्ष 22 अगस्त से 20 सितंबर तक एक महीने की छुट्टी लेकर घर आए थे। इस दौरान उन्होंने परिवार के साथ समय बिताया। बताया गया कि वे अपनी बेटी अश्का के लेफ्टिनेंट एनडीए में चयन की प्रक्रिया के सिलसिले में भी घर आए थे। छुट्टी पूरी होने के बाद वे वापस ड्यूटी पर लौट गए। परिवार को उम्मीद थी कि वे जल्द ही फिर घर आएंगे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। देश सेवा में समर्पित जवान के इस तरह चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। विक्रम जाट के परिवार में माता तीजा देवी, पिता सरदारमल जाट, पत्नी मीना देवी, पुत्र नीरज और पुत्री अश्का हैं। उनके पिता किसान हैं, जबकि माता गृहिणी हैं।

महिला सफाई कर्मचारियों को आधे दिन का अवकाश

फुलेरा। करवा चौथ के अवसर पर फुलेरा नगरपालिका अध्यक्ष राजू दाधीच एवं पालिका बोर्ड की ओर से महिला सफाई कर्मचारियों तथा मनरेगा महिला श्रमिकों को आधे दिन का अवकाश प्रदान किया । इस पहल का उद्देश्य महिला श्रमिकों को पर्व मनाने के लिए समय उपलब्ध करवाना था। इस दौरान महिला कर्मचारियों को करवा चौथ की शुभकामनाएं भी दी । वहीं, पालिकाध्यक्ष राजू दाधीच ने वार्ड संख्या 19 में विशेष सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र में स्वच्छता की स्थिति का जायजा लेते हुए मौके पर ही सफाई करवाकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद अब्दुल लतीफ कुरैशी, सरदार सिंह चौधरी, पालिका के कनिष्ठ अभियंता अजय चौधरी, स्वास्थ्य निरीक्षक राकेश कुमार एवं जमादार कालूराम मौजूद रहे।

ऐतिहासिक जेल भवन की रिपोर्ट भेजने के कलेक्टर को निर्देश

सांभरझील, (निसं)। अंग्रेजों के जमाने का ऐतिहासिक पुराना जेल भवन जो कि वर्ष 2010 से नवीन भवन में शिफ्ट होने के बाद तब से लेकर आज तक राजस्व विभाग की अनदेखी व लापरवाही के कारण वीरान पड़ा होने से जर्जर हो चुका है, के संरक्षण व जीणोद्धार करवाने के लिए पार्षद फिरोज खान द्वारा लिखे गए पत्र के आधार पर जयपुर जिला कलेक्टर को अतिरिक्त संभागीय आयुक्त दीप्ति कछवाहा ने प्रार्थना पत्र फॉरवर्ड करते हुए निर्देश दिए हैं कि तत्काल इसकी जांच करवा कर वास्तुस्थिति से उन्हें शीघ्र अवगत करवाया जाए। यहां के वर्ल्ड नंबर 1 के पार्षद राजेश कुमार कचावटिया, वार्ड 2 की आयशा खातून, वार्ड नंबर 6 के सुनील कुमार गहनोंलिया, वार्ड नंबर 8 के कैलाशचंद गहनोलिया, वार्ड नंबर 18 के दीनदयाल प्रजापत, वार्ड नंबर 20 के इमरान खान, वार्ड नंबर 25 के नईम, वार्ड नंबर 9 की शांति देवी की ओर से भेजी गई सामूहिक याचना में कहा गया है कि वीरान ऐतिहासिक भवन में सामाजिक तत्वों का अड्डा किसी के लिए भी परेशानी का कारण और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी स्थिति को खड़ा कर सकता है। पार्षद फिरोज खान बताते हैं कि त्रिशंकु सरकार बताने वाले लोगों को यहां की ऐतिहासिक इमारत की तनिक भी परवाह नहीं है। सुरक्षा प्रदान करवाएं जाने हेतु सरकार की ओर से मामले को गंभीरता से नहीं लेना गहरी चिंता का विषय है। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त को भेजे पत्र में कहा गया है कि तत्काल प्रभाव से इस इमारत को सुरक्षा प्रदान करवा कर इसकी मरम्मत करवाई जाए ताकि हेरिटेज के रूप में संरक्षित रखने की स्थिति को फिर से कायम किया जा सके।

सुहागिनों ने मनाया करवा चौथ का महापर्व

बाजार में दुकानों पर सामान खरीदते हुए महिलाएं।

निवाई। कार्तिक कृष्ण चतुर्थी पर करवा चौथ का महापर्व धूमधाम से मनाया। पर्व को लेकर सुहागिन महिलाओं में भारी उत्साह देखा गया। करवा चौथ का महापर्व पर शहर के बाजारों में जगह-जगह विभिन्न प्रकार के करवा की दुकानों सहित कई दुकानों पर महिलाओं की भीड़ रही। हलवाइयों की दुकानों पर भी शक्कर से बने हुए करवे की जमकर खरीदारी हुई। इसके अलावा बाजारों में भी महिलाओं की खरीदारी परवान पर रही। सुहागिन महिलाएं दिनभर सुहाग से संबंधित सामग्री खरीदने में लगी रही। इसके अलावा सुहागिनों के पति भी अपनी पत्नियों को उचित उपहार देने के लिए भी खरीदारी की। कई महिलाओं ने करवा चौथ के व्रत का उद्यापन किया। सुहागिन महिलाओं व पहली बार करवा चौथ मानने वाली महिलाओं में भी इस पर्व को लेकर काफी उत्साह रहा। महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखकर शिव-पार्वती, गणेश एवं करवा माता की पूजा की एवं चांद को अघ्र्य देने के बाद पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोला।

दीपावली से पहले अलवर में नगर निगम की सख्ती, मुख्य बाजारों से हटवाया अतिक्रमण

अलवर। दीपावली के त्योहार को देखते हुए अलवर नगर निगम ने शहर के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। गुरुवार को निगम की टीम ने बाजारों में पहुंचकर सड़कों और दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण को हटवाया। इस दौरान दुकानदारों और सड़क किनारे अस्थायी दुकान लगाने वालों को समझाइश देकर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने तथा आमजन के आवागमन के लिए रास्ता खुला रखने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम की टीम ने दुकानदारों को स्पष्ट किया कि वे अपनी निर्धारित सीमा में रहकर ही दुकान संचालित करें। दुकानों के बाहर सड़क पर सामान फैलाकर अतिक्रमण नहीं करें। वहीं, सड़क किनारे अस्थायी दुकान लगाने वालों को भी यातायात बाधित नहीं करने की हिदायत दी गई। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम ने सड़क किनारे दुकान लगाने वाले लोगों को कंपनी बाग के सामने निर्धारित स्थान पर जाकर फॉर्म भरने और अपना नाम दर्ज करवाने के बाद ही दुकान लगाने की समझाइश दी। साथ ही चेतावनी दी कि सड़क पर अवैध रूप से दुकान लगाने

अलवर में दुकानदारों को निर्धारित सीमा में सामान रखने के निर्देश दिए।

या अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम की टीम को बाजारों में देखकर कई दुकानदार और सड़क किनारे दुकान लगाने वाले लोग स्वयं ही अपना सामान हटाने लगे। टीम ने व्यापारियों और अन्य लोगों से दीपावली के दौरान बाजारों में भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाए रखने तथा यातायात सुचारू रखने में सहयोग करने की अपील की। दीपावली पर खरीदारी के लिए बाजारों में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में सड़कों और बाजारों में अतिक्रमण से यातायात बाधित होने के साथ आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी को देखते हुए नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाने और दुकानदारों को समझाइश देने की कार्रवाई की जा रही है। निगम का उद्देश्य बाजारों में व्यवस्था बनाए रखना, आवागमन सुचारू करना और त्योहार के दौरान आमजन को राहत पहुंचाना है।

'मेरे पास पावर गेम पहले से था। मैंने नंबर-3 पर भी रन बनाए हैं। अब नंबर-5 या 6 पर बल्लेबाजी करते हुए, अगर पहली गेंद हिट करने लायक हो, तो मैं उसी पर बाउंड्री लगाने की सोचता हूं।' - तिलक वर्मा

भारतीय उपकप्तान, अपने खेल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **जोश इंग्लिस**

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक तीसरे टेस्ट में शानदार शतक लगाकर इतिहास रच दिया। न्यूलैंड्स मैदान पर गुरुवार को तीसरे दिन इंग्लिस ने 132 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। करीब एक साल बाद टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में वापसी करने वाले इंग्लिस ने अपनी पारी में 11 चौके और दो छक्के लगाए। वह 102 रन बनाकर साइमन हार्मर की गेंद पर आउट हुए।

क्या आप जानते हैं ?... कपिल देव की ऐतिहासिक पारी : जिम्बाब्वे के खिलाफ लीग मैच में जब भारत के 17 रन पर 5 विकेट गिर गए थे, तब कप्तान कपिल देव ने नाबाद 175 रनों की शानदार पारी खेली थी।

यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट : दिशा एकेडमी और आरसीसी की जीत

जयपुर, 29 अक्टूबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में दिशा क्रिकेट एकेडमी ने

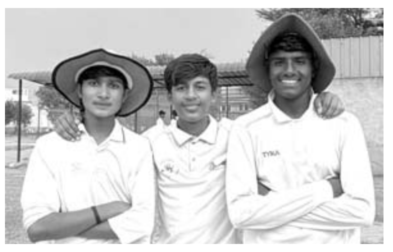

अरावली क्लब को रोमांचक मुकाबले में एक रन से हराया, जबकि आरसीसी ने मिनर्वा क्लब को नौ विकेट से शिकस्त दी। अरावली ग्राउंड पर खेले गए मैच में दिशा क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 243 रन बनाए। अनुभव सिंह ने 50, वैभव खटाना ने 62, हर्षित सैनी ने 31, श्रेयांश सिंह ने 19 और जयवर्धन ने 12 रन का योगदान दिया। अरावली क्लब की ओर से प्रखर गुप्ता और विराज बिंदल ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि रुद्र प्रताप और वेदिका सिंह को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए अरावली क्लब की टीम 48.1 ओवर में 242 रन पर ऑलआउट हो गई। जय जांगिड़ ने 52 और विराज बिंदल ने 72 रन की पारी खेली। दिशा एकेडमी की ओर से नंदन ने तीन, युवान और हर्षित सैनी ने दो-दो विकेट लिए। इस तरह दिशा एकेडमी ने एक रन से रोमांचक जीत दर्ज की। संस्कार ग्राउंड पर खेले गए दूसरे मुकाबले में मिनर्वा क्लब की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 32.3 ओवर में 64 रन पर सिमट गई। नितिन सोनी ने 11, मिहित भाटिया ने 15 और शशांक वत्स ने 10 रन बनाए। आरसीसी की ओर से तक्षित शियोत्रा ने चार विकेट, तनुश और ललित शर्मा ने दो-दो विकेट हासिल किए। जवाब में आरसीसी ने गौरव जोनवाल के नाबाद 30, तेजस गर्ग के 14 और धीर यादव के नाबाद 11 रन की मदद से सात ओवर में एक विकेट पर 65 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला अपने नाम किया।

अंडर-14 मानसून कप में राजस्थान क्रिकेट अकादमी की जीत

जयपुर, 29 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में 'द राजस्थान क्रिकेट अकादमी' ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरएस क्रिकेट अकादमी

को 196 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 'द राजस्थान क्रिकेट अकादमी' ने निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट पर 324 रन बनाए। अमान ने 73 और वीर चौधरी ने 72 रन की शानदार पारियां खेलीं। आरएस क्रिकेट अकादमी की ओर से यश ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरएस क्रिकेट अकादमी की टीम 25.2 ओवर में 128 रन पर ऑलआउट हो गई। मयंक कुमावत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। विजेता टीम की ओर से लक्षित ने तीन, जबकि दुष्यंत और ओमांश यादव ने दो-दो विकेट झटके। अमान को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पंच गौरव के तहत बालिका कबड्डी लीग में झोटवाड़ा का दबदबा बरकरार, चाकसू रही उपविजेता

जयपुर, 29 अक्टूबर। राजस्थान सरकार के पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत चौगान स्टेडियम, जयपुर में आयोजित जिला स्तरीय जयपुर बालिका

कबड्डी लीग के दूसरे दिन भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। कक्षा 10वीं से 12वीं तक की छात्राओं ने मैदान पर दमखम, खेल कौशल और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में झोटवाड़ा टीम ने विजेता तथा चाकसू टीम ने उपविजेता का स्थान हासिल किया। दोनों टीमों को ट्रॉफी एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को कबड्डी पोशाक तथा फाइनल में पहुंची टीमों को मेट शूज वितरित किए गए। खिलाड़ियों के लिए नाश्ते एवं भोजन की समुचित व्यवस्था भी की गई।

अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट : इंपायर अकादमी आठ विकेट से जीती

जयपुर, 29 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में इंपायर क्रिकेट अकादमी ने डायमंड क्लब को आठ विकेट से हराकर दो अंक अर्जित किए। इंपायर ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डायमंड क्लब ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 117 रन बनाए। अल्तमश हुसैन ने 41, जिमी ने 22 और राघव दीक्षित ने 20 रन का योगदान दिया। इंपायर क्रिकेट अकादमी की ओर से राकेश ध्यावाना ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि एम.वी. पाटीदार ने दो विकेट हासिल किए। जवाब में इंपायर क्रिकेट अकादमी ने हरि सिंह के नाबाद 50 रन, सचिन सैनी के 29 और मोहित सोनी के 17 रन की मदद से 11.3 ओवर में दो विकेट खोकर 118 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। डायमंड क्लब की ओर से हरीश मेवाड़ा और काव्य गुरनानी ने एक-एक विकेट लिया।

5 मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड पहुंचे भारतीय वनडे कप्तान गिल

ऑकलैंड, 29 अक्टूबर। भारतीय एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले गुरुवार को ऑकलैंड पहुंच गए। इस श्रृंखला के साथ रोहित शर्मा और विराट कोहली की भी वनडे क्रिकेट में वापसी होगी। श्रृंखला का पहला मुकाबला 4 नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। गिल के साथ केएल राहुल और गुरनुर बरार भी न्यूजीलैंड पहुंच गए हैं और तीनों ने अभ्यास भी किया।

गिल के न्यूजीलैंड पहुंचने पर स्थानीय प्रशंसकों और खिलाड़ियों ने उनसे मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। अभ्यास के लिए रवाना होने से पहले वह अपने पुराने मित्र और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ बातचीत करते नजर आए। अभिषेक ने पिछले मुकाबले में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 38 गेंदों पर नाबाद 113 रन की विस्फोटक पारी खेली थी, जिससे भारत ने 199 रन का लक्ष्य हासिल किया था। गिल ने अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी भी की। ऑस्ट्रेलिया के पिछले साल के दौरे में निराशाजनक प्रदर्शन और इस साल इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला गंवाने के बाद बतौर वनडे कप्तान यह उनका तीसरा विदेशी दौरा होगा। वह इस दौरे पर अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगे।

इस साल वनडे में शानदार प्रदर्शन

गिल ने इस साल वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 12 मैचों की 11 पारियों में 111.87 की औसत और 118.70 के स्ट्राइक रेट से 895 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और पांच अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 223 रन रहा है। वेस्टइंडीज के भारत दौरे पर भी गिल ने दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन मैचों में 334 रन बनाए, जिसमें केरल में 110 रन और गुवाहाटी में 406 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए खेली गई नाबाद 223 रन की पारी शामिल रही। हालांकि, अंतिम वनडे में वह केवल एक रन बनाकर आउट हो गए थे। इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गिल ने 15 मैचों की 15 पारियों में 91.25 की औसत से 1,095 रन बनाए हैं। इसमें चार शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं।

भारत के खिलाफ ट्वंटी-20 श्रृंखला से बाहर हुए फर्ग्यूसन

ऑकलैंड, 29 अक्टूबर। भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के बीच न्यूजीलैंड को एक और झटका लगा है। तेज

गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन चोट के कारण भारत के खिलाफ जारी टी20 श्रृंखला के बाकी मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि फर्ग्यूसन को हेगले ओवल में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले के दौरान दाएं पिंडली में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद कराई गई जांच में उनकी मांसपेशियों में हल्का खिंचाव पाया गया। उन्हें मैदान पर वापसी करने से पहले लगभग एक सप्ताह और आराम करना पड़ सकता है। इस बीच, तेज गेंदबाज मैट हेनरी की भी दूसरे टी20 मुकाबले के दौरान दाहिनी जांघ की मांसपेशी में दर्द के बाद जांच की गई। उनकी मांसपेशियों में भी हल्का खिंचाव पाया गया है। उन्हें ठीक होने में एक से दो सप्ताह का समय लग सकता है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, लॉकी और मैट के चोटिल होने से हम निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चोटें खेल का हिस्सा हैं, लेकिन जब खिलाड़ियों को मुकाबलों से बाहर होना पड़ता है, तो यह निराशाजनक होता है।

मुंबई इंडियंस ने मलिंगा, म्हाम्ब्रे और हॉपकिन्सन से नाता तोड़ा

मुंबई, 29 अक्टूबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने अपनी पुरुष टीम के कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव करते हुए लसिथ मलिंगा, पारस म्हाम्ब्रे और कार्ल हॉपकिन्सन से अलग होने की घोषणा की है। फ्रेंचाइजी ने तीनों के योगदान, प्रतिबद्धता और सेवाओं के लिए आभार जताया है। इससे पहले टीम ने आईपीएल के मुख्य कोच महेला जयवर्धने से भी नाता तोड़ लिया था। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा मुंबई इंडियंस टीम के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हुए चार आईपीएल खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वह 2011 में चैंपियंस लीग टी20 का खिताब जीतने वाली मुंबई की टीम का भी हिस्सा थे। खिलाड़ी के रूप में टीम से जुड़ने के बाद मलिंगा ने मेंटर और कोच की भूमिका भी निभाई। पारस म्हाम्ब्रे का मुंबई इंडियंस के साथ लंबा जुड़ाव रहा। वह 2010 से 2017 तक टीम के साथ थे और 2024 में दोबारा फ्रेंचाइजी से जुड़े। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच म्हाम्ब्रे ने अपने दोनों कार्यकाल में गेंदबाजों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें विकसित करने में अहम योगदान दिया। फ्रेंचाइजी ने उनके अनुभव, समर्पण और टीम की कार्यसंस्कृति की गहरी समझ की सराहना की। कार्ल हॉपकिन्सन 2025 सत्र से पहले मुंबई इंडियंस के कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए थे। इंग्लैंड की पुरुष टीम के साथ काम करने का अनुभव रखने वाले हॉपकिन्सन ने मुंबई के क्षेत्ररक्षण स्तर को बेहतर बनाने में योगदान दिया। फ्रेंचाइजी ने उनके पेशेवर रवैये और विशेषज्ञता को भी सराहा।

हाइलो ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु, अश्मिता बाहर

सारब्रुकेन (जर्मनी), 29 अक्टूबर। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए यूएई की प्रकृति भरत को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं, भारत की अश्मिता चालिहा को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में भरत को महज 28 मिनट में 21-10, 21-10 से शिकस्त दी। अब उनका सामना फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद इस प्रतियोगिता में उतरी हैं। उन्होंने फ्रेंच ओपन के फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अश्मिता पहले दौर में हारीं - दूसरी ओर, महिला एकल में भारत की अश्मिता चालिहा का सफर पहले दौर में ही समाप्त हो गया। उन्हें बुल्गारिया की कालोयाना नलबांतोवा ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 21-12, 21-8 से हराया। अश्मिता ने भी पेरिस में फ्रेंच ओपन में अच्छा प्रदर्शन किया था और क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने जापान की अकाने यामागुची को हराकर प्रभावित किया था, लेकिन हाइलो ओपन में वह अपना पिछला प्रदर्शन दोहरा नहीं सकीं।

भारत ने हॉकी टूर्नामेंट में चीन को 5-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और स्ट्राइकर सुखजीत सिंह ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने दो-दो गोल किए, जिससे भारत ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट में चीन को 5-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। सुखजीत (12वें और 34वें मिनट) ने दो शानदार मैदानी गोल दागे, जबकि हरमनप्रीत (27वें और 31वें मिनट) ने भारत के लिए दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। जुगराज सिंह (47वें मिनट) ने भी ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के लिए पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। भारत अपना अगला मैच शुक्रवार को जापान के खिलाफ खेलेगा, जबकि चीन का मुकाबला दक्षिण कोरिया से होगा।

जोकोविच ने बेसल ओपन में जीत के साथ की शुरुआत, एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने की उम्मीद मजबूत

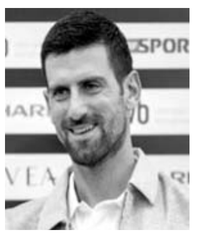

बेसल, 29 अक्टूबर। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बुधवार को बेसल ओपन में खेले गए अपने पहले मुकाबले में फ्रांस के उगो हम्बर्ट को तीन सेटों में हराकर एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। 39 वर्षीय जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 4-6, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। वह 2011 के बाद पहली बार बेसल में खेल रहे हैं। जोकोविच ने मुकाबले के बाद कहा, यह बेहद करीबी और शुरुआत से ही काफी चुनौतीपूर्ण मुकाबला था। पहले अंक से ही मुझे दबाव का सामना करना पड़ा। मुझे उनके आक्रामक खेल का सामना करना था, लेकिन दूसरे सेट की शुरुआत में मैं अपनी लय हासिल करने में सफल रहा। उन्होंने कहा, इसके बाद मुझे उनके खेल की गति के साथ तालमेल बैठाने में थोड़ी सहजता महसूस हुई। कुल मिलाकर यह बड़ी चुनौती थी। आज के कठिन मुकाबले में मैं समाधान तलाशने में सफल रहा।

आयरलैंड के लेग स्पिनर बेन व्हाइट ने 28 साल की उम्र में लिया संन्यास

डबलिन, 29 अक्टूबर। आयरलैंड के लेग स्पिनर बेन व्हाइट ने 28 साल की उम्र में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद सॉफ्टवेयर विकास कंपनी पर्सोनियो में नई जिम्मेदारी संभाली है। वह कंपनी में यूके और आयरलैंड क्षेत्र के लिए बिजनेस डेवलपमेंट प्रतिनिधि के रूप में काम करेंगे। व्हाइट ने जुलाई, 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने आयरलैंड के लिए तीनों प्रारूपों में कुल 43 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच पिछले साल दिसंबर में था। उन्हें आयरलैंड की टीम में लंबे समय तक कलाई के स्पिनर की कमी पूरी करने वाले खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा था।

नेशनल स्क्वॉश में राजस्थान के 6 पदक, दो स्वर्ण जीते

दिव्यांशी और इनाया चैम्पियन, गौरवी व युवान को रजत

जयपुर, 29 अक्टूबर। सब जूनियर और जूनियर नेशनल स्क्वॉश चैंपियनशिप में मेजबान राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण सहित छह पदक जीते। दिव्यांशी जैन और इनाया अन्द्रावी ने गोल्ड, गौरवी अजमेरा और युवान वर्मा ने सिल्वर, जबकि सुभाष चौधरी और जैन अली ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

एसएमएस स्टेडियम के स्क्वॉश कोर्ट पर खेले गए फाइनल में दिव्यांशी जैन ने अंडर-15 गर्ल्स वर्ग में मध्य प्रदेश की अनिका कलंकी को 3-0 से हराकर खिताब जीता। वहीं, अंडर-11 गर्ल्स फाइनल में इनाया अन्द्रावी ने राजस्थान की ही गौरवी अजमेरा को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। गौरवी को रजत पदक मिला। अंडर-11 बॉयज फाइनल में राजस्थान के युवान वर्मा को दिल्ली के अगस्त्य उप्पल के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अन्य वर्गों के फाइनल में उत्तर प्रदेश के यूशा नफीस ने अंडर-19 बॉयज और उन्नित त्रिपाठी ने अंडर-19 गर्ल्स का खिताब जीता। महाराष्ट्र के रिदान शाह अंडर-17 बॉयज और मध्य प्रदेश की सानवी कलंकी अंडर-17 गर्ल्स में चैंपियन बने। अंडर-15 बॉयज में हरियाणा के ध्रुव जौहरी, अंडर-13 बॉयज में महाराष्ट्र के एरोन अरांभन और अंडर-13 गर्ल्स में बंगाल की आलिया कांकरिया ने खिताब जीते।

समापन समारोह में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी और स्क्वॉश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव सायरस पोंचा ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। राजस्थान स्क्वॉश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र मेहता, सचिव धीरज सिंह और आयोजन सचिव सुरभि मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया।

एलेना ने रचा इतिहास टोक्यो में जीत दर्ज कर हासिल किया दुनिया की नंबर 1 का ताज

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। टेनिस की दुनिया में एलेना रिबाकिना ने 2026 में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। कजाखस्तान की इस खिलाड़ी ने पहली बार साल का अंत दुनिया की नंबर 1 महिला टेनिस खिलाड़ी के रूप में करना पक्का कर लिया है। गुरुवार को टोक्यो में पैन पैसिफिक ओपन के दूसरे दौर में उन्होंने अपनी ही देश की यूलिया पुतिनत्सेवा को सीधे सेटों में हराकर यह उपलब्धि हासिल की। रिबाकिना ने यह मुकाबला 6-2, 6-3 से जीता और सत्र के आखिरी बड़े टूर्नामेंट से पहले ही शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया। 27 वर्षीय रिबाकिना को साल के अंत में नंबर 1 रहने के लिए इस सत्र में केवल एक और जीत की जरूरत थी। टोक्यो में मिली जीत के बाद अब दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका रैंकिंग में उन्हें पीछे नहीं छोड़ सकतीं। महिला टेनिस में साल के अंत की रैंकिंग खिलाड़ी के पूरे सत्र के प्रदर्शन को दर्शाती है। इसमें बड़े टूर्नामेंटों में जीत के साथ-साथ साल भर की निरंतरता भी अहम होती है।

डब्ल्यूपीएल में बढ़ सकती है टीमों की संख्या : सैकिया

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग में टीमों की संख्या बढ़ाने के लिए बोर्ड को कुछ विचार विमर्श सत्र आयोजित करने होंगे। डब्ल्यूपीएल की शुरुआत 2023 में हुई थी और तब से इसमें पांच टीम ही भाग लेती रही हैं। सैकिया ने बताया कि डब्ल्यूपीएल ने भारत में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सैकिया ने बुधवार को नीलामी के दौरान डब्ल्यूपीएल वेबसाइट को बताया, अगले साल से हमें निश्चित रूप से टीमों की संख्या बढ़ाने के अलावा उन क्षेत्रों को लेकर भी विचार विमर्श सत्र आयोजित करने होंगे, जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, केवल खिलाड़ी ही नहीं बल्कि कई अन्य क्षेत्र भी इसमें शामिल हैं। कोच, चयनकर्ता आदि से लेकर विभिन्न हितधारक इसका हिस्सा हैं। सैकिया ने कहा कि डब्ल्यूपीएल ने चार साल में काफी लंबा सफर तय किया है और लीग ने अब महिला क्रिकेट पर दबदबा बना दिया है। उन्होंने कहा, आईपीएल के बाद डब्ल्यूपीएल फ्रेंचाइजी क्रिकेट की प्रमुख लीग में से एक है। हमने चार वर्षों में काफी लंबा सफर तय किया है और अब हम महिला क्रिकेट में अपना दबदबा बना रहे हैं। डब्ल्यूपीएल ने भारत में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 55 रनों से हराया

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। इंग्लैंड की टीम को गुरुवार को पाकिस्तान में खेली जा रही ट्राई सीरीज में पहली जीत नसीब हुई। इंग्लैंड ने बेन डकेट के शतक की बदौलत श्रीलंका को 55 रनों से हराया। श्रीलंका की टीम पहले ही फाइनल में जगह बना चुकी है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बेन डकेट की शतकीय पारी की बदौलत 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 386 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम पवन के शतक के बावजूद 45.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 331 रन ही बना सकी।

रणजी ट्रॉफी : बारिश से राजस्थान-उत्तराखंड मैच ड्रॉ, पहली पारी में राजस्थान को बढ़त

अंडर-23 में मुंबई के खिलाफ राजस्थान मजबूत स्थिति में, प्रतीक का नाबाद शतक

जयपुर, 29 अक्टूबर। देहरादून में राजस्थान और उत्तराखंड के बीच खेला गया रणजी ट्रॉफी मुकाबला बारिश के कारण ड्रॉ समाप्त हो गया। मैच के अंतिम दिन खेल नहीं हो सका, जिससे राजस्थान की जीत की संभावनाओं को झटका लगा। राजस्थान ने पहली पारी में 78 रन की बढ़त हासिल की। राजस्थान ने पहली पारी में 272 रन बनाए, जबकि उत्तराखंड की टीम 194 रन पर आउट हो गई। राजस्थान ने दूसरी पारी पांच विकेट पर 290 रन बनाकर घोषित की। जवाब में उत्तराखंड ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 38 रन बनाए। मैच समाप्त होने तक राजस्थान को पहली पारी की बढ़त हासिल रही।

अंडर-23: मुंबई के खिलाफ राजस्थान मजबूत स्थिति में

मुंबई के सचिन तेंदुलकर जिमखाना ग्राउंड, कांदिवली में खेले जा रहे बीसीसीआई अंडर-23 मुकाबले के तीसरे दिन राजस्थान ने पहली पारी में 491 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने सात विकेट पर 307 रन बना लिए हैं। मुंबई को फॉलोऑन से बचने के लिए अभी 35 रन और बनाने हैं, जबकि उसके तीन विकेट शेष हैं। मुंबई की ओर से प्रतीक यादव 117 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि प्रणय कपाड़िया ने 53 रन बनाए। राजस्थान की ओर से हिमांशु नेहरा ने चार विकेट लिए। राहुल चौधरी, पार्थ यादव और अंकित कुमार को एक-एक विकेट मिला।

अंडर-16 अभ्यास मैचः वशिष्ठ शर्मा और निलय के शतक

केएल सैनी स्टेडियम में टीम ए और टीम सी के बीच खेले जा रहे अंडर-16 अभ्यास मैच के दूसरे दिन टीम ए ने पहली पारी आठ विकेट पर 340 रन बनाकर घोषित की। वशिष्ठ शर्मा 248 गेंदों पर 25 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 180 रन बनाकर नाबाद रहे। जवाब में टीम सी ने पहली पारी में छह विकेट पर 337 रन बना लिए। कुमार वासुदेव ने 154 गेंदों पर 16 चौकों की मदद से 101 रन बनाए। सुशांत बस्नेत ने 75, विवेक बागड़ी ने 59 और खुशवर्धन सिंह ने 38 रन का योगदान दिया। टीम ए की ओर से अविराज मंडिया, साहिल खान और लव्य गुप्ता ने दो-दो विकेट लिए। एम स्क्वायर ग्राउंड पर टीम बी ने पहली पारी आठ विकेट पर 370 रन बनाकर घोषित की। निलय अरोड़ा ने 245 गेंदों पर 20 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 163 रन बनाए। जवाब में टीम डी 211 रन पर आउट हो गई। तविष शर्मा ने 42, प्रशांत चाहर ने 32 और निश्छल शर्मा ने नाबाद 27 रन बनाए। टीम बी की ओर से वत्सल पारीख, नमन यादव, मयंक और गुरताज सिंह ने दो-दो विकेट लिए। टीम बी ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 86 रन बना लिए हैं। माधव गोपाल गौतम 26 और दिव्यांशु धतरवाल 22 रन बनाकर नाबाद हैं।

महिला अंडर-23 टी-20 अभ्यास मैच में टीम ए विजयी

आरसीए अकादमी ग्राउंड पर महिला अंडर-23 टी-20 अभ्यास मैच में टीम ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 136 रन बनाए। शिवानी चौधरी ने 56 और दीक्षा सैनी ने 50 रन की पारियां खेलीं। टीम सी की ओर से तनिष्का चौधरी ने दो विकेट लिए, जबकि आरती बिश्नोई, ऋतु लोढ़ा और दिव्या कंवर को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम सी ने आठ विकेट पर 107 रन बनाए। काव्या बिश्नोई ने 39, पार्वती ने 23 और अल्पना रावत ने नाबाद 12 रन बनाए। टीम ए की ओर से मनस्वी कट्टा ने दो विकेट लिए, जबकि कंचन हुड्डा, वध्या रावत और याना वर्मा ने एक-एक विकेट हासिल किया।

अजीम गोल्ड कप : जयपुर कॉल्ट्स और नारायणा क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 29 अक्टूबर। रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे अजीम गोल्ड कप क्रिकेट टूर्नामेंट में जयपुर कॉल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने नारायणा स्पोर्ट्स अकादमी को 15 रन से तथा नारायणा क्रिकेट अकादमी ने आरएस क्रिकेट अकादमी को 111 रन से हराया।

पहला मुकाबला: जयपुर कॉल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 203 रन बनाए। गौरव सैनी ने 57, अजय धाकड़ ने 35, आयुष्मान सोनी ने 34 और अनिल कुमार ने 31 रन बनाए। नारायणा स्पोर्ट्स अकादमी की ओर से अमद और रोहित चौधरी ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए नारायणा स्पोर्ट्स अकादमी की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 188 रन ही बना सकी। विकास मानजू ने 65, हार्दिक चौधरी ने 33 और मनोज मीणा ने नाबाद 32 रन बनाए। जयपुर कॉल्ट्स की ओर से अयान सोनी ने दो विकेट लिए। गौरव सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरा मुकाबला: नारायणा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 201 रन बनाए। सिद्धांत शर्मा ने 57, आदित्य सैनी ने 43 और शुभम शर्मा ने 26 रन का योगदान दिया। आरएस क्रिकेट अकादमी की ओर से कुलदीप सिंह राठौड़ ने तीन, जबकि राम सिंह परमार और रिहान खान ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में आरएस क्रिकेट अकादमी की टीम 12 ओवर में 90 रन पर ऑलआउट हो गई। रुद्र सिंह राजपूत ने 36 और अनीश ने 31 रन बनाए। नारायणा क्रिकेट अकादमी की ओर से शक्ति चौहान और पुनीत ने तीन-तीन तथा शुभम शर्मा ने दो विकेट लिए। नारायणा क्रिकेट अकादमी ने 111 रन से जीत दर्ज की। सिद्धांत शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

आमजन का विश्वास अर्जित करना ही प्रशासनिक सफलता का पैमाना है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने ओटीएस में राज्य सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ संवाद किया

जयपुर, 29 अक्टूबर (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक सेवा में वास्तविक सफलता आम नागरिक के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से तय होती है।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक सेवा में वास्तविक सफलता आम नागरिक के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से तय होती है। आम जन की जरुरतों व समस्याओं को ध्यान में रख कर हर निर्णय लिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को एचसीएम रीपा के बी एस मेहता सभागार में राज्य सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, महानिदेशक एचसीएम रीपा श्रेया गुहा सहित अन्य अधिकारीगण एवं राज्य सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित रहे।

हमेशा आमजन की जरूरतों और समस्याओं को ध्यान में रखकर प्रशासन द्वारा प्रत्येक निर्णय लिया जाना चाहिए। अधिकारी अपने पद को अधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि जनसेवा के उत्तरदायित्व के रूप में समझें।

मुख्यमंत्री गुरुवार को एचसीएम रीपा (ओटीएस) के बी एस मेहता सभागार में राज्य सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपने और भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए हर वर्ष आरएएस भर्ती परीक्षा आयोजित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यालय में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी उम्मीद के साथ आता है। ऐसे में अधिकारियों का व्यवहार, कार्यशैली और निर्णय उस व्यक्ति का प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि प्रशासन में ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्पक्षता ही जनविश्वास की सबसे मजबूत नींव हैं। वे अच्छे विचारों को व्यवहार में लाकर सभी को साथ लेकर साझा लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की सबसे बड़ी उपलब्धि वह विश्वास होगा, जो आम नागरिक उनके प्रति व्यक्त करेगा।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जवाबदेही, उत्तरदायित्व और पारदर्शिता से "सबका साथ, सबका विकास" और "राष्ट्र प्रथम" की भावना के जरिए राष्ट्रसेवा का संदेश दिया है। इस अवसर पर महानिदेशक एचसीएम रीपा श्रेया गुहा सहित, अन्य अधिकारीगण एवं राज्य सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित थे।

प्रहलाद जोशी 31 को जयपुर में

जयपुर, 29 अक्टूबर (निसं)। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी 31 अक्टूबर को और केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 5 नवम्बर को जयपुर में रहेंगे। उन्होने

■ "रन फॉर युनिटी" में भाग लेंगे।

बताया कि आजाद भारत के पहले गृहमंत्री लोहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आयोजित "रन फॉर यूनिटी" में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी शामिल होंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कांग्रेस द्वारा एसआईआर पर फैलाये जा रहे झूठ के माध्यम से देश को अराजकता की ओर धकेलने के कुत्सित प्रयासों को बेनकाब करने के लिए भाजपा द्वारा देशभर में "लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ" अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 5 नवम्बर को जयपुर में पदयात्रा आयोजित की जायेगी, जिसमें केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शामिल होंगे।

प्रसिद्ध बांस वादक विक्रम यादव का निधन

रायपुर, 29 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ की लोककला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले प्रसिद्ध बांस वादक विक्रम यादव का आज सुबह 5 बजे निधन हो गया। वे खैरा रवेली के निवासी थे और पिछले कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से प्रदेश के कला जगत में शोक की लहर है। विक्रम यादव ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक बांस गीत कला को देश-विदेश में पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1971 में वे हबीब तनवीर के नया थियेटर से जुड़े और अपनी कला का प्रदर्शन देश के विभिन्न हिस्सों में किया।

'वाहनों को 100 प्रतिशत एथेनॉल से चलने की अनुमति दे दी, आपूर्ति कैसे करेंगे?'

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से स्पष्ट करने को कहा

■ पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 27 अक्टूबर को कहा था कि केन्द्र सरकार की फिलहाल पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की मात्रा को मौजूदा 20 प्रतिशत से आगे बढ़ाने की कोई योजना नहीं है।

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा है कि अगर सौ प्रतिशत एथेनॉल से चलने वाले वाहनों की अनुमति दी गई है तो इनकी आपूर्ति कैसे की जाएगी? जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई की। गुरुवार को दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने मामले की सुनवाई अगले महीने के लिए टाल दी। दरअसल 26 अक्टूबर को, सड़क परिवहन मंत्रालय ने केन्द्रीय मोटर वाहन नियम में बदलाव की अधिसूचना जारी की, जिसमें फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों को अनुमति दी गई है। ये वाहन ई100 तक पर चल सकते हैं। ई100 ईंधन की मदद से वाहन लगभग पूरी तरह से एथेनॉल पर चल सकते हैं। 27 अक्टूबर को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि केन्द्र सरकार की फिलहाल पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की मात्रा को मौजूदा 20 प्रतिशत से आगे बढ़ाने की कोई योजना नहीं है।

एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 के लिए एथेनॉल आवंटन के संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने आज इस मुद्दे पर हालिया मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया। न्यायालय ने कहा कि परसों हमने कुछ समाचार पत्रों में ऐसी खबरें देखी हैं, जिनमें कहा गया है कि 100 प्रतिशत एथेनॉल से चलने वाले वाहनों की अनुमति है। हम अकेडमिक रूप से जानना चाहते हैं कि अगर 100 प्रतिशत एथेनॉल वाले वाहनों की इजाजत दी जाती है तो आप आपूर्ति कैसे करेंगे। न्यायालय ने किसानों को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

इस पर अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि इसके लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्था में बदलाव करने की जरूरत होगी। उन्होंने न्यायालय को आश्वासन दिया कि वे अगली बहस में किसानों से जुड़े पहलुओं पर भी विस्तार से बात करेंगे।

यह विवाद मूल रूप से कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद शुरू हुआ, जिसमें तेल विपणन कंपनियों को एक एथेनॉल निर्माता को आवंटन बढ़ाने का निर्देश दिया गया था। इसके खिलाफ एक तेल कंपनी ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया और दलील दी कि ऐसे आदेशों से पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने की राष्ट्रीय नीति (ई20) अस्थिर हो सकती है। उसके बाद 30 जून को उच्चतम न्यायालय ने 2025-26 के लिए एथेनॉल आवंटन बढ़ाने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था।

त्रिपोलिया बाज़ार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया गया है। इसमें जयपुर नगर निगम की एम्पावर्ड कमेटी के 14 अक्टूबर 2022 के निर्णय और 28 अगस्त 2023 को जारी आवासीय निर्माण अनुमति की शर्तों की अवहेलना कर निर्माण किया गया है। कमेटी ने कहा था कि ऐतिहासिक दीवार को सुरक्षित रखते हुए मंदिर को खुला रखें और वहां कोई भी व्यावसायिक गतिविधि नहीं हो। इसके अलावा, त्रिपोलिया बाजार स्थित दुकान से इस परिसर का कोई रास्ता नहीं बनाया जाएगा। याचिका में कहा गया कि इन सभी सुरक्षा शर्तों की अवहेलना कर वहां कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, बेसमेंट और दुकानें बना दीं और मंदिर की मूर्तियों व मूल ढांचे को भी प्रभावित किया गया है। इसलिए मंदिर के मूल स्वरूप को बहाल कर वहां से हटाई सभी मूर्तियों की पुनः स्थापित किया जाए। इसके साथ ही मौके पर चल रहे अवैध निर्माण और बेसमेंट को ध्वस्त कर सीलिंग की कार्रवाई की जाए। मामले की सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

बाँग्लादेश की वायु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा चुका है। इसके बावजूद उन्होंने कहा है कि उन्हें गिरफ्तारी, यातना या मौत का डर नहीं है। वे बांग्लादेश लौटने को अपनी जिम्मेदारी मानती हैं और अपनी पार्टी के वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अदालती कार्रवाही का सामना करने की योजना बना रही हैं। हालांकि, उनके इस दावे का वास्तव में पूरा होना मुश्किल दिखाई देता है। बांग्लादेश के अधिकारियों ने कहा है कि उनके देश पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहां का कानूनी और सुरक्षा माहौल भी उनके अनुकूल नहीं है। हसीना ने शरण देने के लिए भारत का आभार जताया है और कहा है कि लौटने का फैसला उनका अपना है। लेकिन लंबे समय तक दबाव बने रहने या परिस्थितियां बदलने पर वे किसी दूसरे देश में शरण लेने के विकल्प पर विचार कर सकती हैं, खासकर उस स्थिति में, जब नई दिल्ली उन्हें अनिश्चितकाल तक अपने यहां रखने के लिए तैयार नहीं होती है।

भारत सरकार ने अगस्त 2024 में हसीना को शरण दिये जाने को पड़ोसी देश के प्रति अपना कर्तव्य बताया है। सरकार ने कहा था कि जब बांग्लादेश वायुसेना का विमान उन्हें भारत लेकर आया, तब वे बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं। ढाका की ओर से उन्हें सौंपने की जो मांगें आई हैं, उन पर कानूनी और आंतरिक प्रक्रिया चल रही है तथा इस बारे में कोई समयसीमा नहीं बताई गई है। नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी धरती से बांग्लादेश को निशाना बनाने वाली राजनीतिक गतिविधियों का समर्थन नहीं करती और इस मामले में उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

पुरानी "आइकॉनिक" मैगज़ीन "लाइफ" का प्रकाशन 26 साल बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"वेयर आर वी नाउ?" इसे 23 नवंबर को जारी किया जाना है। यह वापसी "लाइफ" पत्रिका की शुरुआत के 90 साल बाद हो रही है। इसकी शुरुआत 1936 में हुई थी और इसने फोटो जर्नलिज्म के इतिहास के सबसे प्रभावशाली प्रकाशनों में अपनी जगह बनाई थी।

इस पत्रिका का साप्ताहिक प्रकाशन 1972 में बंद हो गया था। फिर1978 में यह मासिक पत्रिका के रूप में शुरू हुई, लेकिन 2000 में इसका नियमित प्रकाशन दोबारा बंद कर दिया गया। हालांकि, 2004 से 2007 के बीच इसके कुछ अंक अखबारों के साथ पूरक (सप्लीमेन्ट) के रूप में प्रकाशित हुए, लेकिन पत्रिका का वह परिचित रूप पाठकों की जिंदगी से लगभग गायब हो गया था। इसलिए इसकी वापसी प्रकाशन जगत की एक घटना मात्र नहीं है। यह उस दौर की याद भी ताजा करती है, जब तस्वीरों के जरिए दूर की घटनाएं भी लोगों को अपने करीब और उनसे जुड़ी हुई महसूस होती थीं।

भारत के पाठकों के लिए भी "लाइफ" और "रीडर्स डाइजैस्ट" एक खास तरह की 'पढ़ने की संस्कृति' का हिस्सा थीं। "रीडर्स डाइजैस्ट" का भारतीय संस्करण 1954 में शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह भारतीय घरों का एक जाना-पहचाना नाम बन गई। इसमें लेखों के संक्षिप्त रूप, हास्य, लोगों के जीवन से जुड़ी कहानियां और व्यावहारिक सलाह मिलती थी। "लाइफ" का अनुभव इससे अलग, लेकिन उतना ही दिलचस्प था। इसमें शानदार तस्वीरों और व्यापक दृश्य प्रस्तुति के माध्यम से दुनिया को समझने का अवसर मिलता था। ऐसी पत्रिकाओं ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर तुरंत जानकारी मिलने के दौर से बहुत पहले ही, लोगों में दुनिया के बारे में जानने और समझने की जिज्ञासा पैदा कर दी थी।

नई "लाइफ" पत्रिका उसी भावना और मिज़ाज को फिर से जीवित करने की कोशिश कर रही है, लेकिन इस बार उसका सामना एक बिल्कुल अलग अमेरिका से है। इसके पहले अंक में 120 से अधिक लेखकों और अन्य योगदानकर्ताओं की सामग्री शामिल है। इसमें वैज्ञानिकों, कलाकारों, उद्यमियों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों, कोयला खदानों में काम करने वाले मजदूरों और ड्रोन बनाने वालों के अनुभवों के जरिए अमेरिका को समझने की कोशिश की गई है।

संपादकों का कहना है कि पत्रिका का ध्यान केवल मशहूर हस्तियों या प्रभावशाली लोगों पर नहीं होगा, बल्कि आम लोगों के जीवन में छिपे असाधारण पहलुओं को सामने लाने पर भी रहेगा। "अब हम कहां हैं?" यह केन्द्रीय सवाल पाठकों को अमेरिकी पहचान, जीवन के उद्देश्य और तेजी से बदलती तकनीक तथा संस्कृति के बीच समाज किस दिशा में जा रहा है, इस पर सोचने के लिए प्रेरित करता है।

नई "लाइफ" को केवल प्रिन्ट मैगज़ीन के रूप में विकसित नहीं किया जा रहा है। इसकी योजनाओं में डिजिटल माध्यमों पर कहानियां, वृत्तिचत्र, वीडियो, विशेष अंक, संग्रह करने योग्य सामग्री और कार्यक्रम भी शामिल हैं। इस तरह, यह पारंपरिक विस्तृत पत्रकारिता (लाँग-फॉर्म जर्नलिज़्म) को आज के आधुनिक मीडिया फॉर्मैट के साथ जोड़ती है।

फिर भी इसकी सबसे बड़ी चुनौती शायद उस खासियत को बनाए रखना होगी, जिसने मूल पत्रिका को एक अलग और खास पहचान दी थी। आज तस्वीरों की भरमार है और उन्हें किसी भी समय स्क्रीन पर देखा जा सकता है। ऐसे में "लाइफ" को कुछ ऐसा पेश करना होगा, जो स्क्रीन पर तुरंत दिखने वाली तस्वीरों से कहीं बढ़कर हो। इसकी असली खूबसूरती इसके संदर्भ, बनावट और पाठकों को इतिहास के किसी पल पर रुककर सोचने के लिए मजबूर करने की क्षमता में थी।

इस पत्रिका की वापसी यह भी दर्शाती है कि प्रिंट मीडिया के प्रति लोगों का लगाव आज भी कायम है, जब कई अन्य प्रकाशनों ने इसे छोड़ दिया है। अच्छी तरह तैयार की गई पत्रिका पढ़ने का अनुभव स्क्रीन पर लगातार सामग्री देखने से अलग होता है। उसे हाथ में लिया जा सकता है, दोबारा पढ़ा जा सकता है, सजाकर रखा जा सकता है और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दिया जा सकता है।

नई "लाइफ" का प्रकाशन बैडफोर्ड मीडिया कर रहा है। यह मीडिया कंपनी मॉडल और उद्यमी कार्ली क्लॉस तथा निवेशक जोशुआ कुशनर के नेतृत्व में काम करती है। ह्यूगो लिंडग्रेन इसके संपादक हैं।

जो लोग "लाइफ" के नए अंक का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे या जिन्हें "रीडर्स डाइजेस्ट" के पन्ने आज भी याद हैं, उनके लिए इस पत्रिका की वापसी पढ़ने के पुराने दौर की सुखद यादें लेकर आई है। यह देखना बाकी है कि नई पत्रिका युवा पाठकों को कितना आकर्षित कर पाती है। लेकिन इसकी वापसी एक सरल सच्चाई याद दिलाती है कि सूचनाओं और जानकारियों से भरी इस दुनिया में भी अच्छी कहानी कहने और प्रभावशाली तस्वीर के महत्व में कोई कमी नहीं आई है।

बद्रीनाथ, केदारनाथ में बर्फ गिरी

देहरादून, 29 अक्टूबर। उत्तराखंड में मौसम के बदले मिजाज से पहाड़ से मैदान तक ठंड बढ़ गई है। केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम सहित, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मसूरी में बारिश और सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को नैनीताल, चम्पावत, पिथौरागढ़, बागेश्वर और चमोली जिलों में कहीं-कहीं गरज-चमक, ओलावृष्टि और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम की चेतावनी के मद्देनजर आपदा प्रबंधन विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं और चारधाम यात्रा मार्गों पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

चक्रवात से ओडिशा के दो जिलों में बाढ़, 62,500 लोग प्रभावित

तेज प्रवाह के कारण लोगों को निकालने के लिये एयर लिफ्टिंग की संभावना भी टटोली जा रही है

■ ओडिशा के मुख्य सचिव ने लोगों की सुरक्षा तथा राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा की। प्रभावित इलाके में लोगों को पका हुआ भोजन, पानी आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

भुवनेश्वर, 29 अक्टूबर। चक्रवात 'अर्णब' के प्रभाव से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण ओडिशा के गंजाम और गजपति जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। दोनों जिलों में करीब 62,500 लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य की मुख्य सचिव अनु गर्ग ने गुरुवार सुबह विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) कार्यालय स्थित नियंत्रण कक्ष में स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने प्रभावित लोगों की सुरक्षा, राहत एवं बचाव कार्यों और बाढ़ से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान, मुख्य सचिव ने विशेष राहत आयुक्त राजेश प्रभाकर पाटिल और गंजाम के जिलाधिकारी वी. कीर्तिभासन से बातचीत कर दोनों जिलों में बारिश और बाढ़ से उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने चक्रवात से पहले की गई तैयारियों और लगातार बारिश के कारण उत्पन्न आई बाढ़ से निपटने के उपायों की समीक्षा की। बैठक के बाद उन्होंने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी के साथ भी राहत एवं बचाव कार्यों पर चर्चा की।

रजिस्ट्रार जाँच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारित कर उसका नाम ग्राम पंचायत जीणी के वार्ड संख्या 5 की मतदाता सूची में पुनः शामिल करने और उसे नामांकन पत्र स्वीकार करने को कहा गया था। निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि जांच में सामने आया है कि यह याचिका 16 अक्टूबर को दूसरी एकलपीठ के समक्ष लिस्ट हुई थी, लेकिन उसमें कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं हुआ था। इससे स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता ने अनुचित लाभ प्राप्त करने और प्राधिकारियों को गुमराह करने के उद्देश्य से इस प्रकार के जाली आदेश के आधार पर निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने का प्रयास किया है। इसलिए याचिकाकर्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

'अडानी बेसब्री से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साम्राज्य के टूटने और उसके टुकड़ों को हड़पने के लिए तैयार बैठे हैं।

ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि राहुल गांधी को नरेन्द्र मोदी और उनकी टीम के बारे में काफी जानकारी मोदी सरकार के भीतर से मिल रही है। खासकर उन नौकरशाहों से, जो सरकार से खुश नहीं हैं।

आने वाले दिनों और हफ्तों में मोदी और उनकी सरकार से जुड़ी कई जानकारियां सामने आ सकती हैं, जो सरकार को कठघरे में खड़ा कर सकती हैं।

मोदी ने मध्य प्रदेश की उस राज्यसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए हरदीप पुरी को उम्मीदवार बनाया है, जो हाल ही में खाली हुई है। पुरी की एप्स्टीन के साथ एक तस्वीर सामने आई थी, जो पूरे देश में चर्चा का विषय बनी थी।

जाहिर है, एप्स्टीन से जुड़ा मामला हो या न हो, हरदीप पुरी मोदी की टीम के एक भरोसेमंद सदस्य हैं।

या शायद इसलिए भी, क्योंकि वे बहुत कुछ जानते हैं और उन्हें इतनी आसानी से नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

विपक्ष के लिए अच्छे दिन आते दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि राहुल गांधी मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए हैं।

अक्टूबर माह में 48 हजार करोड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ और, अब जनमानस को केवल मितव्ययता का उपदेश देना पर्याप्त नहीं होगा, सरकार को इस घटनाक्रम में और सक्रिय होकर और सकारात्मक कदम उठाने पड़ेंगे, जैसे "इन्फ्रास्ट्रक्चर" के आधारभूत ढांचे को मजबूत करना होगा, व्यवसायिक व्यापारिक विवादों को शीघ्र व संतोषजनक तरीके से निपटाने की व्यवस्था करनी पड़ेगी। पर, क्या, अभी इतनी राजनीतिक इच्छा शक्ति व हिम्मत है, कुछ ऐसे कठोर निर्णय लेने के लिए।

जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना होती है, तो निवेशक अपना पैसा लगाने के मामले में अधिक सावधानी बरतने लगते हैं।

लेकिन यह मानना गलत होगा कि भारत की इस स्थिति के लिए पूरी तरह वैश्विक परिस्थितियां ही जिम्मेदार हैं। कॉर्पोरेट कमाई को लेकर चिंता, शेयरों का महंगा मूल्यांकन (वैल्युएशन) और भविष्य में आर्थिक विकास को लेकर अनिश्चितता भी निवेश के फैसलों को प्रभावित कर रही हैं। विदेशी निवेशक केवल दुनिया में चल रही उथल-पुथल पर प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं, बल्कि वे फिर से आकलन कर रहे हैं कि उनका पैसा कहां सबसे अच्छा मुनाफा दे सकता है।

इसके असर केवल दलाल स्ट्रीट (शेयर बाज़ार) तक सीमित नहीं है। लगातार बिकवाली से शेयरों की कीमतें गिर सकती हैं, बाज़ार में निवेशकों का भरोसा कमज़ोर हो सकता है और रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। रुपये की कीमत गिरने से कच्चे तेल और दूसरी जरूरी वस्तुओं का आयात महंगा हो सकता है, जिससे महंगाई और बढ़ सकती है। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों और सिस्टमैटिक इन्वेस्टमैंट प्लान (एस.आई.पी.) ने इस झटके को कुछ हद तक कम करने में मदद की है, लेकिन यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि घरेलू बचत हमेशा हर बाहरी झटके को बेअसर कर पाएगी।

इसलिए सरकार को केवल ग्रोथ के अच्छे अनुमानों पर भरोसा करने के बजाय, यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि निवेशक किन कारणों से चिंतित हैं। स्पष्ट टैक्स नीतियाँ, नियमों में पारदर्शिता, विवादों का तेजी से समाधान और सभी निवेशकों के लिए समान अवसर होना बहुत जरूरी है। इसके साथ ही, मैन्युफैक्चरिंग का दायरा बढ़ाना, इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार करना, निर्यात बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है कि आर्थिक विकास का लाभ कॉर्पोरेट की लगातार बढ़ती कमाई और रोज़गार के अवसरों में तब्दील हो।

भारत को इस सोच से भी बचना चाहिए कि विदेशी पूँजी की हर निकासी उसके आर्थिक भविष्य पर कोई अंतिम फैसला है। पोर्टफोलियो निवेश में उतार-चढ़ाव होना स्वाभाविक है। यह ब्याज दरों में अंतर, मुद्रा के उतार-चढ़ाव और कम समय में मिलने वाले मुनाफे के अवसरों से प्रभावित होता है। विदेशी निवेशकों ने लिस्टेड शेयरों में अपना निवेश कम करने के बावजूद, भारत के प्राइमरी मार्केट में भाग लेना जारी रखा है। इससे संकेत मिलता है कि उनका पीछे हटना, भारत को पूरी तरह से नकार देने जैसा नहीं है।

फिर भी इस चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए। भारत में लंबी अवधि की काफी संभावनाएं हैं, लेकिन केवल संभावनाएं निवेश की गारंटी नहीं होतीं। पूंजी उन्हीं बाज़ारों की ओर जाती है, जहाँ विकास के अवसरों के साथ भरोसेमंद नीतियां, शेयरों का उचित मूल्य और योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का भरोसा भी हो।

अगर भारत निवेश का एक प्रमुख केन्द्र बनना चाहता है, तो उसे यह साबित करना होगा कि उसकी विकास यात्रा निवेशकों को अच्छा मुनाफा देने के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों तक समृद्धि भी पहुंचाती है। विदेशी निवेशक अपना पैसा निकालकर अपना रुख जाहिर कर रहे हैं। भारत को इस संकेत को समझना होगा और जरूरी कदम उठाने होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी 30 और 31 को गुजरात में रहेंगे

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार से गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे बनासकांठा में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की 24वीं किस्त के रूप में देशभर के किसानों को करीब 19,000 करोड़ रुपये जारी करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से गुरुवार को जारी जानकारी के अनुसार, मोदी 30 अक्टूबर को बनासकांठा में भ्रूण प्रत्यारोपण प्रौद्योगिकी एवं इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (ईटी-आईवीएफ) प्रयोगशाला और भारत गोवंश प्रजनन एवं अनुसंधान केंद्र का दौरा करेंगे। इसके बाद वे विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे, दो रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। मोदी बनासकांठा के भिलड़ी में स्थापित भारत गोवंश प्रजनन एवं अनुसंधान केंद्र को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

सिंधिया राजघराना सम्पत्ति बंटवारे के मामले में सुनवाई अब 4 नवम्बर को

धोखाधड़ी से हस्ताक्षर कराने के आरोप पर प्रतिमा देवी के बयान दर्ज होंगे

■ पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे व उषा राजे ने अपने भतीजे ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ पैतृक सम्पत्ति में हिस्से के लिये सिविल सूट दायर किया था। बाद में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से राजीनामा पेश किया था। प्रतिमा देवी ने आरोप लगाया है कि उनके हस्ताक्षर सहमति से नहीं धोखाधड़ी से कराये गये।

ग्वालियर, 29 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर के प्रसिद्ध सिंधिया राजघराने की 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के बंटवारे से जुड़े बहुचर्चित मामले में गुरुवार को अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) की अदालत में सुनवाई होनी थी, लेकिन संबंधित न्यायाधीश के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई टल गई। अब अगली सुनवाई 4 नवंबर को तय की गई है। दरअसल, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मध्य प्रदेश की पूर्व मंत्री यशोधरा राजे और उनकी बहन उषा राजे ने अपने भतीजे केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से पैतृक संपत्ति में अपना हिस्सा पाने के लिए सिविल सूट दायर किया था। लंबे कानूनी विवाद के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से राजीनामा तैयार कर न्यायालय में पेश किया था। मूल दावे में दिवंगत बड़ी बुआ पद्मावती राजे की दोनों बेटियों कनिका देवी सिंह और प्रतिमा देवी राना को पक्षकार बनाया गया था।

इस पर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की दिवंगत बड़ी बुआ पद्मावती राजे सिंधिया की बेटी प्रतिमा देवी (जो कि नेपाल के राणा परिवार में विवाहित हैं) ने इसमें आपत्ति दर्ज कराई थी। प्रतिमा देवी ने समझौता प्रस्ताव पर हस्ताक्षर अपनी सहमति से नहीं, बल्कि धोखाधड़ी से कराए जाने का आरोप लगाया है। न्यायालय ने प्रतिमा देवी का आवेदन स्वीकार कर उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दिया है। उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य भी पेश करने हैं।

गुरुवार को समझौता प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज कराने वाली ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ पद्माराजे की बेटी प्रतिमा राणा के बयान दर्ज होने थे, लेकिन अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आत्माराम टांक के छुट्टी पर होने के कारण सुनवाई टल गई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908